kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-171 ❐ मंगलवार, 21 जुलाई 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

भारत और मोल्दोवा के बीच तीन दशकों से अधिक समय से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं तथा भौगोलिक दूरी के बावजूद शांति, विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में यह साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। **द्रौपदी मुर्मु**

ईरानी वार्ताकार अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगातार दबाव में थे : अराघची 11

दिल्ली सरकार ने दी 'परिवर्तन' योजना को मंजूरी 12

संक्षेप

सेवानिवृत्त जजों की सुविधाओं पर बनेंगे सामान नियम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति के बाद दी जाने वाली सुविधाओं के लिए समान दिशा-निर्देश तैयार करने के उद्देश्य से एक समिति का गठन करे। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया कि यह समिति दो सप्ताह के भीतर गठित की जाए। समिति अपने गठन के तीन महीने के भीतर अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट दोनों को सौंपे। इसमें केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय बोझ बांटने की व्यवस्था पर भी सुझाव देने को कहा गया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि ये सुविधाएं सभी को एक समान आधार पर मिलनी चाहिए। ऐसा कोई कारण नहीं है कि ये सुविधाएं अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग हों। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मौखिक रूप से कहा, वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल करना हमारी संस्कृति का भी हिस्सा है।

त्रिपुरा के डीजीपी ने कार्यालय में की आत्महत्या

अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनकर ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि धनकर को तुरंत जीबी पंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री माणिक साहा और मुख्य सचिव जेके सिन्हा समेत राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल पहुंचे। त्रिपुरा कैडर के 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी धनकर ने मई 2025 में डीजीपी का पदभार संभाला था। वे अगरतला में अपनी पत्नी के साथ रहते थे, जबकि उनका इकलौता बेटा कनाडा में बसा हुआ है। अपने पूरे करियर के दौरान उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक त्रिपुरा पुलिस में अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) से लेकर महानिदेशक (खुफिया) तक के विभन्नि पदों पर अपनी सेवाएं दीं। इसके अलावा उन्होंने कोसोवो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी भाग लिया था और सीबीआई एवं बीएसएफ में भी सेवाएं दी थीं।

ईरान में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराने का दावा

तेहरान। ईरान ने पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार ड्रोन को पश्चिमी केरमानशाह प्रांत के इस्लामाबाद-ए-घर्ब के ऊपर रोका गया और गिरा दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार ड्रोन को एक उन्नत वायु रक्षा प्रणाली ने निशाना बनाया। यह प्रणाली ईरान के आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स द्वारा संचालित है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब अमेरिका ने सोमवार तड़के ईरान के भीतर ठिकानों पर हवाई हमलों का नया दौर शुरू किया।

कांग्रेस व सपा विरासत, विकास, गांव-गरीब, किसानों की जन्मजात विरोधी: योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में कहा कि कांग्रेस व समाजवादी पार्टी विरासत, विकास, गांव-गरीब, किसानों, नौजवानों और महिलाओं की जन्मजात विरोधी हैं। इनसे सावधान और सतर्क रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे अन्यथा जैसे ही इनसे सटेंगे तो खतरा बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों से अपील की कि युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव, सरकारी धन की डकैती व लूट के बारे में बताइए। मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेव के सामने से जाने वाली सड़क को टूलेन से फोरलेन बनाने और गेट को भव्य बनाने के लिए प्रस्ताव मांगा।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को बाराबंकी में रामनगर व दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 542 करोड़ रुपये से अधिक की 82 परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने साहित्यिक विभूतियों, खिलाड़ियों, किसानों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सीमा की सुरक्षा करने वाले युवाओं आदि का नाम लेकर बाराबंकी को विरासत, आध्यात्मिकता, साहित्य, समर्पण, युवा शक्ति से ओतप्रोत, स्वतंत्रता आंदोलन में अविस्मरणीय योगदान वाली प्रतिभाशाली व समृद्ध धरा बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबंकी को लोधेश्वर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त है। सोमवार को बाबा का दर्शन कर अंतःकरण से आनंद की अनुभूति हुई। यहां अगल-बगल के कई जनपदों से श्रद्धालु आते हैं, फिर भी मंदिर जीर्ण-शीर्ण ही रहा। आजादी के बाद भी आपके पैसे से विकास की लौ कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल तक तो पहुंची, लेकिन लोधेश्वर महादेव मंदिर, केडी सिंह बाबू की हवेली, पारिजात के महाभारत कालीन वृक्ष के संरक्षण, महादेवा, अयोध्या, काशी विश्वनाथ, गोला गोकर्णनाथ, महापुरुषों, वीरांगनाओं आदि के नाम पर योजनाओं के लिए पैसा नहीं मिला। हमारी सरकार भगवान लोधेश्वर महादेव का कॉरिडोर बना रही है, जिससे देश-प्रदेश के हर कोने से यहां आने वाला श्रद्धालु अभिभूत होगा और बाराबंकी वालों को आशीर्वाद व धन्यवाद देकर जाएगा। देश से जो भी काशी व अयोध्या आता है, हमें भी धन्यवाद देकर जाता है।

- ❐ मुख्यमंत्री ने बाराबंकी में रामनगर व दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 542 करोड़ से अधिक की 82 परियोजनाओं का किया लोकार्पण/शिलान्यास
- ❐ मुख्यमंत्री ने लोधेश्वर महादेव के सामने से जाने वाली सड़क को फोरलेन और गेट को भव्य बनाने की घोषणा की
- ❐ बुजुर्गों से बोले मुख्यमंत्री योगी- युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव व लूट के बारे में बताइए

मुख्यमंत्री ने कहा कि हॉकी में 36 वर्ष बाद भारतीय टीम ने ओलंपिक में पदक जीता लेकिन उससे पहले मेजर ध्यानचंद व केडी सिंह बाबू के समय भारत ने लगातार तीन बार स्वर्ण पदक जीता था। जिस खिलाड़ी ने हॉकी को पूरा जीवन दिया, उन केडी सिंह बाबू की हवेली बिक जाए, हमारी सरकार यह कतई स्वीकार नहीं करेगी। हमने तय किया कि वहां संग्रहालय का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने अमेरिका के न्यू जर्सी में हुए फीफा विश्वकप का भी जिक्र करते हुए कहा कि स्पेन व अर्जेंटीना के मैच को देखकर लोगों में गजब का उत्साह था। ऐसे ही जब हॉकी चलती है तो भारत की निगाहें उस पर रहती हैं। मेजर ध्यानचंद व केडी सिंह बाबू ने इसे नई ऊंचाई दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरासत के संरक्षण व सनातन मूल्यों के रक्षा के लिए महापुरुषों ने योगदान दिया। देश के लिए योगदान व सनातन के लिए समर्पण देने वाले महापुरुषों को सरकार ने सम्मान दिया है। सनातन की सुदृढ़ नींव पर ही हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। सनातन सुरक्षित है तो हम सभी सुरक्षित हैं। सनातन पर खतरा आया तो कोई बच नहीं पाएगा। लोगों को ● शेष पेज 11 पर

युवाओं को सपा की गुंडागर्दी, उपद्रव व लूट के बारे में बताइए

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी जाति से जाति को लड़ा रही है। एक समय कहावत थी कि देख सपाई, बिटिया घबराई। मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों से अपील की कि युवाओं को इनकी गुंडागर्दी, उपद्रव, डकैती, अराजकता, लूट के बारे में बताइए। उन्होंने कहा कि सैफई घराना ने आमजन के पैसे पर लूट मचाई थी। सपा जिस जेपीएनआईसी को बना रही थी, उसकी कीमत 200 करोड़ थी, लेकिन 864 करोड़ खर्च होने के बावजूद भी बिल्डिंग अधूरी थी। हमारी सरकार से पहले सपा ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने यहां भी उनके घोटाले को उजागर किया। कहा कि जिसके लिए वे 15,200 करोड़ का एस्टिमेट बनाए थे। दो वर्ष बाद जमीन आने पर हमने प्रधानमंत्री से इसका शिलान्यास कराया और 11,800 करोड़ रुपये में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे बनाया। गोमती रिवर फ्रंट का कुल एस्टिमेट 167 करोड़ रुपये था, लेकिन 1700 करोड़ खर्च होने के बावजूद वह अधूरा ही रहा।

'चढ़ावा चोरी मामले का राजनीतिकरण न करें'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हुई, लेकिन मामले पर विस्तृत सुनवाई अगले सप्ताह के लिए टाल दी गई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने जांच की वर्तमान स्थिति पर जानकारी ली। साथ ही कहा कि इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। न्यायालय का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि जांच अपने उचित निष्कर्ष तक पहुंचे।

सुनवाई के दौरान न्यायालय में बताया गया कि पिछली सुनवाई के निर्देशों के अनुसार स्थिति प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया गया है। न्यायालय को जानकारी दी गई कि जांच जारी है, अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और फिलहाल जांच से जुड़ी अधिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने जांच कर रही विशेष जांच दल के गठन पर भी सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि सरकार इस संबंध में आवश्यक निर्देश लेकर आए। पीठ ने सुझाव दिया कि जांच की निगरानी उस वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी को सौंपी जा सकती है, जो पहले भी इस मामले को देख चुके हैं। न्यायालय ने विशेष जांच दल के पुनर्गठन पर विचार करने को कहा, ताकि जांच बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि न्यायालय इस मामले में पूरी सावधानी बरत रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस पूरे विवाद का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। न्यायालय का उद्देश्य केवल इतना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से पूरी हो और सत्य सामने आए। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है। तब तक राज्य सरकार से विशेष जांच दल को लेकर आवश्यक ● शेष पेज 11 पर

सुप्रीम कोर्ट बना सकता है नई एसआईटी

सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक नई विशेष जांच टीम गठित करने के संकेत दिए। कोर्ट ने कहा कि नई एसआईटी में पहले से जांच कर रहे अधिकारियों को भी शामिल किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के नेतृत्व में जांच कराई गई है और उसकी स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी गई है। एसआईटी की जांच के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है और अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि उन्होंने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए खुली अदालत में विस्तृत जानकारी साझा करना उचित नहीं होगा। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अदालत तीन-चार दिन बाद मामले पर दोबारा सुनवाई करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों की नई एसआईटी बनाई जाए, जिसमें पहले से जांच कर रहे अधिकारी भी शामिल हों। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को भरोसा दिलाया कि सरकार ऐसा करने के लिए तैयार है।

दान राशि की गिनती के लिए एसबीआई की देखरेख में नयी टीम तैनात

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर के दान पात्रों में जमा नकद चढ़ावे की गिनती के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने नई टीम तैनात करते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की निगरानी में दो पालियों वाली व्यवस्था शुरू की है। सूत्रों ने बताया कि एक सप्ताह के परीक्षण के बाद रविवार से यह प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके बाद ट्रस्ट ने औपचारिक रूप से दानराशि की गिनती की जिम्मेदारी एसबीआई को सौंप दी।

घरेलू रसोई में एथेनॉल को एलपीजी का विकल्प बनाने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार घरेलू रसोई में एलपीजी के विकल्प के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की तैयारी कर रही है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय इस संबंध में नई नीति का मसौदा तैयार कर रहा है। इसमें एथेनॉल आधारित चूल्हों को बढ़ावा देने, आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने और सब्सिडी देने जैसे प्रावधान शामिल किए जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रालय उद्योग संगठनों और तेल विपणन कंपनियों के साथ इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रहा है। यदि योजना को मंजूरी मिलती है तो भविष्य में एलपीजी के साथ एथेनॉल भी घरेलू रसोई ईंधन का एक विकल्प बन सकता है। सरकार का मानना है कि इससे स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा मिलेगा, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एलपीजी आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि नई नीति का खाका सितंबर तक तैयार हो सकता है। पिछले कुछ वर्षों में देश में एथेनॉल उत्पादन क्षमता तेजी से बढ़ी है। मौजूदा समय में देश की उत्पादन क्षमता 20 अरब लीटर प्रति वर्ष से अधिक हो चुकी है और इस वित्त वर्ष में इसमें करीब 4 अरब लीटर की अतिरिक्त क्षमता जुड़ने की उम्मीद है। इसके बावजूद हर साल एथेनॉल उत्पादन क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता। ऐसे में सरकार अतिरिक्त एथेनॉल को घरेलू रसोई ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने की संभावना तलाश रही है। देश में एथेनॉल का उपयोग अभी मुख्य रूप से ● शेष पेज 11 पर

- ❐ एलपीजी आयात पर निर्भरता घटेगी
- ❐ एथेनॉल चूल्हों पर मिल सकती है सब्सिडी, पेट्रोल पंपों पर लग सकते हैं 'एथेनॉल एटीएम'

उप्र में कई जिलों में मूसलाधार बारिश, नदियां उफान पर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है और पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के पूर्वी तथा पश्चिमी दोनों हिस्सों में व्यापक वर्षा दर्ज की गई। कई स्थानों पर अत्यधिक से अति भारी वर्षा हुई, जिससे निचले इलाकों में जलभराव, नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि तथा जनजीवन पर व्यापक प्रभाव देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश के अनेक जिलों में गरज-चमक के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के वर्षा आंकड़ों के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी में 160 मिमी, बहराइच के महसी में 127 मिमी, श्रावस्ती के भिंगा में 122 मिमी, उन्नाव के हसनगंज में 119 मिमी, चंदौली में 111 मिमी तथा ● शेष पेज 11 पर

आईटीआर में अब दूसरा पता देना होगा अनिवार्य

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए इस साल एक अहम बदलाव किया गया है। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर विभाग ने सभी आईटीआर फॉर्म में दूसरे पते का कॉलम अनिवार्य कर दिया है। अब करदाताओं को प्राथमिक पते के साथ एक अतिरिक्त पते की जानकारी भी देनी होगी। यदि दोनों पते एक जैसा हैं, तब भी इसकी पुष्टि करनी होगी। इस बदलाव का उद्देश्य आयकर विभाग के रिकॉर्ड को अधिक सटीक बनाना और करदाताओं से संपर्क आसान करना है। पहले आईटीआर फॉर्म में केवल एक पता भरना होता था। अब फॉर्म में प्राथमिक और दूसरे पते दोनों का विकल्प दिया गया है। यदि करदाता का दूसरा पता नहीं है, तो वह 'दूसरा पता पहले पते के समान है' का विकल्प चुन सकता है। वहीं, यदि वह किसी दूसरे शहर में रहता है या उसका पत्राचार का पता अलग है, तो उसे उस पते का पूरा विवरण देना होगा। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद ● शेष पेज 11 पर

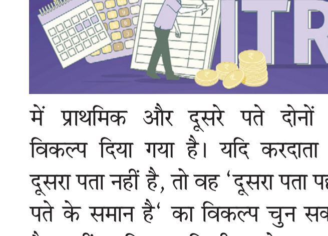

मानसून और मानसून सत्र के सक्रिय रहने से होगा देश का कल्याण: मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मानसून की तरह संसद का मानसून सत्र भी सक्रिय और उत्पादक रहने की आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों ही सक्रिय होंगे तो देश का कल्याण होगा।

श्री मोदी संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को संसद परिसर में कहा, ख्हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून भी सक्रिय रहे और मानसून सत्र भी उत्पादक रहे। जब दोनों प्रोडक्टिव होते हैं तो देश का कल्याण होता है।ङ्क उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में भारत ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरिक्ष क्षेत्र में कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनसे हर देशवासी गर्व महसूस कर सकता है। श्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष मानसून सत्र से एक दिन पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंचा था और इस बार सत्र से दो दिन पहले ही एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह केवल संयोग नहीं बल्कि इस बात का संदेश है कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं और क्षमताएं अंतरिक्ष जितनी असीम हैं। उन्होंने कहा कि देश के स्टार्टअप में काम करने वाले युवाओं की औसत आयु करीब 28 वर्ष है और यही युवा भारत के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होकर आज देश चल पड़ा है. उसी का नतीजा है कि भारत के नौजवान इतना बड़ा साहस कर पाते हैं और सफल भी हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों राजस्थान में बहुत बड़ी ऑयल रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ सप्ताह पहले देश का तीसरा सेमीकंडक्टर प्लांट देश को समर्पित किया गया। अभी कुछ दिन पहले ग्रीन हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन देश को समर्पित की गई है। विश्व के बहुत कम देश ऐसे हैं, जिसके पास ये सुविधा है, लेकिन भारत ने जो हाइड्रोजन ट्रेन देशवासियों को समर्पित की है, वो सबसे ताकतवर इंजन वाली और सबसे लंबी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत 7.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जो देश की क्षमता और मजबूती का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि देश ने विकास की गति पकड़ ली है और संसद का यह सत्र उस गति को और तेज करने का अवसर है। ● शेष पेज 11 पर

प्रदर्शनकारियों को लेकर सरकार में रही गहमागहमी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर क्राकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के छात्र आंदोलन ने जहां संसद के बाहर घंटों तक सामान्य जनजीवन को अस्त व्यस्त रखा, वहीं संसद में भी यह मुद्दा सरकार के भीतर गहन चर्चा में रहा है। केंद्र सरकार की पूरे आंदोलन पर न केवल कड़ी नजर रही, बल्कि एतिहातन कदम भी उठाए गए। इस बीच सरकार ने प्रदर्शनकारियों को सुना और उनसे धरना समाप्त करने का आग्रह भी किया। हालांकि सरकार व भाजपा का मानना है कि यह आंदोलन राजनीति से प्रेरित है।

संसद के मानसून सत्र में सोमवार सुबह जब दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हो रही थी। संसद के बाहर सड़कों पर सीजेपी के आव्हान पर छात्रों व युवाओं के हुजूम और संसद की तरफ उनके बढ़ते कदमों से सरकार की पेशानी पर बल ला दिए। सतर्क सुरक्षा बलों में पूरी तरह मुस्तैदी से मोर्चा संभाले रखा और संसद के करीब पहुंच चुके आंदोलनकारियों को पीछे खदेड़ा। दूसरी तरफ सरकार से मिलने की मांग कर रहे आंदोलनकारियों के दो प्रतिनिधयों से सरकार की तरफ से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने मुलाकात की। बाद में नड्डा ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11 बज कर 50 मिनट से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।

इसके पहले संसद भवन में सरकार के प्रमुख नेता इस मुद्दे पर सक्रिय रहे। गृह मंत्री अमित शाह के कक्ष में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की लंबी चर्चा को इसी से जुड़ा माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ भी चर्चा में यह मुद्दा रहा। सूत्रों के अनुसार सरकार ने आंदोलनकारियों के प्रति नरमी बरतने को कहा और बल प्रयोग करने के बजाय अन्य तरीकों से सड़कों पर लगे जाम को हटाने के लिए कहा गया। संसद के बेहद नजदीक पहुंचने पर भी संयमित कार्रवाई ही की गई। सूत्रों के अनुसार सरकार इस पूरे प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित मान रही है। परोक्ष रूप में सरकार ने यह संकेत भी दिए, इन लोगों का मकसद चुनावी है। सरकार के एक बड़े नेता ने कहा कि इसमें छात्रों की संख्या बेहद कम हैं। छात्र तो प्रवेश लेने व अन्य कामों में व्यस्त हैं। प्रदर्शनकारी अपनी बात रखना चाहते थे, तो उनको वह मौका दिया। सरकार ने यह भी साफ किया है कि प्रदर्शनकारियों को जंतर मंतर से जबरन नहीं हटाया गया है। अगर वे हट रहे हैं तो अच्छा है। हालांकि सरकार व भाजपा आगे की स्थिति पर भी कड़ी नजर रखे है। विपक्ष के तेवरों को देखते हुए अभी दो-तीन दिन संसद में विपक्ष की तरफ से हंगामा किए जाने के आसार हैं। हालांकि सरकार की कोशिश है कि तब तक आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से नियंत्रित कर लिया जाए। कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर सोमवार को हुए संसद मार्च ने दिनभर राजधानी को हिलाकर रख दिया। तय समय पर सुबह नौ बजे से पहले ही हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर मंतर की तरफ लगी पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ते हुए संसद मार्ग तक पहुंच गए थे। देखते ही देखते कुछ प्रदर्शनकारियों का समूह संसद भवन के करीब पहुंच गया। ऐसे में आनन-फानन में उन्हें हिरासत में लेकर वहां से हटाया गया। लेकिन बाकी प्रदर्शनकारी जंतर मंतर, ● शेष पेज 11 पर

सख्ती

- ❐ संसद में रहा बैठकों का दौर, स्थिति को संभालने के लिए संयमित कार्रवाई
- ❐ नड्डा ने प्रदर्शनकारियों को सुना, शाह से प्रधान ने की मुलाकात

डीएम-एसपी ने सावन मास एवं कांवड़ यात्रा, गंगा घाटों पर स्नान एवं शिव मंदिरों में जलाभिषेक समेत अन्य तैयारियों को लेकर की बैठक

❐ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सावन मास/कांवड़ यात्रा, गंगा घाटों पर स्नान, शिव मंदिरों में जलाभिषेक, पूजा-अर्चना एवं श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सावन मास/कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद में आने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें।

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रमुख गंगा घाटों एवं शिव मंदिरों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाए। भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग, प्रवेश एवं निकास मार्गों की समुचित व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी तथा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पब्लिक एड्रेस सिस्टम) का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने नगर निकायों को निर्देश दिए कि घाटों, मंदिर परिसरों एवं कांवड़ मार्गों पर नियमित साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, कूड़ादान तथा स्वच्छता संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने एवं खुले अथवा जर्जर विद्युत तारों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख स्थलों पर चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस, आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग एवं आपदा प्रबंधन की टीमें आवश्यक उपकरणों सहित सतर्क रहें तथा गंगा घाटों पर गोताखोरों एवं जल पुलिस की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की जाए। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु आवश्यकतानुसार डायवर्जन प्लान लागू करने, पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन करने तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सावन मास के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

कोरांव में भीड़ न संभलने के बाद भी करछना का मिला चार्ज, जनता में नाराजगी

❐ लोगों ने डीएम से मांगी नए एसडीएम की तैनाती

कैनविज टाइम्स संवाददात

प्रयागराज । तहसील करछना में नवागतुक उपजिलाधिकारी की तैनाती को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज है। आरोप है कि इससे पहले ये अधिकारी कोरांव तहसील में तैनात थे और शनिवार को डीएम के दौरे के दौरान वहां व्यवस्था नहीं संभल पाई थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डीएम के तहसील कोरांव पहुंचने पर हजारों की संख्या में लोग अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। भीड़ इतनी बढ़ गई कि उसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को तहसील का मुख्य द्वार बंद करना पड़ा और लंबी कतारें लग गईं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इसके बावजूद उन्हें कोरांव से हटाकर करछना तहसील का उपजिलाधिकारी बना दिया गया। चर्चा है कि इससे पहले भी ये अधिकारी बारा तहसील में तैनात थे।

चर्चा यह भी है कि करछना एसडीएम बनाने में जिले के एक एडीएम का सहयोग रहा है।* इसी कारण उन्हें लगातार प्रशासनिक जिम्मेदारी दी जा रही है। आरोप है कि करछना ज्वाइन करने के बाद भी

एसडीएम तहसील आवास पर रात्रि विश्राम नहीं कर रहे हैं और जिला मुख्यालय पर रह रहे हैं। बारिश के मौसम में आपदा की स्थिति को देखते हुए यह लापरवाही खतरनाक हो सकती है। क्षेत्रीय लोगों ने कहा कि जिले में कई अन्य योग्य पीसीएस अधिकारी हैं जो जनता के बीच बेहतर कार्य कर सकते हैं। लोगों ने जिलाधिकारी प्रयागराज से मांग की है कि करछना में किसी ऐसे अधिकारी को तैनात किया जाए जो जनता की समस्याएं सुनकर ईमानदारी से निस्तारण करे, जैसा कि सरकार की मंशा है। सामाजिक कार्यकर्ता पंडित महेंद्र प्रसाद का कहना है कि यदि इनको तत्काल करछना से नहीं हटाया गया तो जनहित को लेकर शासन से शिकायत करुंगा।

युवक पर सरिया से हमला करने का आरोप, चार लोगों के खिलाफ शिकायत

सरोजनी नगर,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । क्षेत्र के तपोवन नगर में एक युवक पर सरिया से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने चार लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। तपोवन नगर निवासी संदीप यादव के अनुसार, 18 जुलाई 2026 को शाम करीब 3:30 बजे वह दुकान से सामान लेकर घर लौट रहे थे। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले आर्यन और ओम पुत्र रमाकांत, ने उन्हें रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी और सरिया से हमला कर दिया। संदीप का कहना है कि शोर सुनकर उनके परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। आरोप है कि हमलावर जाते समय जान से मारने की धमकी भी देकर गए। पीड़ित ने बताया कि घटना के दौरान उनकी बहन वर्षा ने मोबाइल से वीडियो बनाया, जिसमें आरोपितों के हाथ में सरिया दिखाई दे रही है। शिकायत में रामश्री पत्नी स्वर्गीय बलीराम और संगीता पत्नी रमाकांत पर भी गाली-गलौज और अभद्रता करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छह वर्षीय मासूम चाहत की जहरीले जन्तु के काटने से मौत

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता । कोतवाली क्षेत्र के मदनखेड़ा मजरे पोखरनी गांव में अंधेरे में मां के साथ सो रहे 6 वर्षीय मासूम चाहत पुत्र महेश को किसी जहरीले जन्तु ने काट लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे सीएचसी महराजगंज ले गए, जहां से गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल और फिर एम्स रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। सीएचसी के चिकित्सक डॉ. एस.के. राय ने बताया बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता महेश कुमार ने बताया बिजली न होने से अंधेरे में कुछ समझ नही आया। बच्चे के चीखने पर जानकारी हुई। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से मासूम के परिवार में कोहराम मचा है और गांव में शोक की लहर है।

आयुष, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने बड़ागांव और पिंडरा में दो महत्वपूर्ण सड़कों का किया शिलान्यास

वाराणसी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश सरकार की त्वरित आर्थिक विकास योजना 2025-26 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने बड़ागांव और पिंडरा क्षेत्र में कुल 49.24 लाख की लागत से 2 महत्वपूर्ण सड़कों का शिलान्यास किया। बाबतपुर नहर बड़ागांव मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम शाहपुर गेट से सरोवर के चारों ओर होते हुए अमित कुमार के प्लाट एवं प्रशान्त चतुर्वेदी के मकान तक 550 मीटर सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस कार्य की लागत 26.13 लाख है। वही दूसरी सड़क खालिसपुर पिंडरा ब्लॉक में गोडिया परसारा पिंडरा मार्ग से स्व. राधेश्याम मिश्रा प्रधानाचार्य के घर तक 310 मीटर सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। इस कार्य की लागत ?23.11 लाख है। इस अवसर पर डॉ. दयालु ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के हर गांव तक विकास पहुंचाने का संकल्प है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें ही विकास की रीढ़ हैं। इन दोनों सड़कों के बनने से हजारों ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी, कृषि उत्पाद मंडी तक आसानी से पहुंचेंगे और क्षेत्र का चहुंमुखी विकास होगा।''उन्होंने कहा कि ''भाजपा कार्यकर्ता ही सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। आप सभी के सहयोग से ही केंद्र और प्रदेश की जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर काम कर रही है और ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी ढांचों को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। शिलान्यास कार्यक्रम में चंद्रशेखर सिंह, शशि प्रकाश मिश्रा, गौरव राठी, इंद्रेश मिश्रा (बबलू), हरदत शुक्ला, प्रशांत चतुर्वेदी, संतोष सैनी, अनूप दुबे, मिथिलेश पांडेय, जितेंद्र पटेल, अजय सिंह, संजय मिश्रा, अरुण पांडेय, जय विश्वकर्मा, प्रमोद राय, प्रवीण पांडेय, सौरभ राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ एवं पुराने कार्यकर्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने मंत्री जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यकर्ताओं में मंत्री के इस पहल को लेकर भारी उत्साह देखा गया।

सर्वोदय विद्यालयों से संवर रहा भविष्य, गांव की बेटियां लिख रहीं सफलता की नई इबारत

लखनऊ,कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश में शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण की योजनाएं सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। समाज कल्याण विभाग के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आधुनिक तकनीक, भारतीय संस्कार और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रभावी केंद्र बनकर उभर रहे हैं। नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों के बौद्धिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण मिर्ज़ापुर के सर्वोदय बालिका विद्यालय, मड़िहान स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है। यहां नीट की निःशुल्क आवासीय कोचिंग प्राप्त करने वाली 34 छात्राओं में से 31 ने परीक्षा दी, जिनमें 18 छात्राओं ने सफलता हासिल की। इनमें पूजा रंजन, श्वेता पाल, खुशबू, लक्ष्मी रावत, मालती, अंकिता, अनीता, मनीषा, प्रेमलता, अंकिता कुमारी, कोमल, सपना, अंशिका, प्रियंका, फूल कुमारी, अनुराधा, खुशी और आंचल ने सफलता अर्जित की है। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रवेश प्रक्रिया में 60 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, 25 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। निदेशक, समाज कल्याण विभाग संजीव सिंह ने सोमवार को बताया कि सर्वोदय विद्यालयों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी और संस्कारयुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

अक्षरलोग युवा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जन प्रहर्ष परिवार के काव्योत्सव मनाते हुए कवि अक्षर लोग शीर्ष सम्मान संयुक्त तत्वावधान में सम्मान मनमोहन मिश्रा अक्षर लोग युवा सम्मान पंडित धीरज मिश्रा शांडिल्य अध्यक्षता डॉ संजय अध्यक्षता व्यंजन शुक्ला पत्रकार विपिन शर्मा प्रमोद द्विवेदी समारोह को सम्पन्न करने में योगदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप रामकृष्ण यादव ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में अंशु 'प्रिया' दुबे, सुधा गुप्ता, वंदना विशेष, वत्सला पांडे, रूही शुक्ला, योगी योगेश शुक्ला, राज्य वर्मा वत्सल, पूनम मिश्रा, लोकेश त्रिपाठी, ओम शर्मा ओम, सुभाष चंद रसिया, मंजुल मिश्रा मंजर, रेनू द्विवेदी, निशा सिंह, अरविंद झा, महेश चंद्र गुप्ता, लक्ष्मी शुक्ला अलका अस्थान आलोक रंजन मिश्रा, हरीश मिश्रा, प्रज्ञा त्रिपाठी, ज़िदी मुस्कान ने अपनी प्रभावशाली काव्य प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों की ओज, हास्य, श्रृंगार एवं संवेदना से भरपूर रचनाओं को श्रोताओं ने खूब सराहा। इस अवसर पर प्रहर्ष फ़ाउंडेशन द्वारा लकी ड्रॉ विजेताओं का चयन कर आकर्षक उपहार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की निवेदक डॉ. सुमन दुबे की विशेष भूमिका रही।

ऊर्ज़ा मंत्री ने किया जिला सहकारी बैंक के नए भवन का उद्घाटन

❐ मंत्री ने कर्मचारियों के काम-काज को सराहा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को जनपद मऊ में जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ की मधुबन शाखा के अत्याधुनिक भवन का उद्घाटन किया। समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, बैंक अधिकारी, सहकारिता विभाग के अधिकारी, स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ए.के. शर्मा ने कार्यक्रम में कहा कि जिला सहकारी बैंक लिमिटेड मऊ वर्षों से जिले की ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ रहा है। बैंक ने किसानों को फसल ऋण, स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता तथा छोटे व्यापारियों को सरल एवं सुलभ ऋण उपलब्ध कराकर ग्रामीण विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मधुबन कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां धान, गेहूं और सब्जियों की खेती बड़े पैमाने पर होती है। ऐसे में शाखा का आधुनिक भवन में स्थानांतरण क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित तथा तकनीकी रूप से सक्षम बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ के अध्यक्ष अखिलेश तिवारी ने कहा कि बैंक प्रबंधन लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक चंद्रशेखर यादव , जिला सहकारी बैंक लिमिटेड, मऊ के सचिव एवं सीईओ मनोज कुमार, सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक विजय कुमार, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवीण कुंवर सिंह 'शुभम', अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिक मौजूद रहे।

जवाहर भवन में अग्निकांड की घटना पर महापौर ने लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के प्रमुख सरकारी कार्यालयों में शामिल जवाहर भवन में सोमवार सुबह आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही महापौर सुषमा खर्कवाल तत्काल मौके पर पहुंचीं तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

महापौर ने पुलिस, अग्निशमन विभाग, नगर निगम एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए समय रहते आग पर काबू पाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों के कारण एक बड़ा हादसा टल गया और सबसे सुखद बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए तथा आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने सरकारी भवनों में स्थापित अग्नि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच एवं आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन इस दिशा में पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है।

प्रशासक के रूप में कार्यकाल के प्रथम दिन ब्लॉक प्रमुख को बधाई देने वालों का लगा तांता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । प्रशासक के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा डिंपल को बधाइयां मिलने का सिलसिला पूरा दिन जारी रहा। सैकड़ों की संख्या में लोग बधाई देने पहुंचे और उनके अग्रिम कार्यकाल की शुभकामनाएं प्रेषित किया। आपको बता दें सरकार ने ग्राम प्रधानों व जिला पंचायत अध्यक्षों के बाद अब ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल भी 6 माह बढ़ा दिया है। किसी को लेकर ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा डिंपल जब प्रातः काल कार्यालय पहुंचे तो बधाई देने वाले पहले से ही कार्यालय में उनका इंतजार कर रहे थे।बधाई देने वालों में बागेश्वर दास महंत सिरोना शक्तिपीठ, उनके शिष्य आशुतोष दास, एडीओ पंचायत संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला, भाजपा विधानसभा संयोजक शंभू नाथ पांडे, अपना दल नेता पोनू पटेल, भाजपा मंडल महामंत्री डीडी त्रिपाठी, राष्ट्रीय कल्याण मंच के अध्यक्ष अनोद रावत, राजू सेठ ग्राम प्रधान हबुआपुर अजय त्रिवेदी, बस्तिया देवेंद्र सिंह चौधरी, ग्राम प्रधान महुरा, हीरा सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। अपने संबोधन में ब्लॉक प्रमुख विनय वर्मा डिंपल ने योगी सरकार के प्रति कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा पिछले 5 साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र में काफी विकास कार्य कराया है और जो कार्य शेष रह गए हैं उन्हें आने वाले समय में करने का पूरा प्रयास किया जाएगा उन्होंने कहा कि जनता के सुख-दुख के साथी हैं और जनसेवा में 24 घंटे तत्पर हैं।

जुल्म की इंतिहा जब भी हुई है, इंक़लाब ने करवट ली है: सुरेश सिंह

❐ शहीद चौक पर आम आदमी पार्टी का उग्र धरना, युवाओं पर कथित दमन के खिलाफ केंद्र सरकार पर तीखा हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। आम आदमी पार्टी द्वारा आज शहीद चौक पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में तथा दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपने अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे नौजवानों के समर्थन में विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया। धरने में पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक अधिकारों की आवाज़ को बलपूर्वक दबाने का प्रयास संविधान की आत्मा पर सीधा प्रहार है। वक्ताओं ने कहा कि यदि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध भी सुरक्षित नहीं रहेगा, तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था गंभीर संकट की ओर बढ़ेगी। धरने को संबोधित करते हुए सदर विधानसभा प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष सुरेश सिंह ने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपने अधिकारों की मांग कर रहे युवाओं के साथ कथित रूप से पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया, वह लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिकूल है। उन्होंने कहा कि यदि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भीतर लोकतांत्रिक मर्यादाओं और नैतिक उत्तरदायित्व का बोध शेष है तो केवल शिक्षा मंत्री से जवाब मांगने के बजाय स्वयं देश की जनता के प्रति अपनी जवाबदेही स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि आज देश का छात्र आत्महत्या करने को मजबूर है, सरकारी नौकरियां लगातार घट रही हैं, महंगाई चरम पर है और युवाओं का भविष्य अनिश्चितता के अंधकार में धकेला जा रहा है। श्री सिंह ने कहा, जो सरकार अपने नौजवानों की आवाज़ सुनने के बजाय उन्हें चुप कराने का प्रयास करती है, वह लोकतंत्र की नहीं, अहंकार की सरकार कहलाती है। संविधान ने जनता को प्रश्न पूछने का अधिकार दिया है और उस अधिकार का सम्मान करना हर सरकार का दायित्व है। ''जिनके महलों में उजालों का बसेरा होगा, उनको क्या दर्द अंधेरों का पता होगा, वक्त जब करवट बदलता है जनाब, तख़्त भी गिरते हैं और ताज भी बिखर जाते हैं।''

क्रांतिकारी राममोहन श्रीवास्तव 'रामू' ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि देश का नौजवान आज रोजगार, शिक्षा और सम्मान की लड़ाई लड़ रहा है, लेकिन सत्ता उसके सवालों का उत्तर देने के बजाय उसे डराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि सत्ता की ताकत जनता की इच्छा से बड़ी कभी नहीं हुई। श्री श्रीवास्तव ने कहा, सरकारें आती हैं और चली जाती हैं, लेकिन जनता का न्याय शाश्वत होता है। जो आज वर्दी और सत्ता के बल पर लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन कर रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि समय का चक्र सबका हिसाब करता है। कानून का राज किसी व्यक्ति या दल की जागीर नहीं है।

व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी के तहत 1.95 लाख से अधिक पुराने वाहन चलन से बाहर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार की व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। पॉलिसी 1 अप्रैल 2023 से लागू होने के बाद 30 जून 2026 तक प्रदेश में 1.85 लाख से अधिक निजी और 10 हजार से अधिक सरकारी वाहनों को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों के माध्यम से स्क्रैप किया जा चुका है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनकी ओर से कार्य करते हुए मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	कार्य का नाम	कैरिज वर्कशॉप, आलमबाग में ICF/RCF प्रकार के ए.सी. कोचों एवं LHB कोचों के अंडरस्लंग वाटर टैंकों का ओवरहॉलिंग कार्य।
02	कार्य स्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ।
03	अनुमानित लागत	रु. 54,62,740.66/- मात्र।
04	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
05	बिड सिक्युरिटी	रु. 1,09,300/- मात्र।
06	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह।
07	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक- 10.08.2026 समय 15:00 बजे तक
08	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
09	खुलने का समय	निविदा फॉर्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट- www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं.: 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू-ईनिविदा-35 दिनांक: 18.07.2026 2489/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

काकोरी में ट्रांसफॉर्मर चोरों का फिर कहर, मायापुरी कॉलोनी में एक साल में दूसरी बार उड़ाया लाखों का सामान

❒ कॉपर, तेल समेत कीमती उपकरण चोरी, बिजली विभाग और पुलिस को खुली चुनौती, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच तेज

कैनविज टाइम्स संवाददाता।

काकोरी लखनऊ । थाना क्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर चोरों का गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। रविवार देर रात काकोरी रोड स्थित अमिताभ बच्चन फार्म हाउस के पास, ग्राम पंचायत मुजफ्फरनगर पलिया की मायापुरी आवासीय कॉलोनी में लगे बिजली ट्रांसफॉर्मर को निशाना बनाते हुए चोरों ने उसके सभी नट-बोल्ट खोलकर कॉपर, ट्रांसफॉर्मर ऑयल तथा अन्य कीमती उपकरण चोरी कर लिए। हैरानी की बात यह है कि इसी ट्रांसफॉर्मर को एक वर्ष के भीतर दूसरी बार निशाना बनाया गया है, जिससे चोरों ने पुलिस और बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताया जा रहा है कि इससे पहले 4/5 अक्टूबर की रात भी इसी ट्रांसफॉर्मर से इसी तरह की चोरी हुई थी। उस समय भी लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ किया गया था।

पूर्व में पुलिस द्वारा ऐसे ही एक गिरोह का खुलासा किया गया था, जिसमें बरेली के चोरों के साथ बिजली विभाग का एक संविदाकर्मी भी शामिल पाया गया था।सोमवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही मायापुरी कॉलोनी के संस्थापक एवं काकोरी प्रधान संघ अध्यक्ष आनन्द यादव ने तत्काल काकोरी पुलिस और एफसीआई विद्युत उपकेंद्र को सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी मौके का जायजा लिया। एफसीआई विद्युत उपकेंद्र के एसडीओ संदीप वर्मा ने बताया कि घटना की लिखित सूचना पुलिस को दे दी गई है। प्रधान आनन्द यादव के अनुरोध पर विभाग ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुचारु करा दी, जिससे स्थानीय लोगों को अधिक परेशानी का सामना न करना पड़े। लगातार दूसरी बार ट्रांसफॉर्मर से चोरी की घटना ने बिजली विभाग और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। ऐसे उपकरणों की चोरी से विभाग को लाखों रुपये का नुकसान होता है, वहीं क्षेत्र की बिजली व्यवस्था भी प्रभावित होती है। काकोरी प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि जेई जहांगीर आलम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने की संविदा कर्मी की मृत्यु पर ग्रेच्युटी दिए जाने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव समाज कल्याण को पत्र भेजकर राजकीय मण्डलीय आश्रम पद्धति विद्यालय, पैंढत (एका), फिरोजाबाद के अध्यापक की ऑन ड्यूटी हुई मौत पर अध्यापक को 20 लाख ग्रेच्युटी देने व आश्रित को नौकरी भी देने की मांग की है।

विदित हो कि 16 जुलाई की रात को राजकीय मण्डलीय आश्रम पद्धति विद्यालय, पैंढत (एका), फिरोजाबाद में कार्यरत संविदा शिक्षक विवेक कुमार की अचानक हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई। विवेक कुमार की मौत के साथ ही उनके परिवार की जिंदगी रुक गई। विवेक कुमार अंग्रेजी के संविदा शिक्षक थे। वह विगत 10 वर्षों से अध्यापन कार्य कर रहे थे। उनके वेतन पर ही परिवार का गुजारा होता था। विवेक कुमार की मौत से परिवार की आय एकदम शून्य हो जाने से परिवार की स्थिति बेहद खराब हो गई।

राजकीय विभागों में सेवा के दौरान मृत्यु पर डेथ कम रिटायरमेंट ग्रेच्युटी का प्रावधान 1972 में किया गया है। समाज कल्याण विभाग में कार्यरत संविदा शिक्षक नियमित कर्मचारियों की बात ही पद का मूल वेतन एवं महंगाई भत्ते का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उनको नियमित कर्मचारियों की भांति मातृत्व अवकाश एवं अन्य सुविधाएं भी मिल रही है, परंतु ग्रेजुएटी एवं मृतक के रूप में नौकरी का प्रावधान नहीं है।

संयुक्त परिषद ने प्रमुख सचिव समाज कल्याण को पत्र लिखकर स्व .विवेक कुमार के परिवार के लिए ग्रेच्युटी का भुगतान किए जाने तथा मृतक आश्रित के रूप में उनकी पत्नी को अथवा परिवार के सदस्य को नौकरी दिए जाने की मांग किया है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने बताया कि भारतीय संविधान की धारा 14,19 ,39, 41, 42 के अंतर्गत समाज के हर व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सुरक्षा का अधिकार प्राप्त है। श्रम कानून के अंतर्गत भी 1972 में सभी कर्मचारियों के लिए ग्रेच्युटी की व्यवस्था की गई है। ऐसी स्थिति में समाज कल्याण विभाग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि सभी संविदा शिक्षकों के लिए डेथ ग्रेच्युटी की व्यवस्था विभाग में सुनिश्चित हो। श्री तिवारी ने इस संबंध में मुख्यमंत्री से भी निवेदन किया है।

शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर जंतर-मंतर पहुंचे युवा पार्षद

❒ नीट पेपर लीक सहित अन्य अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ के एपीआई अंसल स्थित अटल बिहारी वाजपेयी के वार्ड नंबर-1 के युवा पार्षद गौरव रावत सोमवार को दिल्ली केयू जंतर-मंतर पहुंचे। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में सहभागिता की।

चल रहे आंदोलन के दौरान नीट समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित तौर पर पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं की निष्पक्षता से जांच कराए जाने की मांग उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा घोटालों के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की इसी के साथ ही छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की भी मांग की। आंदोलन में शामिल रहे विभिन्न संगठनों की ओर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की भी मांग की गई। इस मौके पर 6समाजवादी पार्टी के लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामकरन निर्मल, लोहिया वाहिनी के प्रमुख सचिव अमरेंद्र आर्या, समाजवादी पार्टी के आनीष राजा यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ऑपरेशन किरण बना परिवारों की उम्मीद

❒ कसमंडा और घोड़सारा गांव के दो पारिवारिक विवाद सुलझाकर नगराम पुलिस ने टूटने से बचाए घर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । दक्षिणी जोन द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन किरण' के तहत थाना नगराम पुलिस ने एक ही दिन में ग्राम कसमंडा और ग्राम घोड़सारा के दो लंबे समय से चल रहे पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दोनों परिवारों को बिखरने से बचा लिया। नगराम थाना प्रभारी अंजनी सिंह की पहल पर नगराम पुलिस ने करीब दो माह से चल रहे दोनों पारिवारिक विवादों में पति-पत्नी की काउंसलिंग कराई। दोनों पक्षों की बात धैर्यपूर्वक सुनते हुए आपसी संवाद स्थापित कराया गया और सकारात्मक परामर्श के माध्यम से मतभेद दूर कराए गए। काउंसलिंग के बाद दोनों परिवार आपसी सहमति से साथ रहने को तैयार हो गए। इसके बाद नगराम पुलिस ने दोनों पक्षों का समझौता कराकर उन्हें प्रेम, सौहार्द और विश्वास के साथ नए सिरे से पारिवारिक जीवन शुरू करने के लिए सकुशल उनके घर रवाना किया। थाना प्रभारी का कहना है कि ऑपरेशन किरण का उद्देश्य संवाद, काउंसलिंग और आपसी सहमति के माध्यम से पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर परिवारों को टूटने से बचाना तथा समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना है।

प्रदेश के सभी नगर निकायों के बाहरी क्षेत्रों में स्थापित होंगे 'कपि वन', बंदरों के लिए विकसित होगा प्राकृतिक आवास

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश में बढ़ती बंदरों की संख्या तथा उनके द्वारा लोगों को घायल किए जाने की घटनाओं को देखते हुए राज्य सरकार ने बंदरों के लिए प्राकृतिक आवास विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसी क्रम में 'एक पेड़ मां के नाम' विषयवस्तु पर आधारित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत 21 जुलाई 2026 को प्रदेश के प्रत्येक नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के बाहरी क्षेत्र में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर 'कपि वन' स्थापित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य बंदरों को आबादी वाले क्षेत्रों में आने से रोकना, मानव-बंदर संघर्ष को कम करना तथा शहरी क्षेत्रों के बाहर उनके लिए सुरक्षित आवास और प्राकृतिक भोजन की व्यवस्था विकसित करना है। इससे जन-धन की हानि में कमी आने के साथ ही बंदरों और आम नागरिकों, दोनों को होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। कपि वन की स्थापना के लिए अवनत एवं अनुपयोगी भूमि को प्राथमिकता दी गई है। इन वन क्षेत्रों में बड़हल, आम, जामुन, अमरूद, बेल, गूलर, कटहल, बेर, शहतूत, पीपल और अंजीर सहित विभिन्न फलदार प्रजातियों का रोपण किया जाएगा। पौधों का चयन इस प्रकार किया गया है कि वर्षभर किसी न किसी प्रजाति के फल उपलब्ध रहें और बंदरों को प्राकृतिक रूप से भोजन मिलता रहे। कपि वन की स्थापना एवं विकास कार्य में नगर विकास विभाग तथा आवास विकास विभाग भी सक्रिय सहयोग और सहभागिता निभा रहे हैं। सरकार का मानना है कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मानव और वन्य जीवों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

जानकीपुरम विस्तार की जर्जर सड़कों पर विधायक डॉ. नीरज बोरा सख्त

जानकीपुरम, कैनविज टाइम्स संवाददाता । जन उद्घोष व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक डॉ. नीरज बोरा से मुलाकात कर जानकीपुर विस्तार की जर्जर सड़कों की समस्या उठाई, जिसे लेकर विधायक ने पीडब्लूडी और जल विभाग को 48 घंटे में मरम्मत शुरू करने का निर्देश दिया है। डॉ. बोरा ने चेतावनी दी कि समय पर काम शुरू नहीं हुआ तो वे व्यापारियों और स्थानीय लोगों के साथ प्रदर्शन करेंगे। मंडल ने उनके त्वरित संज्ञान के लिए आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश महामंत्री विनोद कुमार सिंह, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी शामिल रहे।

रेलवे में अनधिकृत वेंडरों के विरुद्ध अभियान जारी, जुलाई माह में पकड़े गए 15 वेंडर

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल द्वारा लखनऊ रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में अनधिकृत वेंडरों के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 01 जुलाई 2026 से 19 जुलाई 2026 के मध्य वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए अभियान के दौरान कुल 15 अनधिकृत वेंडरों को रेलवे स्टेशन एवं विभिन्न ट्रेनों में बिना वैध प्राधिकरण के खानपान सामग्री बेचते हुए पकड़ा गया। सभी के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल यात्रियों से अपील करता है कि वे केवल रेलवे द्वारा अधिकृत स्टॉलों एवं लाइसेंसधारी वेंडरों से ही खाद्य एवं पेय पदार्थ खरीदें तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति से खानपान सामग्री खरीदने से बचें

दीवार गिराकर कब्जे की कोशिश, गेस्ट हाउस संचालक समेत चार पर धमकी देने का आरोप

सरोजनीनगर,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता । हिन्दनगर स्थित एलडीए कॉलोनी के निवासी अमरपाल सिंह ने पड़ोसी गेस्ट हाउस संचालक और उसके सहयोगियों पर दीवार गिराकर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। अमरपाल सिंह के अनुसार उनके भवन की करीब 50 वर्ष पुरानी दीवार का एक हिस्सा रात में गिर गया था। कुछ देर बाद दोबारा देखने पर दीवार का और हिस्सा भी टूटा मिला। आरोप है कि सीसीटीवी फुटेज देखने पर पड़ोस के जलसा गेस्ट हाउस से जुड़े दो लोग दीवार गिराकर भागते हुए दिखाई दिए। पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने आरोपितों से इसका विरोध किया तो वे गाली-गलौज करने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए मकान की जमीन बेचने का दबाव बनाने लगे। आरोप है कि उन्होंने कहा कि यदि जमीन नहीं बेची गई तो यहां रहने नहीं देंगे और राजनीतिक प्रभाव का भी हवाला दिया।

करोरा बाजार में बेखौफ चोरों का धावा, अंग्रेजी शराब की दुकान का शटर तोडा, उड़ाए 1.43 लाख

❒ सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के करोरा बाजार में रविवार देर रात चोरों ने बेखौफ होकर कंपोजिट अंग्रेजी शराब की दुकान का शटर तोड़ दिया और गुल्लक में रखी 1 लाख 43 हजार 524 रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

सोमवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे निगोहा थाना क्षेत्र लवल निवासी सेल्समैन संदीप सिंह ने शटर टूटा देखा तो अंदर रखी नकदी गायब मिली। सूचना पर पहुंची नगराम पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति चेहरे और पूरे शरीर को चादर से ढके हुए चोरी करता दिखाई दे रहा है। पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। नगराम थाना प्रभारी अंजनी सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और आसपास लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग के आधार पर जांच की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही घटना के खुलासे का दावा किया है। वहीं, लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के व्यापारियों में चिंता का माहौल है और उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के 06 जनपदों में राष्ट्रनायकों, महापुरूषों की प्रतिमाएं स्थापित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ अन्य महापुरूषों की प्रतिमांए विभाग द्वारा निर्मित करायी जा रही है

लखनऊ । उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश के महापुरूषों, नायकों, भारतीय संस्कृति को समृद्ध बनाने वाले साहित्यकारों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मूर्तियां स्थापित करायी गयी है।

इसमें से सूर्यकुंड अयोध्या में भगवान सूर्य नारायण की 06 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, गणेश कुंड अयोध्या में भगवान गणेश की 10 फीट खड़ी सैंड स्टोन की मूर्ति, अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी की 06 फीट बैठी हुई कांस्य मूर्ति, कासगंज रेलवे पुल के पास शहीद स्थल एटा में बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति तथा महमूदाबाद सीतापुर में महंत अवैद्यनाथ जी की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, प्रयागराज में कमला बहुगुणा की 06 फीट कांस्य मूर्ति तथा जनपद फर्रूखाबाद के जहानगंज रोड क्षत्रिय भवन में महाराणा प्रताप की 12.5 फीट अश्वारोही मूर्ति स्थापित कर दी गयी है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि देश के नागरिकों, साहित्यकारों तथा महापुरूषों के योगदान को जीवंत बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिमांए स्थापित करने का कार्य संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में अवंतीबाई की 12.5 फीट अश्वारोही कांस्य प्रतिमा, कालों कुआं चौराहा, बांदा में स्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस मूर्ति निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार बाबू कल्याण सिंह की 12.5 फीट खड़ी कांस्य मूर्ति, कासगंज एटा का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारोही 12.5 फीट खड़ी कांस्य प्रतिमा तींदवारी रोड बड़ा चौराहा, बांदा में स्थापित कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इसी प्रकार महाराजा छत्रसाल जी की अश्वारोही 12.5 फीट कांस्य प्रतिमा बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा के निकट मवई चौराहे पर स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा चौक चौराहा, लखनऊ में छत्रपति शिवाजी महाराज की 12.5 फीट खड़ी अश्वारोही कांस्य प्रतिमा के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा बाबू कल्याण सिंह जी की 12.5 फीट खड़ी कांस्य प्रतिमा जनपद बुलंदशहर नगर पंचायत, नरौरा समाधि स्थल पर लगाए जाने का प्रकरण विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार अन्य महापुरूषों की प्रतिमांए विभाग द्वारा निर्मित करायी जा रही हैं। इन मूर्तियों को स्थापित करने का उद्देश्य युवापीढ़ी को उनके योगदान, कृतित्व एवं देश निर्माण में उनकी भूमिका से अवगत कराना है।

मंडल रेल प्रबंधक ने उत्कृष्ट संरक्षा कार्य करने वाले आठ रेलकर्मियों को किया सम्मानित

❒ संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने वाले आठ रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक , सुनील कुमार वर्मा द्वारा जून 2026 के दौरान सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने वाले आठ रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की गई।

पुरस्कृत कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान माल एवं यात्री गाड़ियों में विभिन्न प्रकार की तकनीकी एवं संरक्षा संबंधी असामान्यताओं जैसे वैगन का खुला दरवाजा, हैंगिंग पार्ट, असामान्य आवाज तथा लोको में ब्रेक बाइंडिंग जैसी गंभीर कमियों को समय रहते पहचानकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचित किया। उनकी त्वरित कार्रवाई से गाड़ियों को सुरक्षित रूप से रोककर आवश्यक जांच एवं सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जिससे संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका तथा रेल परिचालन सुरक्षित एवं सुचारु रूप से संचालित होता रहा।

संरक्षा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों में श्री रिंकू कुमार (पॉइंट्समैन, बाबतपुर), सुभाष यादव (पॉइंट्समैन, ब्लॉक हट-बी), श्यामू (पॉइंट्समैन, रोजागांव), अमित वर्मा (पॉइंट्समैन, रहमत नगर), राज नारायण (की-मैन, हरौनी), राजेन्द्र कुमार (ब्लैकस्मिथ-ऋ अजगैन), सुजीत कुमार (शंटिंग मास्टर, शिवपुर) तथा सोनू कुमार (पॉइंट्समैन, ब्लॉक हट-बी/वाराणसी) शामिल हैं। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि रेल संरक्षा प्रत्येक रेलकर्मी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

उन्होंने सभी कर्मचारियों से सदैव सतर्क एवं सजग रहकर कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की असामान्यता दिखाई देने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सतर्कता और समर्पण ही सुरक्षित रेल परिचालन की सबसे बड़ी ताकत है।

आईआरआईटीएम एवं एनएसीआइन के मध्य क्षमता निर्माण, शैक्षणिक सहयोग एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने के लिये समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

❒ समझौते में सुशासन, लोक नीति, प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन, खरीद तथा अन्य पारस्परिक रुचि के विषयों पर व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, पैनल चर्चा, सेमिनार, वेबिनार एवं अन्य शैक्षणिक तथा व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के संयुक्त आयोजन का भी प्रावधान किया गया है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी आंचलिक परिसर, के मध्य सोमवार को नैसिन, आंचलिक परिसर, लखनऊ में क्षमता निर्माण, सुशासन, लोक प्रशासन, शैक्षणिक आदान-प्रदान तथा अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थागत सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस एमओयू पर नेहा लाल, अपर निदेशक, एनएसीआइन, आंचलिक परिसर, लखनऊ तथा सुश्री कृष्णा तिवारी, प्रो. (प्रशासन) , आईआरआईटीएम, लखनऊ ने वेद प्रकाश शुक्ला, प्रधान अपर महानिदेशक, एनएसीआइन की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

यह एमओयू क्षमता निर्माण, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय आदान-प्रदान कार्यक्रमों, मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत विभिन्न पहलों, संसाधनों के साझा उपयोग तथा संयुक्त प्रशिक्षण आवश्यकता आकलन एवं पाठ्यक्रम विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, सुशासन, लोक नीति, प्रशासन, वित्तीय प्रबंधन, खरीद तथा अन्य पारस्परिक रुचि के विषयों पर व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, पैनल चर्चा, सेमिनार, वेबिनार एवं अन्य शैक्षणिक तथा व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों के संयुक्त आयोजन का भी प्रावधान किया गया है। यह सहयोग भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करने, दोनों संस्थानों की विशेषज्ञता एवं आधारभूत संरचना के साझा उपयोग तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं एवं वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप नवोन्मेषी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संयुक्त विकास को भी बढ़ावा देगा। भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक रंजन प्रकाश ठाकुर ने इस समझौता ज्ञापन को देश के दो प्रमुख सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों के मध्य सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी संस्थागत क्षमता निर्माण को सशक्त बनाएगी, ज्ञान एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगी तथा प्रशिक्षण पद्धतियों में नवाचार को बढ़ावा देगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग 'विकसित भारत' एवं 'मिशन कर्मयोगी' के उद्देश्यों के अनुरूप सक्षम, दक्ष एवं भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह एमओयू प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा तथा इससे दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संबंधी विविध गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी संगठनों में क्षमता निर्माण को भी नई दिशा प्राप्त होगी।

श्रावण मास की तैयारियों का डीएम-एसपी ने लिया जायजा, नैमिषारण्य में श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष जोर

❒ जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे अनवरत रूप से संचालित रखे जाए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । आगामी श्रावण मास के दृष्टिगत जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने नैमिषारण्य स्थित देवदेवेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु समस्त प्रबंध सुनिश्चित किए जाये। व्यवस्थित रूप से कांवड़ यात्राएं सम्पन्न हो तथा शिव मंदिरों में दर्शन एवं जलाभिषेक हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि समस्त स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे अनवरत रूप से संचालित रखे जाए एवं कंट्रोल रूम से इनकी नियमित तौर पर मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाये। पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था करने के साथ ही वाहनों को पार्किंग स्थलों में पार्क कराए जाने की व्यवस्था की जाये। इसके लिए उचित संकेतक भी स्थापित कराए जाये। पार्किंग स्थलों के पास पेयजल, मोबाइल टायलेट आदि का समुचित प्रबंध किया जाये।

जिलाधिकारी ने घाटों के निकट सफाई, बैरिकेटिंग, संकेतक, प्रकाश आदि का समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिए। पुलिस, गोताखोरों एवं नाविकों की तैनाती सुनिश्चित की जाये। भीड़ प्रबंधन हेतु समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाये। आवश्यक मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, मोबाइल टॉयलेट आदि का भी समुचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाये।

निरीक्षण जिला विकास अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नैमिषारण्य सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने डीएम कंपाउंड परिसर स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन वेयरहाउस का बाह्य मासिक निरीक्षण किया और वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में ईवीएम को सुरक्षित रखने से संबंधित सभी सुरक्षात्मक बिंदुओं की जानकारी की और वेयरहाउस के फायर व्यवस्था, गार्ड व्यवस्था आदि का जायजा लेते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। सुरक्षा व्यवस्था एवं अग्निशमन यंत्र समुचित रूप से क्रियाशील रहें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, इस पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

किसान के बेटे ने रचा सफलता का इतिहास, नीट में 565 अंक लाकर सकरन का बढ़ाया मान

❒ ग्राम कम्हरिया खुन-खुन के हिमांशु लोधी की शानदार सफलता, गांव में जश्न का माहौल, बधाइयों का लगा तांता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन, सीतापुर। कड़ी मेहनत, अटूट आत्मविश्वास और माता-पिता के संघर्ष की बदौलत विकास खंड सकरन के ग्राम कम्हरिया खुन-खुन के होनहार छात्र हिमांशु लोधी ने देश की प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा गक्क्द्ध में 565 अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। किसान परिवार से निकलकर हासिल की गई यह सफलता ग्रामीण युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा उदाहरण बन गई है।

हिमांशु लोधी, किसान रमेश कुमार लोधी के पुत्र हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और अनुशासित तैयारी के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते हुए और आतिशबाजी कर इस ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया। अपनी सफलता पर हिमांशु ने कहा कि यह उपलब्धि उनके गुरुजनों के मार्गदर्शन, माता-पिता के त्याग और परिवार के निरंतर सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एक सफल और संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना है।बेटे की सफलता से किसान पिता रमेश कुमार लोधी और गृहिणी माता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उनकी आंखों में गर्व और चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि हिमांशु ने यह साबित कर दिया कि सपनों की उड़ान संसाधनों से नहीं, बल्कि मेहनत और दृढ़ संकल्प से तय होती है। हिमांशु की इस उल्लेखनीय सफलता पर ग्राम पंचायत प्रधान कुलदीप वर्मा, पूर्व प्रधान सुनील वर्मा, प्रतिनिधि ब्लॉक प्रमुख कृष्ण कुमार वर्मा, भाकियू जनमंच के जिलाध्यक्ष रामशंकर सिंह, कंग्रेस के जिला उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान तथा पूर्व सदस्य जिला पंचायत प्रतिनिधि आशीष गुप्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं ताऊ राजाराम लोधी, हरेश लोधी, भाई बलराम राजपूत, विनोद राजपूत, सुधीर राजपूत, नीरज राजपूत, गुड्डू राजपूत समेत पूरे गांव के लोगों ने इस सफलता को गांव का गौरव बताते हुए कहा कि हिमांशु की उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी। हिमांशु लोधी की यह सफलता केवल एक परिवार की खुशी नहीं, बल्कि पूरे सकरन क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। किसान के घर से निकली यह कामयाबी इस बात का प्रमाण है कि लगन, मेहनत और हौसले के सामने कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

नगर आयुक्त ने रोडवेज के पास गांधी कालोनी में जलभराव का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। महानगर में रोडवेज के पास गांधी कालोनी के रहने वाले कई वर्षो से जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। कुछ दिनों से रोडवेज के पास सड़क पर जलभराव की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इसी के दृष्टिगत सोमवार को नगर आयुक्त सौम्या अग्रवाल ने रोडवेज के पास गांधी कालोनी में जलभराव के संबंध में स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण में पाया गया कि रोडवेज से महिला थाना तक प्राकृतिक जलबहाव क्षेत्र रेलवे द्वारा बंद कर दिया गया है तथा रोडवेज द्वारा दाहिनी ओर अपनी भूमि से पानी न छोड़े जाने के कारण गांधी कालोनी में जलभराव हो रहा है। मुख्य अभियन्ता ने बताया कि सीवरेज एवं जल निकासी योजना अन्तर्गत उक्त स्थल पर नाला निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है। नगर आयुक्त ने मौके पर उपस्थित अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के अंदर एलाइनमेंट में आने वाले विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर, वायर आदि को अपनी देखरेख में हटवा/ शिफ्ट करवा दें तथा निर्माण कार्य के समय उपस्थित रहने के लिए विद्युत विभाग से एक कर्मचारी को भी तैनात कर दें। जिससे कार्य के समय कोई असुविधा न हो। निरीक्षण के समय क्षेत्रीय पार्षद अनूप सिंह उर्फ पिंटू ने बताया कि गांधी कालोनी के भीतरी भाग के जल निकासी की योजना उक्त प्रस्ताव में सम्मिलित नहीं है। जिस पर नगर आयुक्त ने मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया कि उक्त कार्य की अलग से डीपीआर बनाकर स्वीकृति के लिए प्रेषित की जाए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के साथ अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता-सिविल, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि अनूप सिंह पिन्टू आदि मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहंापुर। थाना सदर बाजार पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीती 09 जुलाई को एक युवती ने थाना सदर बाजार पुलिस को तहरीर देकर बताया कि थाना रोजा क्षेत्र के मोहल्ला लोधीपुर निवासी साजिद पुत्र इश्तियाक ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाए और शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी साजिद के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की और उसकी तलाश शुरू की। सोमवार को थाना सदर बाजार पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि उक्त मुकदमे का वांछित अभियुक्त साजिद पुत्र इश्तियाक कहीं जाने की फिराक में लोधीपुल के पास सवारी के इंतजार में खडा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अभियुक्त साजिद को लोधीपुल से हथौडा की ओर जाने वाले पुल के अन्तिम छोर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त साजिद के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया।

मिश्रिख तीर्थ में फिर तड़प-तड़प कर मरी बेजुबान मछलियां, जिम्मेदार अब भी खामोश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

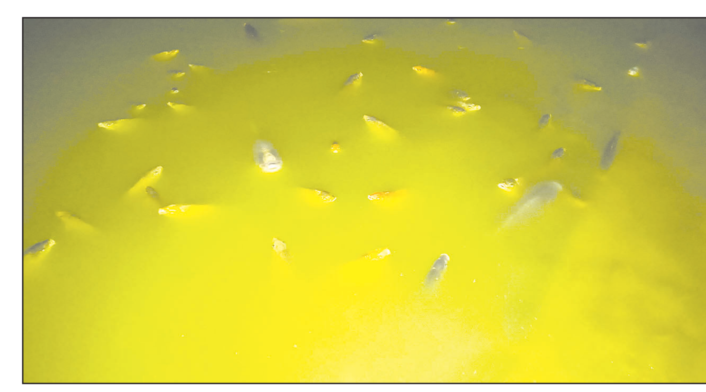

सीतापुर। मिश्रिख तीर्थ में एक बार फिर हजारों मछलियों की दर्दनाक मौत ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि अभी कुछ दिन पहले भी इसी तरह बड़ी संख्या में मछलियां मर गई थीं, लेकिन उस घटना से कोई सबक नहीं लिया गया। अब दोबारा वही हालात सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है।

कुंड में ऑक्सीजन की कमी हो, गंदगी हो या रखरखाव में लापरवाही– जो भी वजह हो, इसकी कीमत इन बेजुबान मछलियों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ रही है। तस्वीरें साफ बता रही हैं कि मछलियां पानी की सतह पर तड़प रही हैं, लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नजर नहीं आ रहा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पहली घटना के बाद समय रहते पानी की जांच कर उचित कदम उठाए गए होते, तो शायद हजारों मछलियों की दोबारा जान नहीं जाती। वही प्रशासन की लगातार चुप्पी और लापरवाही अब लोगों के गुस्से का कारण बन रही है।

आखिर इन मासूम मछलियों का क्या कसूर

वे तड़प-तड़प कर दम तोड़ रही हैं और जिम्मेदार विभाग तमाशबीन बना हुआ है। यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता का बड़ा उदाहरण माना जाएगा।

वही स्थानीय लोगो की मांग है कि मछलियों की घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। पानी की गुणवत्ता और ऑक्सीजन स्तर की तत्काल जांच हो।दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा बीज बैंक स्थापना कार्यक्रम आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज, सीतापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की संचालिका एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकला मिश्रा तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. साजी मोहन फिलिप के नेतृत्व व कृषि विज्ञान केंद्र कटिया निर्देशन में सोमवार को बीज बैंक स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, श कटिया, सीतापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दयाशंकर श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बीज बैंक की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता तथा जैव विविधता के संरक्षण एवं कृषि में उसकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्थानीय एवं पारंपरिक बीजों के संरक्षण के महत्व से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान रश्मि मिश्रा एवं शोभिता टंडन ने विभिन्न प्रकार के बीजों के संग्रहण में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं एनएसएस स्वयंसेवक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों में रोजप्रिया, अर्पिता सिंह, माजो, जाह्नवी सहित अन्य छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा विद्यार्थियों में कृषि एवं प्रकृति के प्रति जागरूकता विकसित करना था।

थारू समाज की बेटी की गुहार पर हरकत में आया प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ विधायक रोमी साहनी ने कोतवाल को तलब कर तत्काल मुकदमा दर्ज करने और निष्पक्ष जांच के दिए निर्देश

❒ "मेरी विधानसभा में बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, दोषी चाहे कितना भी बड़ा हो, नहीं बचेगा" : रोमी साहनी

पलियाकलां खीरी। थारू समाज की एक युवती द्वारा अपने साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत लेकर परिवार सहित विधायक रोमी साहनी के आवास पहुंचने के बाद मामला गंभीर हो गया। पीड़िता की पूरी बात सुनते ही विधायक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए पलिया कोतवाल शिवाजी दुबे को अपने आवास पर बुलाया और मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच करते हुए दोषी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार, प्रतिभा राना अपने परिजनों के साथ विधायक रोमी साहनी के आवास पहुंची और आरोप लगाया कि उसके साथ गलत व्यवहार किया गया है। पीड़िता ने विधायक को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया और न्याय की मांग की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विधायक ने बिना देर किए पुलिस अधिकारियों से बात की और मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक रोमी साहनी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी विधानसभा क्षेत्र में किसी भी बेटी या बहन के सम्मान के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ अभद्र व्यवहार करता है या गलत नियत रखता है, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई कराई जाएगी, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली या बड़े पद पर क्यों न हो।

विधायक ने पुलिस को निर्देश दिए कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाए तथा तथ्यों के आधार पर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कानून सबके लिए समान है और महिलाओं की सुरक्षा तथा सम्मान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

विधायक के त्वरित हस्तक्षेप के बाद पुलिस प्रशासन भी सक्रिय हो गया। अब पूरे मामले पर क्षेत्र की निगाहें टिकी हैं कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और आगे क्या कार्रवाई की जाती है। स्थानीय लोगों ने विधायक की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि पीड़िता को शीघ्र न्याय मिलेगा और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी।

'छोटी काशी' को श्रावण के लिए संवारने निकले डीएम अंजनी कुमार सिंह, बोले- हर व्यवस्था हो चाक-चौबंद

लखीमपुर खीरी,कैनविज टाइम्स संवाददाता। आगामी श्रावण माह के दौरान छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में आने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु व्यवस्थाओं के दृष्टिगत डीएम अंजनी कुमार सिंह ने सोमवार को गोला गोकर्णनाथ स्थित छोटी काशी शिव मंदिर पहुंचकर निर्माणाधीन कॉरिडोर का औचक निरीक्षण किया, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। व्यवस्थाओं की बारीकी से पड़ताल करते हुए साफ संदेश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने कार्यदायी संस्था यूपी-पीसीएल को निर्देश दिए कि श्रावण माह शुरू होने से पहले सभी जरूरी निर्माण और आवश्यक व्यवस्थाएं हर हाल में पूरी कर ली जाएं। एसडीएम को व्यक्तिगत निगरानी की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि कोई भी कार्य अधूरा न रहे और किसी प्रकार की शिथिलता सामने नहीं आनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दर्शन मार्ग, साफ-सफाई, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े सभी इंतजाम समय से पहले पूरे कर लिए जाएं, ताकि छोटी काशी आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को व्यवस्थित और सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस दौरान एसडीएम युगांतर त्रिपाठी, कार्यदाई संस्था यूपी-पीसीएल के जिम्मेदार अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद डीएम अंजनी कुमार सिंह ने छोटी काशी के प्राचीन शिव मंदिर में पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पुष्प अर्पित किए और जनपदवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की प्रार्थना की।

मैलानी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को दबोचा

लखीमपुर खीरी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मैलानी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक गंभीर आपराधिक मुकदमे में 01 नंबर वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध तलवार भी बरामद की गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस अधीक्षक लखीमपुर खीरी के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी गोला महक शर्मा के नेतृत्व में जनपद भर में वांछित एवं फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना मैलानी निरीक्षक बृजेश कुमार मौर्य के साथ पुलिस को उस समय सफलता मिली जब थाना क्षेत्र में पंजीकृत मु0अ0सं0 0175/2026 के वांछित अभियुक्त जरनेल सिंह पुत्र सेवा सिंह, निवासी ग्राम बरीघा, थाना मैलानी, जनपद खीरी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 115(2), 118(1) एवं 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज है। अभियुक्त इस मामले में 01 नंबर वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। थाना मैलानी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कुकरा-सुन्दरवा भुड रोड स्थित बुचपुर तिराहे के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध तलवार बरामद हुई, जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर साक्ष्य के रूप में सीज कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ के बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी की गई और उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा और किसी भी वांछित आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अवलाली कुमार, कांस्टेबल अंकित चौहान तथा कांस्टेबल शुभम सिंह शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण स लता माना जा रहा है। इससे अपराधियों में पुलिस का खौफ बढ़ने के साथ-साथ आमजन में सुरक्षा का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

बालिका के अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट का वांछित गिरफ्तार

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मिर्ज़ापुर पुलिस ने करीब 12 वर्ष की बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने, उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। सोमवार को थाना मिर्ज़ापुर पुलिस को तहरीर देकर एक व्यक्ति ने थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के गांव गुर्रा भमौली निवासी सौरभ पुत्र रामदुलारे पर अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि अभियुक्त सौरभ उसकी 12 वर्ष 05 माह की पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए बालिका को सकुशल बरामद किया और उसकी मेडिकल रिपोर्ट, बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अपहरण की दर्ज रिपोर्ट में दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराओं में बढ़ोत्तरी की। इसी क्रम में मिर्ज़ापुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सौरभ को नखासे तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त सौरभ के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई की और उसे न्यायालय के समक्ष पेशकर जेल भेज दिया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मिर्ज़ापुर थानाध्यक्ष सोनी शुक्ला के साथ उपनिरीक्षक बन्टी कुमार, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार और कांस्टेबल आकाश पुण्डीर मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की मांग व युवाओं पर हुए लाठीचार्ज की जांच को लेकर दिया ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष राजीव कुमार यादव के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि नीट पेपर लीक मामले व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर शिक्षाविद सोनम वांगचुक पिछले 21 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन पर थे। इन 21 दिनों में भारत सरकार और प्रधानमंत्री ने उनसे बात करना तो दूर, उनके लिए एक ट्वीट तक नहीं किया।

यही नहीं, 18 जुलाई को अचानक भारी पुलिस बल ने जंतर-मंतर पर शांति से प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज किया और अनशन के कारण कमजोर हो चुके सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। क्योंकि आज 20 जुलाई को संसद सत्र शुरू होने पर सोनम वांगचुक ने देश की जनता और युवाओं के साथ संसद मार्च की घोषणा की थी। कहा गया कि लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए प्रशासन पर दबाव बनाया गया, ताकि इस आंदोलन को खत्म किया जा सके। इसी बीच कार्यकर्ता अभिजीत दीपके को भी हिरासत में ले लिया गया। आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं को लेकर परेशान है। युवाओं के मुद्दों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

मांग की गई कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तुरंत लिया जाए, सोनम वांगचुक और युवाओं पर हुए लाठीचार्ज की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून बने और युवाओं के लिए रोजगार के पक्के अवसर सुनिश्चित करने हेतु ठोस नीतियां बनाई जाएं। जंतर-मंतर जैसी जगहों पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के संवैधानिक अधिकार की रक्षा की जाए। इस दौरान अनुराग रस्तोगी, अनीता देवी, सुमन वर्मा, प्रवीन कुमार, जोगेंद्र प्रजापति, अखिलेश वर्मा, वीरेंद्र प्रताप, कुंदन श्रीवास्तव, विवेक गुप्ता, गजेंद्र शर्मा, विमलेश वर्मा, मदनलाल, अमन पाल, गोविंद राठौर, राहुल राठौर आदि मौजूद रहे।

रसूलपुर में बी-पैक्स सहकारी समिति का शुभारंभ, विधायक ने किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ खाद वितरण न होने से किसानों में दिखी नाराजगी

धौरहरा, रसूलपुर। रसूलपुर में नवगठित बी-पैक्स (प्राथमिक बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति) का उद्घाटन धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने किया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विनीत मनार के साथ विधायक ने शिलापट्ट का अनावरण कर समिति का विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि यह पहल किसानों को सहकारी व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि बी-पैक्स के माध्यम से किसानों को उर्वरक, बीज, कृषि ऋण तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे क्षेत्र के किसानों की आर्थिक समृद्धि के साथ ग्रामीण विकास को भी नई गति मिलेगी।

बी-पैक्स के शुभारंभ से किसानों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी, लेकिन कार्यक्रम के दौरान एक अलग तस्वीर भी सामने आई। जानकारी के अनुसार, सुबह से ही सैकड़ों किसान अपने जरूरी कार्य छोड़कर इस उम्मीद में कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे कि उद्घाटन के साथ ही खाद का वितरण भी शुरू हो जाएगा। हालांकि, कार्यक्रम समाप्त होने और विधायक के रवाना होते ही जिम्मेदारों ने बी-पैक्स का शटर बंद कर दिया, जिससे खाद लेने पहुंचे किसानों को निराश होकर वापस लौटना पड़ा। इस दौरान कई किसानों ने अपनी नाराजगी भी जताई और कहा कि उद्घाटन के दिन ही यदि वितरण शुरू हो जाता तो उन्हें राहत मिलती। फिलहाल, क्षेत्र के किसानों में बी-पैक्स सहकारी समिति शुरू होने को लेकर खुशी का माहौल है। किसानों को उम्मीद है कि आने वाले समय में समिति के माध्यम से खाद, बीज और अन्य कृषि सुविधाएं समय पर उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी।

9 अगस्त को 50 मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान, 26 सितंबर को होगा कवि सम्मेलनं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। हिंदी साहित्य सुरभि संस्थान, नानपारा की मासिक बैठक रविवार को गुड गुड डेरी के सभागार में संस्थान के अध्यक्ष डी. के. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ, जिसमें आगामी शैक्षिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में आगामी 9 अगस्त को श्री शंकर इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित होने वाले मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर के विभिन्न विद्यालयों से प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों की सूची में से मेरिट के आधार पर 50 छात्र-छात्राओं का चयन कर उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। सम्मान समारोह के आयोजन एवं चयन प्रक्रिया की जिम्मेदारी मुक्तेश्वर पोद्दार एवं उमेश चंद्र शाह को सौंपी गई। बैठक के दौरान डा. दिनेश चंद्रा ने बताया कि आगामी 26 सितंबर को प्रस्तावित कवि सम्मेलन के लिए अब तक 15 कवियों से वार्ता की जा चुकी है। विचार-विमर्श के बाद 6 से 7 कवियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी तय किया गया कि समिति का नवीनीकरण (पंजीकरण) कवि सम्मेलन के उपरांत कराया जाएगा। बैठक का समापन काव्य पाठ एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रेम नाथ मिश्रा, आदेश अग्रवाल, डा. असीम शुक्ला, एस. एन. सिंह, डा. अशोक गुप्ता, डा. विशेष सिंह, मुक्तेश्वर पोद्दार, डा. दिनेश चंद्रा, जसवंत मिश्रा, राजेंद्र प्रकाश मित्तल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

59वीं वाहिनी एसएसबी का मानव चिकित्सा शिविर, 133 ग्रामीणों को मिला निःशुल्क उपचार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं जनकल्याण के उद्देश्य से 59वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, नानपारा द्वारा कमांडेंट कैलाश चन्द रमोला के कुशल मार्गदर्शन में सोमवार को सीमा चौकी घूमनाबारू के अंतर्गत वाइब्रेंट विलेज घूमनाबारू में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मिहींपुरवा (मोतीपुर) के चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार के सहयोग से ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श, निःशुल्क उपचार एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता, संतुलित आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति लोगों को जागरूक भी किया गया।

शिविर में कुल 133 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिनमें 49 पुरुष, 51 महिलाएं तथा 33 बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में 59वीं वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों ने सक्रिय सहयोग दिया। ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल और स्वास्थ्य विभाग की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की। 59वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा दायित्वों के साथ-साथ जनकल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नागरिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न नागरिक कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है।

पतली सब्जी बनाने पर पति ने बुलाई पुलिस बोला- ''साहब, हमें तो सूखी सब्जी चाहिए, आप समझा दो'' वीडियो वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता । बिसौली तहसील क्षेत्र में वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव ब्यौली में एक अनोखा घरेलू विवाद सामने आया। यहां एक युवक ने पत्नी द्वारा रसेदार (पतली) सब्जी बनाने से नाराज होकर डायल 112 पर कॉल कर पुलिस बुला ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला समझकर युवक को समझाया और वापस लौट गई। ब्यौली निवासी अरविंद कश्यप ने कथित रूप से शराब के नशे में डायल 112 पर कई बार कॉल कर पुलिस से शिकायत की। मौके पर पहुंची पीआरवी टीम ने जब शिकायत का कारण पूछा तो अरविंद ने बताया कि उसकी पत्नी माधुरी कश्यप रोज रसेदार सब्जी बनाती है, जबकि वह सूखी सब्जी खाना चाहता है। युवक ने पुलिस से कहा, ''साहब, हमें पतली सब्जी नहीं चाहिए... हमें तो सूखी सब्जी चाहिए। यह मानती ही नहीं, आप ही समझा दो।'' उसकी यह बात सुनकर मौके पर मौजूद ग्रामीण भी इकट्ठा हो गए। जब पुलिस ने अरविंद से शराब पीने के बारे में पूछा तो उसने कहा, ''शराब तो बाबूजी हर कोई पीता है, हमने तो दो पोआ पीए हैं।'' युवक का जवाब सुनकर पुलिसकर्मी और ग्रामीण अपनी हंसी नहीं रोक सके। वहीं पुलिसकर्मी अहमद ने बताया कि अरविंद की ओर से 4 से 5 बार कॉल की गई थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पीआरवी टीम मौके पर पहुंची, जहां पता चला कि मामला पति-पत्नी के बीच सब्जी बनाने को लेकर विवाद का है। पुलिस ने युवक को होटल से मनपसंद सब्जी मंगवाकर खाने की भी सलाह दी, लेकिन वह अपनी पत्नी द्वारा रोज रसेदार सब्जी बनाए जाने की शिकायत दोहराता रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाया और शांतिपूर्वक वापस लौट गई। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

मुख्यमंत्री का आगमन आज

बहराइच । मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी का 21 जुलाई 2026 को जनपद बहराइच का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। मा. मुख्यमंत्री जी लगभग 02:00 बजे तहसील महसी के विकास खण्ड तेजवापुर अन्तर्गत ग्राम बेड़नापुर स्थित हेलीपैड पर पहुंचकर रामलीला मैदान में विधान सभा महसी एवं नानपारा के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे तथा जनसभा को सम्बोधित करेंगे। यह जानकारी देते हुए प्रभारी अधिकारी वीआईपी/नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि मा. मुख्यमंत्री जी का लगभग 01 घण्टे का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

22 जुलाई को आएंगी राज्य महिला आयोग सदस्या

बदायूं। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को 10.00 बजे सदस्य राज्य महिला आयोग अवनी सिंह द्वारा महिला जन सुनवाई लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में की जायेगी। अपरान्हन 01 बजे से ब्लॉक वजीरगंज में जागरुकता चौपाल में उ0प्र0 शासन द्वारा शिविर में उपस्थित व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दिलाये जाने, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासम्भव पंजीकरण भी कराये जायेगें।

पेपर लीक, एनटीए भंग और जौहर विश्वविद्यालय पर कार्रवाई के विरोध में माले का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

पूरनपुर। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूरनपुर में प्रदर्शन कर उपजिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए कथित पेपर लीक, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े तथा रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पर की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की गई भाकपा (माले) नेताओं ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और इससे युवाओं में गहरा आक्रोश है उन्होंने दिल्ली के जंतर–मंतर पर सोनम वांगचुक एवं छात्र संगठनों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन का समर्थन करते हुए केंद्र सरकार से आंदोलनकारियों के साथ वार्ता करने की मांग की। साथ ही आरोप लगाया कि आंदोलनकारियों के साथ पुलिस का रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की गई कि पेपर लीक की घटनाओं की जवाबदेही तय करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लिया जाए, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग किया जाए तथा रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने संबंधी कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाकर वहां शिक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित कराया जाए इस दौरान जिला सचिव व राज्य कमेटी सदस्य देवाशीष समेत देवीदयाल, नरेश, सईद खां, रामपाल सहित भाकपा (माले) के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रसूता की मौत पर परिजनों ने किया हंगामा, निजी अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का आरोप

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। एक निजी अस्पताल में भर्ती प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि शेखूपुर रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हालत बिगड़ने पर समय पर उचित उपचार नहीं दिया गया और गंभीर होने के बाद बरेली रेफर कर दिया गया। बरेली ले जाते समय रास्ते में प्रसूता की मौत हो गई। इससे गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। शेखूपुर निवासी अमित ने बताया कि 15 जुलाई को प्रसव पीड़ा होने पर उन्होंने अपनी 25 वर्षीय पत्नी सुमन को निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल प्रबंधन ने सुरक्षित प्रसव की बात कही थी। साथ ही 40 हजार रुपये खर्च आने की बात कही थी। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन को रुपये दे दिए। उसी दिन ऑपरेशन के जरिए सुमन ने बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद से वह अस्पताल में भर्ती थी। परिजनों का आरोप है कि रविवार को सुमन को डिस्चार्ज किया जाना था। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। आरोप है कि अस्पताल में इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी हालत और गंभीर हो गई। जब स्थिति ज्यादा खराब हुई तो डॉक्टर ने उसे बरेली रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष लंबी बीमारी के चलते निधन से भाजपा कार्यकर्ताओं और नगरवासियों में शोक की लहर

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल रस्तोगी उर्फ अक्कू भैया का सोमवार को लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और नगरवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके बड़े पुत्र हर्ष रस्तोगी ने बताया कि अनिल रस्तोगी का पिछले करीब चार वर्षों से ट्यूमर का उपचार दिल्ली स्थित एम्स में चल रहा था। सोमवार दोपहर अचानक उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुई। परिजन उन्हें चिकित्सक मनोज माहेश्वरी के यहां दिखाने के लिए ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका निधन हो गया। अनिल रस्तोगी ने छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। भाजपा में रहते हुए वह संगठन के प्रति समर्पित रहे और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाते थे। सरल स्वभाव, मधुर व्यवहार और स्वच्छ राजनीतिक छवि के कारण उन्होंने नगर में अपनी अलग पहचान बनाई। वह अपने पीछे पत्नी, बड़े पुत्र हर्ष रस्तोगी और छोटे पुत्र उत्कर्ष रस्तोगी सहित भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और नगरवासियों ने गहरा शोक व्यक्त कर शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की प्रार्थना की

दिसौलीगंज में ग्रामदेवी मंदिर में करीब छह माह के भीतर दूसरी चोरी की घटना

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव दिसौलीगंज स्थित ग्रामदेवी मंदिर में चोरों ने एक बार फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया। मंदिर में करीब छह माह के भीतर दूसरी बार और गांव में इस वर्ष तीसरी बार चोरी होने से ग्रामीणों में रोष है। चोर मंदिर के दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी निकाल ले गए। इसके अलावा करीब 11 किलो वजन का बड़ा घंटा और छोटे छोटे घंटे भी चोरी कर लिए। मंदिर परिसर में बने कमरे का ताला तोड़कर चोर पुजारी बॉबी गुप्ता के कपड़ों में रखे करीब तीन हजार रुपये भी ले गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने आसपास तलाश की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक कमलेश मिश्रा ने लिखित शिकायत लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब छह माह पहले भी मंदिर से लगभग 20 हजार रुपये का सामान चोरी हुआ था। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में नाराजगी है और उन्होंने पुलिस से जल्द चोरों का खुलासा करने की मांग की है।

डीएम ने किया कछला घाट का निरीक्षण

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अवनीश राय ने कांवड़ यात्रा–2026 की तैयारियों के दृष्टिगत कछला गंगा घाट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, जिससे कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों के साथ कांवड मार्ग बदायूँ से कासगंज बार्डर और बरेली बॉर्डर तक का निरीक्षण भी किया। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी श्रावण मास में 30 जुलाई, 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने घाट के दोनों छोरों का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा आपात स्थिति में जारी कंट्रोल रूम नंबरों का उपयोग करें तथा प्रशासन का सहयोग करते हुए सुरक्षित एवं व्यवस्थित कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं। इस अवसर पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्व वसूली बढ़ाए, लक्ष्यों को करें प्राप्त

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व त्रिभुवन ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में सोमवार को कर–करेत्तर एवं राजस्व वसूली की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को राजस्व वसूली को बढ़ाने तथा कार्य योजना बनाकर परस्पर विभागीय समन्वय से लक्ष्यों को प्राप्त करने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन, वाणिज्य कर जीएसटी, आबकारी, परिवहन कर, विद्युत, नगर निकाय, मुख्य कर आदि की जून 2026 तक लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्ति की समीक्षा की गई। उन्होंने विभिन्न तहसीलों से संबंधित जनपद के 10 बड़े बकायदारों से की गई वसूली की भी समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान पाया गया की वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष इस वित्तीय वर्ष में जून तक की उपलब्धि में वाणिज्य कर जीएसटी की क्रमिक उपलब्धि 38.63 प्रतिशत, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन की 85.78 प्रतिशत, आबकारी की 96.51 प्रतिशत, परिवहन कर 110.64 प्रतिशत, विद्युत देय 50.24 प्रतिशत, नगर निकाय 94.74 प्रतिशत, मुख्य देय 106.15 प्रतिशत, विविध देय 75.28 प्रतिशत कार्मिक उपलब्धि रही। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

31 जुलाई तक करें मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता । मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अधिकरण ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में लाभ प्राप्त करने के लिए विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक आवेदक दिनांक 31 जुलाई, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालन कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना के लिए आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए पृथक–पृथक ऑनलाइन आवेदन करना होगा। योजनाओं से संबंधित परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख तथा अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट द्धप्ध्य://द्धद्वपद्धद्वन्द्धद्वप.पक्र.द्धप.द्धद्व पर उपलब्ध है। यदि भविष्य में योजनाओं के प्रावधानों में कोई संशोधन किया जाता है तो संशोधित प्रावधान ही लागू होंगे। योजनाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन, बदायूं के कक्ष संख्या–325 स्थित मत्स्य पालक विकास अधिकरण कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

निराश्रित महिला पेंशन धारक प्राथमिकता पर बनवाएं फैमिली आईडी

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता । जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने जनपद की निराश्रित महिला पेंशन (विधवा पेंशन) प्राप्त करने वाली महिलाओं से अपील की है कि जिन पेंशनधारकों का राशन कार्ड अथवा फैमिली आईडी अभी तक नहीं बनी है, वे शीघ्र अपना फैमिली आईडी बनवाकर कार्यालय में उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्तमान में कुल 7,912 निराश्रित महिला पेंशनधारक हैं। जिन महिला पेंशनरों के पास राशन कार्ड अथवा फैमिली आईडी उपलब्ध नहीं है, वे फैमिली आईडी बनवाकर जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, बदायूं के कक्ष संख्या–129 में जमा करें। उन्होंने बताया कि फैमिली आईडी बनवाने के लिए निर्धारित पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सभी पात्र महिला पेंशनधारकों से अनुरोध है कि वे शीघ्र आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर अपने फैमिली आईडी की प्रति कार्यालय में जमा कर दें, जिससे पेंशन से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जमीनी विवाद में रिश्तों का कत्ल कर भाई को उतारा मौत के घाट

पुलिस ने मृतक के भाई और भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्जकर तलाश में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। थाना मुसाफिरखाना क्षेत्र के भददौर गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है जिसमें जमीन के टुकड़े के लिये खेले गये खूनी खेल में रिश्तों का कत्ल कर दिया गया है। खेत की रखवाली कर वापस घर लौट रहे युवक की उसकी सगे भाई और भतीजे ने मिलकर लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई है। सोमवार की सुबह इस घटना की खबर मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर भाई और भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्जकर तलाश में जुट गई है। थाना क्षेत्र के गांव भददौर निवासी रामकरन उम्र चालीस वर्ष पुत्र स्वर्गीय राम नरेश रविवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे आवारा पशुओं से खेतों की रखवाली कर अपने घर वापस आ रहे थे तभी रास्ते में पहले से ही घात लगाकर बैठे कुछ लोगों के द्वारा लाठी डंडों और धारदार हथियार से हमला कर बड़ी ही बेरहमी से रामकरन को लहूलुहान कर दिया गया।मृतक अपने खून के रिश्तों के द्वारा अपने जिस्म पर किये जा रहे हमले से चिल्लाता और कराहता रहा लेकिन भाई और भतीजे की लाठियां उस पर बरसती रही जिसका नतीजा यह निकला कि उसने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया।सोमवार की सुबह उक्त घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों से वार्तालाप किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया। बताते चलें कि मृतक के पिता की मौत के बाद उसका भाई गया प्रसाद से जमीनी विवाद चल रहा था दोनों भाइयों में तनाव कायम रहा।इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि जमीनी विवाद में यह हत्या हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर मृतक के भाई और भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया गया है और पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

शराब पीने का विरोध करने पर सिपाही को पीटा, घर के बाहर शराब पी रहे थे, टोकने पर सिर फोड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता । बदायूं में यूपी-112 पर तैनात एक सिपाही के साथ शराब के नशे में धुत कुछ लोगों ने मारपीट की। यह घटना रविवार रात करीब 9 बजे बिल्सी थाना क्षेत्र में हुई। सिपाही के सिर, चेहरे और गर्दन पर गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ क्क्ष्ट दर्ज की है और तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। घटना बिल्सी के तहसील रोड स्थित मोहल्ला संख्या एक की है। यूपी 112 में तैनात कांस्टेबल विपिन चौधरी यहां किराए के मकान में रहते हैं। बताया गया कि रविवार रात 8 बजे अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद विपिन अपने आवास पर लौट आए थे। लगभग एक घंटे बाद, उनके घर के दरवाजे के पास कुछ लोग शराब पीकर गालीगलौज कर रहे थे। विपिन चौधरी ने दरवाजा खोलकर इन लोगों का विरोध किया और उन्हें गालीगलौज न करने की हिदायत दी। इसी बात पर मामला बिगड़ गया। शराब पी रहे लोग हमलावर हो गए और उन्होंने अचानक सिपाही पर हमला कर दिया। इस दौरान हाथापाई हुई और डंडों से भी प्रहार किए गए। हमले में सिपाही विपिन चौधरी के चेहरे, सिर और कनपटी के पास गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह मामले को शांत कराया। इसके बाद विपिन की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। पुलिस ने रात में ही सिपाही का मेडिकल कराया और फिर एफआईआर दर्ज की है । सीओ बिल्सी आलोक सिद्ध्रू ने बताया कि तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है और मारपीट का केस दर्ज किया गया है।

खुरपका मुंहपका टीकाकरण अभियान का आठवां चरण बाइस जुलाई से शुरु होगा : मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

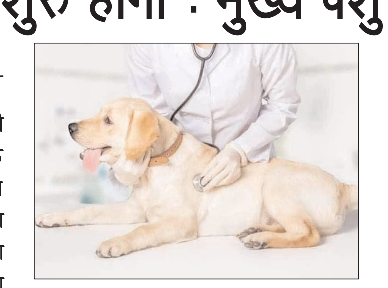

अमेठी । मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अमेठी डॉ. जी.के. शुक्ला ने जनपद के समस्त पशुपालकों से अपील करते हुये बताया कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत खुरपका मुंहपका टीकाकरण अभियान का आठवां चरण आगामी बाइस जुलाई से चार सितम्बर तक संचालित किया जाये।गा। अभियान के दौरान जनपद के सभी गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का निःशुल्क टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खुरपका मुंहपका एक अत्यंत संक्रामक वायरल रोग है, जो गाय, भैंस, बकरी, भेड़ एवं अन्य खुरदार पशुओं को प्रभावित करता है। इस रोग के कारण पशुओं के मुंह, जीभ, होंठ तथा खुरों में छाले एवं घाव हो जाते हैं, जिससे पशु चारा कम खाने लगते हैं, दूध उत्पादन में कमी आती है तथा पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने कहा कि प्रदेश एवं देश को एफ एम डी मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी पशुपालकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने पशुपालकों से आग्रह किया कि वे अपने सभी गोवंशीय, भैंसवंशीय एवं अन्य खुरदार पशुओं को निर्धारित तिथि पर टीका अवश्य लगवाएं। टीकाकरण पूर्णतः सुरक्षित एवं निःशुल्क है तथा इससे पशु खुरपका-मुंहपका जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रहते हैं। डॉ. शुक्ला ने बताया कि समय पर टीकाकरण कराने से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है, दूध उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है, मृत्यु दर में कमी आती है तथा पशुपालकों को आर्थिक हानि से बचाव मिलता है। स्वस्थ पशु ही समृद्ध किसान और विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं। उन्होंने पशुपालकों को सलाह दी कि यदि किसी पशु में मुंह या खुरों में छाले, अत्यधिक लार टपकना, बुखार, कमजोरी अथवा चलने-फिरने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय या पशु चिकित्साधिकारी से संपर्क करें। संक्रमित पशु को अन्य स्वस्थ पशुओं से अलग रखें तथा पशुशाला की नियमित साफ-सफाई एवं कीटाणुशोधन कराएं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए विभागीय टीमें गांव-गांव जाकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों तथा पशुपालकों से अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि ्रआज टीका, कल सुरक्षाॿ के संकल्प के साथ अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं और जनपद अमेठी को खुरपका-मुंहपका रोग मुक्त बनाने में योगदान दें। अधिक जानकारी के लिये पशु पालक अपने निकटतम पशु चिकित्सालय पर संपर्क कर सकते है।

करनैगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत वीबी राम जी में मची है लूट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज गार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर भले ही अब विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार व आजीविका (वीबी-जी राम जी) कर दिया गया हो,लेकिन धरातल पर पुरानी जैसी बदइंतजामी दिख रही है।विभागीय मॉनिटरिंग के दावों के बीच कार्यस्थलों पर मजदूरों की फर्जी हाजिरी का खेल बदस्तूर जारी बताया जा रहा है।करनैलगंज ब्लॉक में जिम्मेदारों की मिलीभगत से मनरेगा योजना में फर्जी मस्टर रोल का खेल जारी है। सरकारी धन की बंदरबांट का आलम यह है कि पुराने कार्य औ र नाम बदलकर मनरेगा श्रमिकों के घर-घर जाकर हाजरी लगाकर भिन्न-भिन्न कार्यों पर अपलोड की जा रही है।इतना बड़ा खेला होने के बाद भी जिम्मे दार अधिकारी आंखें बंद किए हुए हैं,बीडीओ, एपी ओ, रोजगार सेवक व अन्य जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी वीबी रामजी योजना का भट्ठा बैठाने में लगे हुए हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार वीबी राम जी योजना में मोदी सरकार ने पारदर्शिता के लिए तमा म कायदे-कानून बना रखी है, जिससे श्रमिकों को गांव में

ही काम मिल सके, परन्तु जिले के करनैल गंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत काशीपुर, अहिरौरा, कोनहटा, मसूलिया, वर्तारा, सकतपुर, रामगढ़,नारा यणपुर माझा व मौहर, के जिम्मेदार इस योजना में तमाम तरह के हथकंडे अपना कर शासनादेश की धज्जियां उड़ाने से नहीं चूक रहे हैं।इन ग्राम पंचाय तों में वी बीजी राम जी (मनरेगा) कार्यों में चल रहे फर्जी मस्टर रोल के जरिए न सिर्फ सरकारी धन को चूना लगाया जा रहा है,बल्कि सरकार की मंशा पर पानी फ़ेरने का भी काम किया जा रहा है,वहीं क्षेत्र में चर्चा है कि काशीपुर के ग्राम प्रधान सत्ता पक्ष के इसारे पर वीबी-जी राम जी में चाहे आंधी चले या भारी बरसात लेकिन काशीपुर में मनरेगा श्रमिकों की हजारी साइड पर होती रहेगी

काशीपुर,अहिरौरा, कोनहटा, मसूलिया, वर्तारा, सकतपुर,रामगढ़,नारायणपुर माझा व मौहर में फर्जी मस्टर रोल का आरोप

नाम बदला,खेल नहीं ! वीबी जी राम जी योजना में फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप

कागजों पर नाला खोदाई ,मस्टर रोल में फर्जी हाजिरी.? गरीबों के रोजगार पर किसका डाका.?

ऐसी अंधेर गर्दी पर लगाम कब लगेगी पूछ रही है जनता..?

टीम गठित कर कराई जाएगी जांच: सीडीओ

मुजेहना ब्लॉक की ग्राम पंचायतो में बड़े पैमाने पर की जा रही लूट के बारे में जिले के जिम्मेदार अधि कारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं,इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी दयानन्द प्रसाद से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्र ष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाशत नहीं किया जाए गा।उन्होंने कहा कि टीम गठित कर वीबी राम जी (मनरेगा) योजना में भ्रष्टाचार की जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी।

अपलोड वही ग्रामीणों की मानें तो गांव में कराए जा रहे का र्यों पर कुछ मनरेगा मजदूर ही कार्य करते हैं,बाकी मजदूर कागजों में दिखाई देते हैं।ग्रामीणों के अनु सार,रोजगार सेवक,प्रधान के द्वारा अपने स्वार्थ के लिए दर्जनों से अधिक की संख्या में मनरेगा योज ना की लिस्ट में अपने चहेतों का नाम पहले से ही डलवा दिया गया है और उनके नाम पर भुगतान भी होता रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जिले के सम्बन्धित उच्चाधिकारी मनरेगा योजना के कार्यों का औचक निरीक्षण करें तो जमीनी स च्चाई खुद-ब-खुद सामने आ जाएगी। सवालों के घेरे में उपायुक्त श्रम रोजगार मनरेगा की भूमिका का है, क्योंकि कागजो पर चल रहे का खेल का जिम्मा इनका ही है,लेकिन जिम्मेदार आंख मूंद कर बैठे हुए हैं।

सर्पदंश से चार वर्षीय मासूम की मौत बहन के साथ सो रहा था शिवांश

बारिश के बाद बढ़ीं सर्पदंश की घटनाएं,आधी रात बिगड़ी तबीयत ;निजी चिकित्सक ने किया मृत घोषित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में बारिश और उमस के बीच सर्पदंश की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।धानेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरे दत्तई के मजरा बढ़ई पुरवा में रविवार रात सर्पदंश से चार वर्षीय मासूम शिवांश पांडेय की मौत हो गई।इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।शिवांश पांडेय पुत्र श्रवण कुमार पांडेय अपनी मां बिट्टू देवी और बहन वैष्णवी के साथ घर पर था,श्रवण कुमार रोजी-रोटी के सिलसिले में परिवार सहित लुधियाना में रहते हैं।सात जुलाई को बहन की शादी में शामिल होने के लिए वे गांव आए थे।विवाह कार्यक्रम के बाद पिता लुधियाना लौट गए,जबकि पत्नी और बच्चे कुछ दिन बाद जाने वाले थे।परिजनों के अनुसार,रविवार रात भोजन के बाद शिवांश अपनी बहन वैष्णवी के साथ बेड पर सो रहा था। आधी रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे उल्टियां होने लगीं। कुछ ही देर में वह अचेत हो गया।घबराए परिजन उसे तत्काल क्षेत्र के एक निजी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे, ज हां चिकित्सक ने नब्ज जांचने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।चिकित्सक ने परिजनों को बताया कि संभवत किसी जहरीले सांप ने शिवांश को काट लिया था।घटना की सूचना मिलते ही लुधियाना में रह रहे पिता श्रवण कुमार गांव के लिए रवाना हो गए।शिवांश परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी मौत से मां बिट्टू देवी और बहन वैष्णवी का रो-रोकर बुरा हाल है।बहन वैष्णवी बार-बार बिलखते हुए कह रही थी,भैया मेरे साथ सो जाता तो बच जाता।मासूम की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

आज बहराइच-श्रावस्ती दौरे पर आएंगे सीएम योगी,मंडलायुक्त ने तैयारियों का लिया जायजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंगलवार को प्रस्तावित बहराइच-श्रावस्ती दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।देवीपाटन मंडल की आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने सोमवार को कार्यक्रम स्थल का स्थ लीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने हेलीपैड निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कार्य समय पर पूरा कराने को कहा।उन्होंने लाभा र्थियों और आमजन के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।साथ ही टेंट,प्रकाश व्यवस्था,साफ-सफाई,बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंत जामों की भी बारीकी से समीक्षा की।मंडलायुक्त ने पूरे कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने के निर्देश दिए।इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक अशोक कुमार शुक्ला, दोनों जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेमी संग भागने के लिए पत्नी ने रची 'चोरी' की साजिश, कुछ घंटों में खुला राज

पति को बनाया शिकार, घर का जेवर-नकदी प्रेमी को सौंपकर खुद बनी बेहोश...

पुलिस ने 50 हजार नकद और डेढ़ किलो से अधिक चांदी बरामद की,

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । खरगूपुर थाना क्षेत्र के विशुनापुर बाजार में हुई कथित चोरी की घटना ने ऐसा मोड़ लिया कि पुलिस भी हैरान रह गई। जिस महिला ने घर में आठ-दस अज्ञात चोरों के घुसने और मारपीट कर बेहोश करने की कहानी सुनाई,वही अपने प्रेमी के साथ पूरी साजिश की सूत्रधार निकली।पुलिस ने महज कुछ घंटों में घटना का खुलासा करते हुए पत्नी और उसके प्रेमी रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार, लवकुश पुत्र रामबचन निवासी विशुनापुर बाजार ने 19 जुलाई की रात घर में चोरी की तहरीर दी थी। शिकायत में कहा गया था कि अज्ञात चोर घर में घुसकर तीन बक्सों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नक दी चोरी कर ले गए।पुलिस अधीक्षक विनीत जाय सवाल के निर्देश पर गठित टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और परिवार के सदस्यों से पूछताछ शुरू की।जांच के दौरान वादी की प त्नी पूनम कसौधन की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। महिला आरक्षी द्वारा अलग से पूछताछ करने पर पूनम टूट गई और उसने अपने रिश्तेदार विकास कसौधन के साथ मिलकर चोरी की साजिश रचने की बात स्वीकार कर ली।पुलिस पूछताछ में खुला सा हुआ कि पूनम और विकास के बीच प्रेम संबंध थे और दोनों साथ भागने की योजना बना रहे थे। धन की व्यवस्था के लिए विकास ने घर में रखे जेवर और नकदी चोरी करने की योजना बनाई। तय योजना के तहत पूनम ने 19 व 20 जुलाई की रात मोबाइल फोन से विकास को घर बुलाया और दोनों ने मिलकर संदूक व बक्सों के ताले खोलकर सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन उसे सौंप दिए।साजिश को असली चोरी का रूप दे ने के लिए पूनम ने कमरे का सामान अस्त - व्यस्त कर दिया और बेहोश होने का नाटक करते हुए बि स्तर के नीचे जाकर लेट गई।अगले दिन उसने परि जनों को बताया कि रात में कई चोर घर में घुस आ ए थे,जिन्होंने मारपीट कर उसे बेहोश कर दिया औ र जेवर-नकदी लूट ले गए।अभियुक्ता की निशान देही पर पुलिस ने विकास कसौधन को उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से करीब 19. 610 ग्राम सोने के आभूषण, 1.585 किलोग्राम चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपये नकद और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुए।गिरफ्तार आरो पियों में विकास कसौधन पुत्र जमुना प्रसाद कसौ धन और पूनम कसौधन पत्नी लवकुश कसौधन शामिल हैं।दोनों के खिलाफ खरगूपुर थाने में संबं धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है।

ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही : गुरु नानक चौराहा बना जाम का नासूर, अवैध टैक्सी स्टैंड

सुबह पांच बजे से सड़क पर बसों, टैक्सियों और ऑटो का कब्जा,स्कूल पहुंचने में बच्चों को हो रही भारी परेशानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिला मुख्यालय का सबसे व्यस्त गुरु नानक चौराहा अब जाम का स्थायी केंद्र बनता जा रहा है, सुबह पांच बजे से ही यहां प्राइवेट बसें, टैक्सियां और ऑटो सड़क पर खड़े होकर सवारियां भरना शुरू कर देते हैं। हालत यह है कि चौराहा सुबह दस बजे तक अघोषित टैक्सी और बस स्टैंड में तब्दील हो जाता है, जबकि यातायात पुलिस की अनदेखी से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।जाम में फंसे राहगीरों, कर्मचारियों और सबसे अधिक स्कूल जाने वाले बच्चों को रोजाना भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है कि बच्चे धूल और धुएं के बीच देर से स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। भैया जी, कितनी देर में स्कूल पहुंचेंगे

यह सवाल जाम में फंसे बच्चों की बेबसी को बयां करता है।

हर प्रमुख चौराहा बना अघोषित स्टैंड

गुरु नानक चौराहा ही नहीं,एलबीएस चौराहा,अग्र सेन चौराहा और शहर के कई प्रमुख मार्ग भी अवै ध टैक्सी व ऑटो स्टैंड में बदल गए हैं।घोषित टै क्सी स्टैंड होने के बावजूद वाहन चालक सड़क पर ही वाहन खड़े कर सवारियां भरते हैं, जिससे सुबह से लेकर दोपहर तक जाम की स्थिति बनी रहती है।प्रशासनिक स्तर पर कई बार इन अवैध स्टैंडों को हटाने के निर्णय लिए गए,लेकिन कार्रवा ई कागजों तक सीमित रह गई। नतीजा यह है कि आम लोग रोजाना जाम से जूझने को विवश हैं।

मुख्यमंत्री के आदेश भी बेअसर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोडवेज बस स्टैंड से एक किलोमीटर के दायरे में अवैध टैक्सी स्टैंड न संचालित होने के निर्देश दिए थे, इसके बावजूद गोंडा में रोडवेज बस स्टैंड के आगे और पीछे अवै ध टैक्सियों का जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में डीआईजी अमित पाठक के कार्यकाल में अवैध टैक्सी स्टैंडों पर स ख्ती हुई थी,लेकिन उनके स्थानांतरण के बाद ड ग्गामार वाहन संचालकों के हौसले फिर बुलंद हो गए।

ट्रैफिक पुलिस पर उठ रहे सवाल

गुरु नानक चौराहे से डिग्री कॉलेज चौराहे तक स ड़क किनारे खड़ी टैक्सियों और बसों ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।लोगों के बीच चर्चा है कि अवैध स्टैंडों के संचालन में कु छ पुलिस कर्मियों की मिलीभगत भी हो सकती है, स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि सवारी बैठाने को लेकर टैक्सी चालकों में अक्सर विवाद और मा रपीट तक की नौबत आ जाती है,स्थानीय पुलिस प्रभावी कार्रवाई करती है।लेकिन टैक्सी संचालकों का उसका जरा सा भी भय नहीं है। वही राहगीरों, व्यापारियों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि गुरु नानक चौराहे से सभी अवैध टैक्सी, बस और ऑटो स्टैंड तत्काल हटाए जाएं।साथ ही यातायात पुलिस की जवाबदेही तय कर शहर को जाम से राहत दिलाई जाए।

बाढ़ सिर पर, तटबंध अधूरे : 33.20 करोड़ की आठ परियोजनाओं में बीस प्रतिशत काम बाकी..!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानसून से पहले तटबंधों को सुरक्षित करने के निर्देशों के बा वजूद गोंडा में बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी 33 करोड़ बीस लाख 37 हजार रुपये की आठ परियोजनाएं अब भी अधूरी हैं।निर्धारित समय सीमा 22 जुलाई में केवल दो दिन शेष हैं,लेकिन कई स्थलों पर बीस प्रतिशत तक कार्य बाकी है।कैनविज टाइम्स की पड़ताल में सकरौर-भिखारीपुर तटबंध पर निर्माण की सुस्त रफ्तार और तकनीकी खामियां सामने आईं है।जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर सकरौर-भिखारीपुर तटबंध पर स्पर निर्माण में सोलिंग की ईंटें नहीं लगी थीं और ढलान का कार्य भी अधूरा मिला।परक्यूपाइन के लिए लगाई जा र ही जालियों में भरे पत्थरों के ऊपरी हिस्से खुले पा ए गए है जिससे बाढ़ के तेज बहाव में इनके बहने का खतरा बढ़ गया है।यह कार्य 23 अप्रैल 2026 को शुरू हुआ था और 22 जुलाई तक पूरा होना था,लेकिन मानसून सक्रिय होने के बाद भी निर्माण स्थल पर काम अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा या है।वही इस वर्ष एल्गिन-चरसड़ी और भिखारी पुर-सकरौर तटबंधों को सुरक्षित करने के लिए क रीब 22 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं,52.400 किलोमीटर लंबे एल्गिन-चरसड़ी तटबंध पर पिछ ले वर्ष कटान वाले स्थानों की मरम्मत की जा रही है और छह पुराने स्परों को दोबारा मजबूत किया जा रहा है।बहुवन मदारमाझा में साढ़े तीन करोड़ रुपये की लागत से नया स्पर और रेगुलेटर निर्मा णा धीन है। हालांकि यहां नदी का पानी फाउंडेशन तक पहुंच चुका है, जिससे निर्माण में कठिनाई बढ़ गई है।बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता जय सिंह ने कहा कि बारिश के कारण कुछ परियोजनाओं में दिक्कत आई,लेकिन सभी कार्य 22 जुलाई शा म तक पूरे कर लिए जाएंगे।उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट, किया जाएगा।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने का अभियान है निपुण भारत अभियान : सीडीओ

मंडलीय निपुण संकल्प कार्यशाला में निपुण लक्ष्य व गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पर हुआ मंथन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,बेसिक शिक्षा विभाग अमेठी द्वारा निपुण भारत मिशन के तहत मंडलीय निपुण संकल्प कार्यशाला का आयोजन सोमवार को आशीर्वाद मैरिज हॉल, मुंशीगंज, अमेठी में किया गया। कार्यशाला में जनपद अमेठी, अंबेडकर नगर एवं सुल्तानपुर के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डायट प्रवक्ता, खण्ड शिक्षा अधिकारी, स्टेट रिसोर्स पर्सन, एआरपी तथा अन्य शैक्षिक अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय संग्रामपुर

की छात्राओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने कहा कि जनपद अमेठी को इस महत्वपूर्ण मंडलीय कार्यशाला की मेजबानी का अवसर मिलना गौरव का विषय है तथा विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने के लिए कार्यरत है।मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू ने कहा कि वह स्वयं शिक्षक परिवार से जुड़ी हुई है उन्होंने दिवास्वप्न पुस्तक के दृष्टांत के माध्यम से बच्चों को समझ के उनकी रुचि के अनुसार शिक्षा प्रदान करने की बात कही।निपुण भारत मिशन केवल एक शैक्षिक कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं नवाचारों को विद्यालय स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान राज्य परियोजना कार्यालय से पधारे वरिष्ठ विशेषज्ञों , ऐश्वर्य, अंकित श्रीवास्तव तथा शिवेश ने निर्धारित एजेंडा के अनुसार विभिन्न विषयों पर विस्तृत एवं बिंदुवार प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने निपुण भारत मिशन की प्रगति, शैक्षणिक सत्र 2026-27 की रणनीति, बालवाटिका का प्रभावी संचालन, निपुण विद्यालय आकलन, विद्यालय विजिट एवं गुणवत्तापूर्ण मेंटरिंग, एनबीएमसी पोर्टल के व्यावहारिक उपयोग, डेटा आधारित समीक्षा, जिला परियोजना प्रबंधन इकाई की भूमिका तथा निपुण प्लस एवं नवीन शैक्षिक पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

किसान नेत्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने से खफा किसानों ने एसपी आफिस का किया घेराव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । विद्युत विभाग के अवर अभियंता द्वारा किसान नेत्री रीता सिंह के खिलाफ दर्ज कराये गये मुकदमे ने सोमवार को उस समय तूल पकड़ लिया जब आक्रोशित किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने पहुंच गये जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाओं के साथ ही पुरुषों ने पुलिस और विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया तो पुलिस द्वारा रीता सिंह समेत अन्य प्रदर्शनकारियों को रोकने के दौरान नौंक झोंक भी हुई इस दौरान सीओ के साथ ही काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बताते चलें कि रीता सिंह जनकल्याण समिति की अध्यक्ष रीता सिंह द्वारा आम जनमानस की समस्याओं को उठाकर कुम्भकर्णी नींद में सो रहे अधिकारियों को जगाने का काम अनवरत कई वर्षों से किया जा रहा है। विद्युत विभाग द्वारा भीषण गर्मी में ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली कटौती से त्रस्त होकर बीते दिनों किसान नेत्री रीता सिंह ने विद्युत उपकेन्द्र गौरीगंज पहुंचकर ग्रामीण क्षेत्रों को बिजली से निजात दिलाने की मांग की गई थी जिस पर अवर अभियंता द्वारा समेत तीस चालीस अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना गौरीगंज में गम्भीर आरोप लगाते हुये मुकदमा दर्ज करवा दिया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर किसान यूनियन के कार्यकर्ता आक्रोशित हो उठे और सोमवार को रीता सिंह की अगुवाई में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग कर रहे थे। आक्रोशित किसान यूनियन के कार्यकर्ता पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच कर एसपी से अपनी बात कहना चाह रहे थे लेकिन इस दौरान पुलिस और किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर नोंक झोंक हो गई तो कार्यकर्ताओं ने पुलिस और विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों के हुजूम से भीषण गर्मी में पुलिस को पसीना छूटता रहा। एसपी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिये तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

दिल्ली पहुंचे पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा जंतर मंतर पर धरने में दिया समर्थन

देश का युवा जाग चुका है, तानाशाही सरकार को झुका कर रहेगा : पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। देश की राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा और रोजगार को लेकर चल रहे धरने में शामिल होने पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया।धरने का नेतृत्व सोनम बागचूक, अभिजीत, यामीन, मनीष और नेहा कर रहे हैं। पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने कहा कि यह कोई छोटी लड़ाई नहीं है। यह देश की आजादी की लड़ाई से कम नहीं है। जिस तरह 1857 में पहली क्रांति शुरू हुई थी और लाखों बलिदानों के बाद देश आजाद हुआ, उसी तरह आज भी शिक्षा और भविष्य बचाने की लड़ाई लड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि उस समय देश की आबादी 30-35 करोड़ थी, फिर भी पूरा देश अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट था। आज देश की आबादी डेढ़ सौ करोड़ है। सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चों की शिक्षा व्यवस्था बेहतर हो, लेकिन लोग सड़कों पर नहीं उतर पा रहे। अगर इस देश के 2 करोड़ लोग भी एक दिन सड़कों पर आ जाएं तो सरकार को झुकना पड़ेगा। अगर डेढ़ सौ करोड़ में से 1-2 प्रतिशत लोग भी 4-5 घंटे के लिए सड़क पर आ जाएं तो तानाशाही सरकार को हर हाल में झुकना पड़ेगा।पूर्व मंत्री ने कहा ''हम हिंदुस्तानियों का खून ठंडा नहीं है, खून खोलता है। इस तानाशाही सरकार ने इंसानियत को खत्म करने का प्रयास किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर रही है और जो लोग सरकार का साथ दे रहे हैं वे भी अंदर से बेहतर शिक्षा चाहते हैं, लेकिन डर के कारण सामने नहीं आ पा रहे।पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने युवाओं का आह्वान किया कि वे डटे रहें। देश का युवा जाग चुका है और वह इस तानाशाही सरकार को झुका कर रहेगा।

भाजपा नेत्री ने कैबिनेट मंत्री को सौंपा पत्र लाखा मंडल में बारात घर बनाने की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व मंडल उपाध्यक्ष वचना शर्मा ने उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात कर चकराता विधानसभा क्षेत्र में बारात घर निर्माण की मांग को लेकर पत्र सौंपा। भाजपा नेत्री बचना शर्मा ने पत्र में कहा कि चकराता विधानसभा के अंतर्गत देवभूमि लाखामंडल के कुन्ना गांव में बारात घर का निर्माण अति आवश्यक है। गांव में जब भी कोई शादी होती है तो ग्रामीणों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। टेंट, शामियाना और अन्य व्यवस्थाओं के लिए लोगों को भारी दिक्कतें उठानी पड़ती हैं।उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि कुन्ना गांव में शीघ्र बारात घर का निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को शादी-ब्याह जैसे आयोजनों में सुविधा मिल सके और उन्हें आर्थिक बोझ से भी राहत मिले।कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मामले को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण मंत्री को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए प्रस्ताव पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा।भाजपा नेत्री ने कहा कि बारात घर बनने से न केवल कुन्ना बल्कि आसपास के गांवों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

नवजात की मौत, गंभीर आरोप, फिर अचानक समझौता! आखिर सच क्या था—आरोप झूठे थे या मामला दब गया?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।नगर के एक निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात शिशु की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही, अवैध धन उगाही, अतिरिक्त रुपये मांगने, महिला को अस्पताल में रोककर रखने और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए थे पीड़ित पक्ष ने इन आरोपों के आधार पर थाना पूरनपुर में लिखित शिकायत देकर सख्त कार्रवाई की मांग की थी हालांकि, मामला तूल पकड़ने से पहले ही दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया समझौते के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि लगाए गए आरोप सही थे, तो समझौता किन शर्तों पर हुआ? और यदि आरोप गलत थे, तो फिर इतनी गंभीर शिकायत आखिर क्यों दी गई?यह मामला केवल एक परिवार और अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है नवजात शिशु की मौत जैसी संवेदनशील घटना के बाद गंभीर आरोपों का अचानक समझौते में बदल जाना लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है अब यह स्पष्ट होना बाकी है कि समझौता केवल आपसी सहमति का परिणाम था या शिकायत में लगाए गए आरोपों की सच्चाई की कभी निष्पक्ष जांच ही नहीं हो सकी फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने कई ऐसे सवाल छोड़ दिए हैं जिनका जवाब मिलना जरूरी माना जा रहा है।

न्यूज 3 नगर अध्यक्ष के आवास पर समाजवादी पार्टी की बैठक हुई संपन्न

पूरनपुर।नगर पंचायत कलीनगर के वार्ड नं. 3 में नगर अध्यक्ष याकूब अंसारी के कैंप कार्यालय पर मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के साथ हो रहे कथित अन्याय के विरोध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपस्थित साथियों ने कहा कि शिक्षा के संस्थानों के साथ निष्पक्ष और न्यायपूर्ण व्यवहार होना चाहिए। सभी ने लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर अपनी आवाज़ बुलंद करने का संकल्प लिया।बैठक मे शामिल नगर अध्यक्ष याकूब अंसारी,अरशद खान,पप्पू सलमानी, शमशाद रज़ा, कांता प्रसाद, जसवंत पासबान, जावेद अंसारी, समीर, रहीश, रफीक, रिज़वान यदि लोग शामिल रहे हैं।

परिषदीय विद्यालय में मनाया गया भू जल सप्ताह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।जैसा कि पूरे देश में भूमिगत जल के संरक्षण हेतु भू जल सप्ताह मनाया जा रहा है इसी उपलक्ष्य में पूरनपुर विकास खंड के कंपोजिट स्कूल गढ़ाकला में भू जल सप्ताह मनाया गया जिसमें स्कूल के बच्चों को जल संरक्षण की जानकारी शिक्षक हुकुम सिंह के द्वारा दी गई और इस मौके पर बच्चों. द्वारा चार्ट माडल प्रतियोगिता भी की गई और प्रथम आने बाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया इस उपलक्ष्य में इंचार्ज मंजू रानी, सोहन अध्यापक, ममता देवी शिक्षा मित्र, स्वाति एजुकेटर सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा सहायक अध्यापक एव नोडल संकुल शिक्षक श्री हुकुम सिंह ने सभी को बताया कि पृथ्वी पर मौजूद सभी जीवो को जल की बहुत जरूरी आवश्यकता है इसलिए इसको बर्बाद नहीं करना चाहिए और इसका संरक्षण करना बहुत जरूरी है जल संरक्षण करना हम सभी की जिम्मेदारी है और नारा दिया कि जल है तो कल है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, 477 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, नवदंपत्तियों को मिला सरकारी सहयोग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सोमवार को सुल्तानपुर में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 477 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में कादीपुर विधायक राजेश गौतम सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नवदंपत्तियों को आशीवार्द देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

विधायक राजेश गौतम ने बताया कि समारोह में कादीपुर और लंभुआ विधानसभा क्षेत्रों के पात्र लाभार्थियों का विवाह संपन्न कराया गया। इनमें कादीपुर विधानसभा के चारों ब्लकों से 163 जोड़े, लंभुआ क्षेत्र से 153 जोड़े तथा 6 जोड़े अल्पसंख्यक समुदाय के शामिल रहे। शेष जोड़े जिले के अन्य क्षेत्रों से थे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ केवल उन्हीं लाभाथिर्यों को दिया गया, जिनका समाज कल्याण विभाग द्वारा अनलाइन पंजीकरण और सत्यापन किया गया था। योजना के तहत प्रत्येक नवविवाहित वधू के बैंक खाते में ?64,000 की आथिर्क सहायता सीधे हस्तांतरित की जा रही है। इसके साथ ही नवदंपत्तियों को ?21,000 मूल्य की गृहस्थी का आवश्यक सामान भी उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। इस अवसर पर विधायक राजेश गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के प्रत्येक परिवार की चिंता करते हुए गरीब और जरूरतमंद बेटियों के विवाह की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सरकार की यह योजना आथिर्क रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है और समाज में समानता तथा सम्मान के साथ बेटियों के विवाह को प्रोत्साहित कर रही है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में अनलाइन आवेदन के आधार पर 477 जोड़ों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें 471 हिंदू और 6 मुस्लिम समुदाय के जोड़े शामिल थे। जिले के लिए इस योजना के अंतगर्त 854 जोड़ों का लक्ष्य निधार्रित किया गया था। हालांकि, भौतिक सत्यापन में पात्र लाभाथिर्यों की संख्या अधिक मिलने पर जिलाधिकारी ने लक्ष्य बढ़ाकर 1,074 करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

दहेज की खातिर गर्भवती विवाहिता पर कहर,पति समेत छह पर मुकदमा दर्ज, गला दबाने और गोली मारने की धमकी मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।नगर की अशोक कॉलोनी निवासी चार से पांच माह की गर्भवती विवाहिता ने अपने पति सहित ससुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज की मांग को लेकर मारपीट, गला दबाने, जान से मारने की धमकी देने और मानसिक उत्पीड़न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर सभी नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है पीड़िता मुस्कान प्रजापति पत्नी निखिल कुमार का आरोप है कि उसका विवाह 14 फरवरी 2026 को पूरे रीति-रिवाज के साथ हुआ था शादी में उसके मायके पक्ष ने करीब 10 लाख रुपये नकद और लगभग 7 लाख रुपये का घरेलू सामान एवं अन्य उपहार दिए थे इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार अतिरिक्त दहेज की मांग करता रहा और मांग पूरी न होने पर उसके साथ आए दिन मारपीट और प्रताड़ना की जाती रही तहरीर के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को उसकी मां गंगा देवी और भतीजी कामिनी उसे ससुराल छोड़ने पहुंचीं आरोप है कि उन्हें घर के अंदर नहीं जाने दिया गया और विवाहिता को दुकान में बैठा दिया गया इसके बाद पति निखिल कुमार, ससुर राधेश्याम, सास पूजा गंगोत्री, जेठ हिमांशु, जेठानी रोशनी और विनोद ने मिलकर उसके साथ मारपीट की पीड़िता का कहना है कि वह उस समय चार से पांच माह की गर्भवती थी, फिर भी उसके पेट में लात-घूंसे मारे गए और गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया विवाहिता ने आरोप लगाया कि जब उसने शोर मचाया तो उसकी मां और भतीजी दरवाजा खटखटाने लगीं, लेकिन दरवाजा नहीं खोला गया इसी दौरान जेठ द्वारा तमंचा लाने और आवाज निकालने पर गोली मार देने की धमकी भी दी गई बाद में जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब दरवाजा खोला गया आरोप है कि इस दौरान उसकी मां और भतीजी के साथ भी मारपीट और धक्का-मुक्की की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं पीड़िता ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में यह भी कहा कि आरोपी अक्सर यह कहते हैं कि जो करना है कर लो, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, हमारी ऊपर तक पकड़ है इसी कारण उसे अपनी और गर्भस्थ शिशु की जान का खतरा बना हुआ है पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति निखिल कुमार, ससुर राधेश्याम प्रजापति, सास पूजा गंगोत्री, जेठ हिमांशु, जेठानी रोशनी और विनोद के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कलयुगी बेटे ने मां पर चाकू से हमलाकर किया लहूलुहान

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना कमरौली क्षेत्र के गांव सिठौली में रिश्तों को कलंकित करते हुये एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां पर चाकुओं से हमलाकर लहुलुहान कर दिया है। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले बेटे को घटना में प्रयुक्त चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र के गांव सिठौली में एक कलयुगी बेटे ने रिश्तों को कलंकित करते हुये अपनी मां पर चाकुओं से हमलाकर लहुलुहान कर दिया। शोरगुल सुनकर आसपास के लोग जब दौड़े तो वह मौके से भाग निकला। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के छोटे बेटे के साथ अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों द्वारा उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने अभियोग दर्जकर आरोपी युवक की तलाश में जुट गई।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर थाना कमरौली पुलिस ने रामदीन पुत्र रामकिशुन निवासी ग्राम सिठौली थाना कमरौली उम्र कराब तीस वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है और उक्त युवक की निशानदेही पर घर से घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद हुआ है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष मुकेश कुमार पटेल ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक को जेल भेज दिया गया है।

उर्वरकों की उपलब्धता एवं बिक्री में अनियमितता पर होगी सख्त कार्यवाही : डीएओ

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद में किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिये कृषि विभाग द्वारा उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर लगातार निरीक्षण एवं छापेमारी की जा रही है। जिला कृषि अधिकारी देवेन्द्र सिंह निरंजन ने बताया कि उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि बिक्री रजिस्टर में किसानों का मोबाइल नंबर, खतौनी नंबर तथा फार्मर आईडी अंकित करना अनिवार्य होगा। यदि किसी भी फुटकर उर्वरक विक्रेता द्वारा इन निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है तो उसके विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरकों की बिक्री की जाएगी तथा बिक्री के समय किसान का विवरण दर्ज करना आवश्यक होगा। साथ ही प्रति हेक्टेयर अधिकतम पांच बोरी डीएपी एवं सात बोरी यूरिया की बिक्री ही की जायेगी। किसी भी प्रकार से अनुदानित उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की टैगिंग या जबरन बिक्री नहीं की जा सकेगी। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि सभी उर्वरक विक्रेताओं को अपने प्रतिष्ठान पर उर्वरकों का स्टॉक बोर्ड, मूल्य सूची एवं शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से प्रदर्शित रखने होंगे। निरीक्षण के दौरान पीओएस मशीन में उपलब्ध स्टॉक तथा भौतिक स्टॉक में किसी भी प्रकार का अंतर पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने बताया कि जिंक, माइक्रो न्यूट्रिएंट्स, सल्फर एवं जैविक उर्वरकों सहित अन्य उत्पादों की बिक्री का भी उचित अभिलेखीकरण किया जाना आवश्यक है। यदि निरीक्षण के दौरान कोई अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित उर्वरक विक्रेता का लाइसेंस निरस्त करते हुए विधिक कार्रवाई की जायेगी। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि उर्वरक वितरण से संबंधित किसी भी समस्या, शिकायत या अनियमितता की सूचना तत्काल कृषि विभाग के कंट्रोल रूम में दें, जिससे शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जा सके।

बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र की टूटी सड़को का ग्रामीण ने वीडियो बनाकर किया वायरल विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर दी चेतावनी

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव गजरौला कला निवासी रामेश्वर दयाल ने टूटी हुई सड़क का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है। जिसमें ग्रामीण कह रहा है कि माला स्टेशन को जाने आने की यात्रा में रोड की दुर्दशा देखी जाए।इस सड़क की गारंटी 5 साल तक थी।लेकिन सड़क मात्र एक साल और डेढ़ साल में रोड की बुरी तरह खराब हो चुकी हैं। आते-जाते लोगों को निकलने में बहुत परेशानी होती है।जिसमें परियों से गड्ढे हो गए हैं। प्रशासन को में जताना चाहता हूं।कि आर्थिक व्यवस्था क्या है जबकि सरकार कहतीं है गड्ढा मुक्त सरकार लेकिन गड्ढे कितने हैं कमरे में दिखाए जाते हैं। हेलमेट नहीं है यह चालान करो बो चालान करो लेकिन कमरे में गड्ढे नहीं दिखा देते हैं। सड़क बनाने वाले ठेकेदारों ने डकैतियां डाल रखी है। चोरियों की हैं इनका कोई होश नहीं है। रोड बनाने की 5 साल गारंटी लेते हैं लेकिन सड़क एक साल में ही खराब हो जाती है। बच्चों की पढ़ाई में विधान डालें तो इसलिए मैं सरकार से हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हूं।कि मैंने कई बार इस रोड के लिए ठेकेदार से बोला है लेकिन ठेकेदार कहता है कि मैने सड़क बनवा दी है।और अब बार-बार सड़क नहीं बनवाऊंगा 2027 मैं चुनाव आने वाला है। जिसमें बहुत प्रभाव पड़ेगा।

लगातार बारिश के चलते कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित बीएसए ने जारी किया आदेश

पीलीभीत।जनपद में लगातार हो रही बारिश और विद्यालय परिसरों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने कक्षा 1 से 8 तक संचालित सभी विद्यालयों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है ।

छात्रों के समथर्न में सपा यूथ ब्रिगेड का प्रदशर्न, पुलिस ने जब्त किया प्रतीकात्मक पुतला

सुल्तानपुर। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के समथर्न में हुए प्रदशर्न और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को समाजवादी पाटीर् की मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड ने प्रदशर्न किया। जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद एडवोकेट के नेतृत्व में कायर्कतार् केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंर्द्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला लेकर कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने रास्ते में पुतला अपने कब्जे में लेकर प्रदशर्न को रोक दिया। प्रदशर्न के दौरान कायर्कताओंर् ने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सपा जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद ने आरोप लगाया कि छात्रों और विपक्षी नेताओं की आवाज दबाने के लिए दमनात्मक कारर्वाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों की अनदेखी जारी रही तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदशर्न को देखते हुए सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह, नगर कोतवाल सुरेश नारायण मिश्र समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव अशोक सिंह बिसेन, अमरीश, योगेश यादव, सुल्तान खान मोनू, आसिफ खान, बिस्मिल्लाह, अमजद खान, अमित यादव, सुभाष यादव, सईद अहमद और अवधेश कुमार समेत कई कायर्कतार् व पदाधिकारी मौजूद रहे।

नीट परीक्षा में श्रेष्ठ प्रदशर्न करने वाले नवरत्नों का सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। सरस्वती विद्या मन्दिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्ञान कुंज विवेकानंद नगर सुलतानपुर के कई भैया बहनों ने नीट परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदशर्न करते हुए अद्वितीय सफलता प्राप्त की है। आज विद्यालय के प्रधानाचायर् राकेश मणि त्रिपाठी द्वारा वन्दना सभा में उपस्थित विद्यालय के 9 नवरत्नों का मिष्ठान खिलाकर ,माल्यापर्ण कर सम्मान किया गया। नीट परीक्षा क्रैक करने वाले इन छात्रों ने वन्दना सभा में उपस्थित भैया बहनों के समक्ष नीट की तैयारी के संबंध में अपने अनमोल अनुभव भी साझा किए। पूणार्ंक 720 में से बहनें सौम्या सिंह ने 594 और आस्था सिंह ने 593 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। तो भैया अनुज साहू 636, अमन जायसवाल 613,आदशर् यादव 597, सूयांर्श पाण्डेय 593, उजिर्त मिश्र 579,द्रव्यांश मौयर् 573 तथा भैया सुब्रत ने 567 अंक प्राप्त कर नीट परीक्षा में सम्मानजनक प्रदशर्न किया। श्रेष्ठ रैंक हासिल करने वाले सभी भैया बहनों ने निन्यानबे परसेंटाइल से भी अधिक अंक प्राप्त किए।जो किसी भी विद्यालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि है। सभी छात्रों ने इस उपलब्धि का मुख्य श्रेय माता-पिता के सहयोग,प्रोत्साहन तथा विद्या मन्दिर के आचायोंर् की प्रेरणा एवं श्रेष्ठ मागर्दशर्न को दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लक्ष्य पाने के लिए अथक परिश्रम एवं सकारात्मक ष्टिकोण आवश्यक है।

तहसील में फरियादियों की सेहत की भी हुई फिक्र, शिकायतों के साथ स्वास्थ्य की भी हुई जांच

पूरनपुर।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर की ओर से सोमवार को तहसील परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया शिविर का उद्देश्य अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिए तहसील पहुंचने वाले फरियादियों, कर्मचारियों और आमजन को मौके पर ही स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना रहा शिविर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रक्तचाप, ब्लड शुगर सहित विभिन्न सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जांच की जांच के बाद लोगों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों से बचाव, साफ-सफाई बनाए रखने, संतुलित आहार लेने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए भी जागरूक किया स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजन को उनके नजदीक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, बीमारियों की समय रहते पहचान कर उपचार सुनिश्चित करना तथा लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है शिविर में बड़ी संख्या में फरियादियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया ।

सम्पादकीय

'इथेनॉल मिश्रित ईंधन: आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती'

भारत आज ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसे तीन बड़े लक्ष्यों को एक साथ प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पैट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की नीति इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर ऐसे अनेक वीडियो और दावे सामने आए हैं जिनमें कहा गया कि इथेनॉल मिश्रित पैट्रोल से वाहनों के इंजन खराब हो रहे हैं, माइलेज कम हो रहा है तथा इससे वाहन मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दूसरी ओर, सरकार, पैट्रोलियम मंत्रालय और ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ इन दावों को मिथक और भ्रामक जानकारी बताते हुए इथेनॉल मिश्रण को भारत के ऊर्जा भविष्य के लिए आवश्यक कदम मान रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भावनाओं और अफवाहों से ऊपर उठकर तथ्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर इस विषय को समझा जाए। भारत अपनी कुल पैट्रोलियम आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की जेब पर पड़ता है। हाल के वर्षों में वैश्विक संघर्षों और भू-राजनीतिक तनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा के लिए विदेशी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। ऐसे में जैव ईंधनों का उपयोग केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीतिक आवश्यकता भी बन गया है। इथेनॉल एक जैव ईंधन है जिसे मुख्यतरू गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। इसके उपयोग से जीवाश्म ईंधनों की खपत कम होती है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। यही कारण है कि अमरीका, ब्राजील, कनाडा, जर्मनी और अनेक अन्य देश वर्षों से विभिन्न अनुपातों में इथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग कर रहे हैं। फिर भी लोगों की चिंताएं पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। विशेष रूप से उन लोगों के मन में अधिक प्रश्न हैं जिन्होंने वर्ष 2023 से पहले अपने वाहन खरीदे थे। तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि अधिक इथेनॉल वाले ईंधन के साथ पुराने इंजनों के कुछ पुर्जों, जैसे फ्यूल पाइप, गैसकेट और पैट्रोल टंकी के कुछ हिस्सों की अनुकूलता एक महत्वपूर्ण विषय है। इथेनॉल में नमी सोखने की क्षमता अधिक होती है और यह कुछ प्रकार के पदार्थों पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकता है। हालांकि वाहन निर्माताओं और परीक्षण एजैंसियों का दावा है कि व्यापक वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद यह पाया गया है कि भारत में चल रही अधिकांश गाडियां ई-20 ईंधन के साथ सुरक्षित रूप से संचालित हो सकती हैं। विशेष रूप से वर्ष 2023 के बाद निर्मित और बेचे गए सभी वाहनों को ई-20 अनुकूल बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। माइलेज में कमी का प्रश्न भी चर्चा का प्रमुख विषय है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो इथेनॉल की ऊर्जा घनता पैट्रोल की तुलना में कम होती है। इसका अर्थ है कि समान मात्रा में इथेनॉल मिश्रित ईंधन से कुछ कम दूरी तय हो सकती है। विभिन्न अध्ययनों और उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार ई-20 ईंधन के उपयोग से ईंधन दक्षता में लगभग दो से चार प्रतिशत तक की कमी संभव है। इथेनॉल मिश्रण के आर्थिक लाभ भी महत्वपूर्ण हैं। भारत हर वर्ष अरबों डॉलर का कच्चा तेल आयात करता है। यदि देश में उत्पादित जैव ईंधनों का उपयोग बढ़ता है तो विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही गन्ना किसानों और कृषि क्षेत्र को एक नया बाजार प्राप्त होगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पर्यावरणीय दृष्टि से भी इथेनॉल मिश्रण एक सकारात्मक कदम माना जाता है। जीवाश्म ईंधनों के दहन से निकलने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में जैव ईंधन सहायक हो सकते हैं।

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके

विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है।

बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलोचिस्तान में बलोचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतैव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलोचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी, जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलोचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलोच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलोच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलोचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है। पाकिस्तान की आजादी के साथ बलोचिस्तान का मुद्दा जुड़ा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलोचिस्तान का है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलोच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। इनमें आपस में खूब भाईचारा है। भगवान शिव की पत्नी सती का हिंगलाज मंदिर इसी बलोच क्षेत्र में आता है। अनेक मुसलमान भी देवी सती की पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि ये धर्मांतरित है। यहां से कभी सांप्रदायिक दंगों की खबरें नहीं आती हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलोच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलोचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। पीओके और बलोचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं। पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह, जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब व लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण देता रहा है, वहीं बलोचिस्तान की भूमि से खनिज व तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए है। यहां सोना, तांबा, कोयला और प्राकृतिक गैसों के बड़े भंडार है, लेकिन इनसे कमाई का बड़ा हिस्सा पाक सरकार, सेना और चीनी कंपनियां हथिया लेती हैं। इस कारण लोगों का गुस्सा उबाल पर है। बलोचिस्तान की कलात रियासत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गई थी। लेकिन बलोचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया। लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है। नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी। इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकर्ताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है। 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे। फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है। पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलोचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलोचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने? **–प्रमोद भार्गव**

मध्यम वर्ग का मौन सियासत का स्वर्णकाल

विवेकानंद

फ्रांसीसी दार्शनिक जीन जैक्स रूसो का मानना था कि अमीर सत्ता को खरीद लेते हैं और गरीब की जरूरतें उसे सत्ता के हाथों बिकने के लिए मजबूर कर देती हैं। मौजूदा आंकड़ों में इसकी सच्चाई स्पष्ट दिख रही है। एडीआर यानि एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 तक केंद्र सरकार किसान सम्मान निधि के जरिए किसानों को 4.27 लाख करोड़ रुपए बांट चुकी है। मार्च में जारी 22वीं किस्त में 18,640 करोड़ रुपए से अधिक जारी किए गए। यह राशि 9.32 करोड़ से ज्यादा किसानों को मिली, इनमें करीब 2.15 करोड़ महिला किसान शामिल हैं। राज्यों में महिलाओं को अलग से पैसे दिए जाते हैं। इसकी शुरुआत मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना से शुरू हुई थी। इस योजना की राजनीतिक सफलता के बाद हर राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए खजाने खोल दिए। इस समय मध्यप्रदेश और महाराष्ट में 1500 रुपए, दिल्ली-झारखंड में 2,500 रुपए , पश्चिम बंगाल में 3,000 रुपए, कर्नाटक में 2,000 रुपए मिलते हैं। बिहार चुनाव से पहले मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 10,000 रुपए दिए गए। असम विधानसभा चुनाव पहले, ओरुनोदोई नामक योजना के तहत महिलाओं को 9,000 रुपए दिए गए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलता रहा। अब बचता है मिडिल क्लास। कंपनियां अपने खर्च और सरकार को देने वाले टैक्स की वसूली इसी से करती हैं। सरकार जो मुफ्त स्कीमें चलाती है, टैक्स के जरिए उसका पैसा भी इसी वर्ग से वसूल होता है। इसके पास न तो सत्ता को खरीदने की हैसियत है और न ये खुद को बेचने के लिए तैयार है। टैक्स के जरिए हो रही वसूलियों को चुकाने और परिवार की जरूरतों में उलझे इस वर्ग को कुछ पाने की उम्मीद भी है, खो जाने का भय भी है। उम्मीद और भय के युग्म ने सत्ता के सामने उन कंधों को झुका दिया जिन पर असल में भारतीय अर्थव्यवस्था का सारा बोझ है। सरकार और कंपनियां मिलकर इसे निचोड़ती हैं। आंकड़े इसके गवाह हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में 13 जुलाई 2026 तक सरकार को कॉरपोरेट टैक्स (कंपनियों के मुनाफ़े पर लगने वाला कर) से 2.40 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध राजस्व मिला है जबकि इसी अवधि में इनकम टैक्स से कुल 6.51 लाख करोड़ रुपए (6,51,189.81 करोड़ रुपए) का राजस्व प्राप्त हुआ। पर्सनल टैक्सपेयर, हिंदू अविभाजित परिवार और फर्म सहित गैर कॉरपोरेट टैक्सपेयर ने 3.84 लाख करोड़ रुपए भरा है। सरकार खुद मानती है कि देश की अर्थव्यवस्था का असली तारणहार यही वर्ग है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों कहा है कि अगले 10 साल में भारत के मिडिल क्लास और उच्च-मध्यम वर्ग का देश के कुल उपभोक्ता खर्च में 93% हिस्सा होगा, यानी अगले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था को सबसे ज्यादा ताकत इसी वर्ग की बढ़ती खरीदारी और खर्च से मिलेगी। गरीब और अमीर के बीच सरकार के लिए कोल्हू का बैल बना यह वर्ग जितना बेचैन है उतना ही आत्ममुग्ध, स्वाभिमानी और कहीं-कहीं अहंकारी भी है। सियासत इस वर्ग को समय-समय पर श्रेष्ठता बोध का नशा कराती रहती है। जरूरतें भले ही चैन से न जीने दें लेकिन श्रेष्ठता बोध दिखावा करने के लिए प्रेरित करता है। खुद को देश का पालनहार समझने की आत्ममुग्धता और श्रेष्ठताबोध के कारण यह 100 रुपए प्रति लीटर से अधिक महंगा एथनॉल मिला पेट्रोल खुशी खुशी खरीद रहा है। कई जगह यह साबित हो चुका है कि एथेनॉल से पुरानी गाड़ियां खराब हो रही हैं, लेकिन सरकार सीना ठोकर कह रही है, वह जो कर रही है, सही है। पेपर लीक और नौकरी की दर्जनों परीक्षाओं के लटकने से दर्जनों बच्चों की मौत हुई लेकिन अपने ही अधिकारों की मांग करने वालों से इस वर्ग ने सुनिश्चित दूरी बनाई हुई है। यह वर्ग कहीं गंदे पानी से मरता है, कहीं नकली दवाईयों से मरता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी के लिए भारी टैक्स भरता है और सारी सुविधाएं निजी क्षेत्र से लेता है। निजी क्षेत्र के हाथों में गई व्यवस्थाएं अतिरिक्त जेब भी काटती हैं। यानि जिसका टैक्स देता है उसको निजी हाथों से खरीदता है। अब तो हगने-मूतने का भी पैसा लगता है। इस सुविधा का भी निजीकरण हो चुका है। महंगाई, महंगी शिक्षा और इलाज के भारी खर्च, लगातार बढ़ते टैक्स और घटती बचत ने आमदनी और खर्च का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसके बावजूद श्रेष्ठताबोध का दिखावा इस वर्ग को तेजी से कर्ज के दलदल में खींच रहा है।

सेहत मंत्र

गैस से लेकर कब्ज तक हर समस्या का हल है अदरक

हम सभी को अक्सर पेट से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी पेट में गैस बन जाती है तो कभी पेट अच्छी तरह साफ नहीं होता है। कब्ज की वजह से पूरा दिन काफी असहज महसूस होता है। अमूमन यह देखने में आता है कि हर बार अपनी समस्या का हल हम दवाओं में ही खोजते हैं, जबकि हमारी किचन में ऐसी कई चीजें होती हैं जो सेहत का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकती हैं। मसलन, पेट की समस्याओं को दूर करने के लिए अदरक कमाल दिखा सकती है। अदरक सिर्फ चाय या काढ़े के लिए नहीं होता, इसे तो सदियों से आयुर्वेद और नानी-दादी के नुस्खों में पेट को ठीक रखने के लिए यूज़ किया जा रहा है। फिर चाहे आपका खाना जल्दी पचाना हो या पेट में फंसी गैस बाहर निकालनी हो या फिर ब्लोटिंग से राहत चाहिए, अदरक आपके काफी काम आ सकती है। अदरक की वजह से आपको पेट की गैस से आराम मिलता है। दरअसल, अदरक आंतों की मसल्स को रिलैक्स करता है, जिससे फंसी हुई गैस को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे ना केवल गैस की वजह से होने वाले दर्द में राहत मिलती है, बल्कि अदरक गैस बनने से पहले ही उसे रोकता है। अगर आपका पेट अक्सर सही तरह से साफ नहीं होता या फिर आपको बार-बार कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में अदरक का सेवन करना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। दरअसल, अदरक आंतों की मूवमेंट को बढ़ाता है जिससे पेट जल्दी साफ होता है। साथ ही, ये मल को भी थोड़ा सॉफ्ट बनाता है, जिससे उसे पास करना आसान हो जाता है। डाइजेशन को बेहतर बनाने के लिए अदरक को कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। ताज़ा अदरक को 5-10 मिनट पानी में उबालें और खाना खाने के बाद धीरे-धीरे पिएं। आप चाहें तो खाने से पहले अदरक व सेंधा नमक का एक छोटा सा टुकड़ा चबाएं। आप रातभर अदरक के टुकड़े पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट पिएं और फिर अगली सुबह उसे खाली पेट पीएं। दाल, सब्ज़ी या काढ़े में थोड़ा-सा अदरक पाउडर डालें।

धर्म मंत्र

सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन में आती है पॉजिटिविटी

सुंदरकांड रामायण का एक अहम और लोकप्रिय भाग है। माना जाता है कि सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन में सकारात्मकता आती है और हनुमान जी की कृपा बरसती है। ज्योतिष और पौराणिक मान्यता के मुताबिक हनुमान जी से शनिदेव भी डरते हैं। शनिदेव की दशा के प्रभाव को कम करने के लिए हनुमान जी की पूजा करने की सलाह दी जाती है। वहीं अगर आप शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करते हैं, तो हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है और वह प्रसन्न होते हैं। साथ ही शनिदेव भी आपका बुरा नहीं कर पाएंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुंदरकांड पाठ के महत्व, इसको करने की सही विधि और मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं। हिंदू धर्म में मान्यता है कि सुंदरकांड का पाठ करने से भक्तों की मनोकामना जल्दी पूरी हो जाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखी गई रामचरितमानस के सात अध्यायों में से 5वां अध्याय सुंदरकांड है। हालांकि रामचरित मानस के सभी अध्याय भगवान की भक्ति के लिए हैं, लेकिन सुंदरकांड का महत्व अधिक है। पूर्ण रामचरितमानस में भगवान के गुणों को दर्शाया गया है। तो वहीं रामचरितमानस के सुंदरकांड की कथा सबसे अलग और निराली है। इसमें भगवान श्रीराम के गुणों की नहीं बल्कि उनके भक्त हनुमान जी के भक्त और उनकी विजय के बारे में बताया गया है। सुंदरकांड का पाठ करने वाले भक्तों को हनुमान जी बल देते हैं और आसपास निगेटिव एनर्जी भी नहीं भटक सकती है।

पर्यटन

सोनमर्ग: जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है सोने की घाटी) एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है। सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है। यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है। यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है। सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर झील ट्रेक आदि। सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है। सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट- यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है। मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है। सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है।

542 करोड़ की 82 विकास परियोजनाओं की सौगात

महादेवा से सीएम योगी ने विकास और विरासत का दिया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी जनपद में ?542 करोड़ से अधिक लागत की 82 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। लोधेश्वर महादेव धाम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सनातन विरासत के संरक्षण, धार्मिक स्थलों के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि भारत की पहचान उसकी विरासत और सनातन संस्कृति से है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ''विरासत ही सनातन धर्म की पहचान है। इसी विरासत और सनातन मूल्यों की रक्षा के लिए अलग-अलग कालखंडों में अनेक महापुरुषों ने अपना योगदान दिया।'' उन्होंने राजा बलभद्र सिंह, लाखन पासी, महाराजा बिजली पासी, महाराजा सुहेलदेव, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज तथा गुरु गोबिंद सिंह महाराज का स्मरण करते हुए उनके राष्ट्र और संस्कृति के प्रति योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बाराबंकी के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों कुंतीश्वर महादेव और पारिजात के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने समर्थ स्वामी जगजीवन साहब, संत कवि बैजनाथ तथा कवि मृगेश का भी स्मरण करते हुए उनके सामाजिक एवं सांस्कृतिक योगदान को नमन किया।

लोधेश्वर महादेव में किया अभिषेक, कॉरिडोर का लिया जायजा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोधेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का विधिवत दर्शन-पूजन और जलाभिषेक किया। उन्होंने बाबा भोलेनाथ की आरती उतारकर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मंदिर परिसर में डमरू वादन के साथ उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन किया तथा निर्माणाधीन लोधेश्वर कॉरिडोर का निरीक्षण कर अधिकारियों को कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

''बच्चों का अन्नप्राशन, दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल''

मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन कराया, उन्हें खिलौने और चॉकलेट वितरित कर स्नेह व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा बच्चों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों की जानकारी भी ली। इस दौरान दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की गई तथा बाराबंकी के विकास पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

लाभार्थियों को वितरित किए करोड़ों रुपये के स्वीकृति पत्र और चेक

मुख्यमंत्री ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, स्वीकृति पत्र एवं टूलकिट वितरित किए। इनमें कृषि यंत्र, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, ओडीओपी, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लाभार्थी शामिल रहे।

''सतनामी गद्दी के महंत का विरोध भी चर्चा में''

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पूर्व सतनामी गद्दी मधनापुर धाम के महंत अखिलेश दास ने तीर्थ श्री कोटवा धाम व पारिजात के विकास में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन आंदोलन की घोषणा की थी। प्रशासन ने उन्हें एहतियातन हाउस अरेस्ट कर दिया, जिसके चलते उनका प्रस्तावित प्रदर्शन नहीं हो सका।

मुख्यमंत्री के दौरे के साथ बाराबंकी को विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन, आधारभूत संरचना और जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीएम दौरे की तैयारियों में दर्दनाक हादसा: एसी लगाते समय सीढ़ी से गिरकर युवक की मौत, मंदिर व्यवस्था पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 20 जुलाई के लोधेश्वर महादेवा आगमन की तैयारियों के बीच रविवार को मंदिर परिसर में सायं हुए एक हादसे में 22 वर्षीय प्राइवेट एसी मैकेनिक समीर पुत्र स्वर्गीय भग्गू, निवासी महादेवा पट्टी की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद जहां पूरे गांव में शोक का माहौल है, वहीं मंदिर की व्यवस्थाओं और सुरक्षा मानकों को लेकर भी कई सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के आगमन से पहले मंदिर परिसर में एसी लगाने एवं मरम्मत का कार्य कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्रद्धालुओं और धर्मभीरु भक्तों द्वारा समय-समय पर मंदिर में कई एसी दानस्वरूप लगाए गए हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि पहले से लगे एसी कहां हैं और नई व्यवस्था की आवश्यकता क्यों पड़ी। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि इस संबंध में मंदिर प्रशासन या रिसीवर की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बताया जाता है कि महादेवा पट्टी निवासी समीर को मंदिर परिसर में एसी लगाने के लिए बुलाया गया था। रविवार शाम करीब चार बजे वह सीढ़ी पर चढ़कर कार्य कर रहा था। उसके साथी रेहान के अनुसार, काम के दौरान अचानक सीढ़ी फिसल गई और समीर सीधे फर्श पर गिर पड़ा। गिरने से उसके पैर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान हो गया।

घटना के बाद साथी उसे पहले महादेवा चौराहे के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भेज दिया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर किया। हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हुई।

सोमवार दोपहर जब समीर का पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो पूरे क्षेत्र में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। समीर परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था, जिससे उसके निधन के बाद परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में आ गया है।

तहसीलदार रामनगर विपुल सिंह ने बताया कि प्रशासन पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा तथा शासन की पात्र योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना के बाद प्रमुख सवाल

मुख्यमंत्री के दौरे से पहले मंदिर में एसी लगाने की जरूरत क्यों पड़ी? श्रद्धालुओं द्वारा पूर्व में दान किए गए एसी वर्तमान में कहां हैं? क्या कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था? निजी कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण और व्यवस्थाएं उपलब्ध थीं या नहीं?

इन सवालों के जवाब अब मंदिर प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से अपेक्षित हैं।

तय कीमत से महंगी यूरिया बेचने का आरोप, किसानों ने डीएम से की शिकायत

जैदपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। हरख विकासखंड के गोठिया गांव के किसानों ने कुछ खाद विक्रेताओं पर निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर यूरिया बेचने और जबरन जिंक खरीदने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। किसानों का कहना है कि 266.50 रुपये की सरकारी दर वाली यूरिया 450 से 500 रुपये प्रति बोरी तक बेची जा रही है। विरोध करने पर अभद्रता किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। किसानों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर दोषी विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

डाकघर में उपभोक्ता से बदसलूकी

सुलतानपुर। आम जनता की मेहनत की कमाई जमा कराने वाले डाकघर में एक उपभोक्ता के साथ कथित अभद्रता का मामला सामने आया है। समय से पूवर् अपनी आरडी खातों का भुगतान लेने पहुंचे उपभोक्ता को न केवल कथित तौर पर फटकार लगाई गई, बल्कि यह कहकर काउंटर से भगा दिया गया कि मेरे पास समय नहीं है। घटना का वीडियो भी सोमवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग की कायर्शैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक, पखलौली गांव निवासी सुरेश कुमार के सुलतानपुर डाकघर में 10 आरडी खाते संचालित हैं। निजी आवश्यकता के चलते सोमवार को वह समय से पूवर् भुगतान के लिए निधार्रित फमर् भरकर काउंटर सहायक पवन कुमार के पास पहुंचे। आरोप है कि भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का अनुरोध करते ही कमर्चारी का व्यवहार बदल गया और उन्होंने उपभोक्ता के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उन्हें डांटकर वहां से भगा दिया। घटना से आहत सुरेश कुमार ने डाक अधीक्षक, सुलतानपुर को लिखित शिकायत सौंपते हुए पूरे मामले की जांच कर दोषी कमर्चारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने आरडी खातों का शीघ्र भुगतान कराने की भी गुहार लगाई है।

वाराणसी : विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने किया वार्ड कमलगड़हा में प्रवास, सुनीं समस्याएं

वाराणसी, । उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं वाराणसी शहर दक्षिणी के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने अपने 76 दिवसीय ''वार्ड प्रवास'' अभियान के दूसरे दिन सोमवार को कमलगढ़हा वार्ड में प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र का व्यापक भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया, जनचौपाल लगाकर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान स्थानीय लोगों ने जर्जर हो चुके बिजली के पोल की समस्या विधायक के समक्ष रखी। इस पर डॉ. तिवारी ने तत्काल उपस्थित बिजली विभाग के अधिकारियों को पोल को शीघ्र बदलने और समस्या के स्थायी समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा कई स्थानों पर ऊंचे-नीचे हो चुके सीवर चैंबरों की शिकायत मिलने पर नगर निगम के अधिकारियों को उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। वार्ड प्रवास के दौरान विधायक ने क्षेत्र के कई परिवारों के घर पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना और नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्होंने लोगों की समस्याओं, सुझावों और आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना तथा उनके त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए डॉ. नीलकंठ तिवारी ने क्षेत्र में पांच पौधों का पौधारोपण भी किया। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान करते हुए पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष तारकेश्वर नाथ 'बंटी', बृजेश जायसवाल, राहुल मिश्रा सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बालिका से दुष्कर्म के प्रयास में दोषी को पांच वर्ष की कैद व जुर्माना

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा कस्बे के एक मुहाल में टाफी लेने दुकान गई ग्यारह वर्षीय बालिका के साथ दुकानदार ने दुष्कर्म का प्रयास किया था। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) अनिल कुमार खरवार की अदालत ने सोमवार को आरोपित को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष का कठोर कारावास व छह हजार अर्थदंड की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मौदहा कोतवाली में पीड़िता की मां ने तहरीर देकर बताया कि 10 अगस्त 2018 को दोपहर 2.30 बजे वह बाजार गई थी। उसकी पुत्री घर में थी जो पास की दुकान आबाद अहमद उर्फ बाबूजी पुत्र जल्ली की दुकान में टाफी लेने गई। जिसके बाद बाबूजी उसको साले के घर में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। रात में पुत्री को दर्द होने पर उसने पूरी बात बताई। जिसके बाद कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

बूथ स्तर पर प्रशिक्षित और सक्रिय संगठन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत : राम किशोर साहू

कानपुर । भारतीय जनता पार्टी का संगठन बूथ आधारित है और आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को देखते हुए प्रत्येक बूथ समिति का प्रशिक्षित एवं सक्रिय होना आवश्यक है। यह बातें सोमवार को भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू ने कहीं।

दो दिवसीय प्रवास पर कानपुर पहुंचे भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष राम किशोर साहू ने क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों और विभिन्न अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्रीय मॉनिटरिंग टोली के साथ बूथ स्तरीय प्रशिक्षण अभियान (डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण) की प्रगति पर चर्चा करते हुए कहा कि संगठन को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और संगठन के कार्यक्रमों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में बूथ समितियों की अहम भूमिका है। इसी उद्देश्य से पूरे प्रदेश में बूथ स्तरीय प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यमों सहित संगठनात्मक विषयों पर प्रशिक्षित किया जा रहा है। राम किशोर साहू ने बताया कि 22 जुलाई को कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की सभी 52 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के माध्यम से बूथ समितियों को सशक्त बनाने के साथ संगठन के आगामी कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सभी 17 जिलों में जिला प्रभारियों और जिला प्रवासियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो जिला अध्यक्षों के साथ समन्वय कर अभियानों की सतत निगरानी करेंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक अभियान की सफलता कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

बीओबी ने मनाया 119वां स्थापना दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। स्थानीय कस्बे में संचालित बीओबी शाखा ने अपना 119वां स्थापना दिवस शाखा के ग्राहकों के बीच मनाया। सोमवार को शाखा प्रबंधक नरसिंह प्रसाद की अध्यक्षता में बैंक स्थापना दिवस मनाया गया।बैंक स्थापना दिवस पर गायकवाड़ के चित्र पर माल्यापर्ण कर केक काटा गया। शाखा प्रबंधक ने कहा कि बीओबी की स्थापना 20 जुलाई 1908को महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ द्वारा बड़ोदरा से शुरू की गयी थी। तब से बैंक ग्राहकों की सेवा में निरन्तर आगे बढ़ रही है। ग्राहकों की बेहतर सुविधा के लिए गांवों तक ग्राहक सेवा केन्द्र संचालित किया जा रहा है। जहां बीस हजार तक जमा निकासी की सुविधा मिल रही है।बैंक से केसीसी व अन्य लोन की सुविधाएं उपलब्ध हैं।इस समय बैंक के अन्तगर्त लगभग चालीस हजार ग्राहकों को सेवा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बैंक 119 वषर् से अनावरत बैंक ग्राहकों को सेवा दे रही थी। कुड़वार बैंक की बिजनेस लगभग 140करोड़ है। यह भारत की दूसरी बड़ी बैंक है। यह बैंक विदेशों में भी अपनी सेवाएं दे रही है। ग्राहकों ने भी अपने सुझाव साझा किया। उक्त अवसर पर मनीष, ज्योति गुप्ता, संतोष कुमार, समीम, सुरेश सहित काफी संख्या में ग्राहक मौजूद रहे।

करेंट की चपेट में आने से गाय की मौत

कुड़वार/सुल्तानपुर। सोमवार दोपहर को स्थानीय थाना क्षेत्र के बसंतपुर तिवारी पुर में श्रवण कुमार तिवारी की गाय चरने के लिए खेतों की तरफ गयी थी। जहां पोल में लगे स्टेराड में उतरे करेंट की चपेट में आ गयी। जिससे गाय की मौके पर मौत हो गयी।पशु पालक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमाटर्म के लिए पशु चिकित्सक को सूचना देकर मृतक गाय का पोस्टमाटर्म कराया।

सुलतानपुर में उजिर्त मिश्र का नीट में चयन, हर्ष

सुलतानपुर। नगर क्षेत्र के वैष्णव नगर गभड़िया निवासी अशोक कुमार मिश्र व नीलम मिश्रा के पुत्र उजिर्त मिश्र ने नीट 2026 में आल इन्डिया रैंक 18611, स्टेट रैंक 7097 प्राप्त कर चयन परीक्षा में सफलता पाकर जिले को गौरवान्वित किया है। अखिल भारतीय विद्या भारती से संबद्ध ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर प्रयागराज में संस्त विषय के आचायर् पद पर कायर्रत उजिर्त मिश्रा के पिता अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि उजिर्त ने इंटर तक की पढ़ाई सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय विवेकानंद नगर से की। इसके बाद प्रयागराज से बी-एससी की पढ़ाई के साथ-साथ ही नीट की तैयारी कर रहे थे। पहले ही बार में उजिर्त ने अच्छी तैयारी के साथ परीक्षा दी और आल इन्डिया रैंक 18611, स्टेट रैंक 7097 पर स्थान बना कर चयनित हो गया। इस उपलब्धि पर जिले वासियों ने हषर् व्यक्त करते हुए बधाई दी है। उजिर्त ने इस सफलता के लिए अपने माता पिता के बेहतर संरक्षण और शिक्षकों के अच्छे मागर्दशर्न को श्रेय दिया है।

हाथरस : सादाबाद कस्बे में 20 से अधिक हैंडपंप खराब पड़े, पानी के लिए तरस रहे ग्रामीण

हाथरस । उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के सादाबाद कस्बे में इन दिनों 20 से अधिक हैंडपंप खराब पड़े हैं। इसकी वजह से लोगों के लिए पानी का संकट खड़ा हो गया है। नगर पंचायत सदस्य राजकुमार चौधरी ने जानकारी दी कि, वार्ड संख्या-9 में लगभग 10 सार्वजनिक नल खराब हैं। उन्होंने दावा किया कि पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में करीब 20 सार्वजनिक नल खराब पड़े हैं। स्थानीय निवासियों को पीने के पानी के लिए दूसरे मोहल्लों या दूर के स्थानों पर जाना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर पंचायत ने समय पर समाधान नहीं किया।

इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष हेमलता अग्रवाल ने सोमवार को बताया कि खराब पड़े कई हैंडपंपों को रिबोर के लिए चिन्हित किया गया है। अन्य खराब नलों और हैंडपंपों की मरम्मत के लिए एक टीम को काम पर लगाया गया है। शीघ्र ही लोगों को पीने के लिए शीतल जल मिलेगा।

भाजपा नेत्री ने महिला सिपाही पर अपशब्दों के प्रयोग के साथ पिटाई का आरोप लगाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भाजपा नेताओं ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की है

तिलोई अमेठी,भारतीय जनता पार्टी मण्डल तिलोई की मंत्री एवं भाजपा नेत्री ने थाना मोहनगंज में तैनात एक महिला सिपाही पर पिटाई के साथ अपशब्दों के प्रयोग का आरोप लगाया है।इस मामले की जानकारी मिलते ही भाजपाई आक्रोशित हो गये और सोमवार को भाजपा नेताओं ने पूरे घटनाक्रम से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराते हुये शिकायती पत्र सौंपकर कार्यवाही करने की मांग की है। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव विराज निवासिनी श्यामा देवी जो कि भाजपा मण्डल तिलोई की मंत्री है जिसका गांव में जमीनी विवाद चल रहा था।स्थानीय पुलिस द्वारा दोनों पक्षों को थाने पर तलब किया गया और दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनकर उसका निस्तारण करने का रास्ता निकाला जा रहा था इसी बीच एक महिला सिपाही दोनों पक्षों से बातचीत के दौरान क्रोधित हो गई और भाजपा नेत्री श्यामा देवी को अपशब्दों का प्रयोग करते हुये उसके गाल पर तीन तमाचा जड़ दिये जिससे उसकी आंख से आंसू छलक पड़े और रोते बिलखते हुये वह अपने घर के लिये निकल पड़ी। भाजपा नेत्री ने उपमान का घूंट पीने के बजाय स्थानीय भाजपा नेताओं को आपबीती सुनाई और कहा कि अपनी सरकार में थाने में पीट दी गई। यह सुनकर भाजपा के मण्डल अध्यक्ष पंकज अवस्थी समेत अन्य कार्यकर्ता आक्रोशित हो गये और पूरे प्रकरण से स्थानीय पुलिस प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन एक सप्ताह का लम्बा समय बीत जाने के बावजूद उस समस्या का निस्तारण नही किया गया तो सोमवार को भाजपा नेत्री श्यामा देवी, मण्डल अध्यक्ष पंकज अवस्थी समेत अन्य कई पदाधिकारियों के साथ पुलिस अधीक्षक की चौखट पर फरियाद लेकर पहुंच गई। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने भाजपा नेत्री की बात को गम्भीरता से सुना गया और मामले के जांचोपरांत विभागीय कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

गुमशुदगी से हत्या तक 12 दिन बाद खुला अमित हत्याकांड, चार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

7 जुलाई को दर्ज हुई थी गुमशुदगी, 9 जुलाई को शारदा नहर में मिली थी अमित की लाश

बल्दीराय/सुलतानपुर। धनपतगंज थाना क्षेत्र से जुड़े चर्चित अमित कुमार हत्याकांड में पुलिस ने आखिरकार हत्या का मुकदमा दजर् कर लिया है। गुमशुदगी के करीब 12 दिन बाद मृतक के पिता की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध हत्या, साक्ष्य मिटाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा पंजीत किया गया है। मामले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

जानकारी के अनुसार, अयोध्या जनपद के थाना कुमारगंज क्षेत्र के ग्राम रामपुरे (जालिम का पुरवा) धमधुआ पोस्ट मिल्कीपुर निवासी काशीराम ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उनके 25 वषीर्य पुत्र अमित कुमार की आरोपियों ने हत्या कर शव नहर में फेंक दिया। इतना ही नहीं, विरोध करने पर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी गई। बताया जाता है कि अमित कुमार की गुमशुदगी 7 जुलाई 2026 को दजर् कराई गई थी। इसके दो दिन बाद 9 जुलाई को कूरेभार क्षेत्र स्थित शारदा नहर के फाटक में उसकी लाश फंसी हुई मिली थी। शव मिलने के बाद से परिजन हत्या की आशंका जता रहे थे। वादी की तहरीर के आधार पर धनपतगंज पुलिस ने मु.अ.सं. 0133/2026 के तहत धारा 103(1) एवं 351(3) बीएनएस में मुकदमा दजर् किया है। मामले में संगीता पुत्री मिहीलाल, लक्ष्मी पुत्री मिहीलाल निवासी ग्राम एकलखी थाना धनपतगंज, रामचरन तथा शशिकान्त पुत्र खूंटी निवासी ग्राम सेवरा को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने मुकदमे की विवेचना थाना धनपतगंज की प्रभारी निरीक्षक अंजू मिश्रा को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से गहन जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रोहित और कोहली को लेकर स्पष्टता चाहते हैं युवराज जायसवाल को कम मौके मिलने से चिंतित

एजेंसी

नयी दिल्ली। सभी की नजरें अनुभवी पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर टिकी हैं लेकिन भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह का कहना है कि उन्हें इस समय यशस्वी जायसवाल की अधिक चिंता है क्योंकि इस युवा सलामी बल्लेबाज को पिछले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में दो शतक लगाने के बावजूद खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। युवराज ने 'जियोस्टार' पर बात करते हुए टीम प्रबंधन और रोहित-कोहली के बीच उनके भविष्य को लेकर स्पष्ट बातचीत की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय 'थिंक टैंक' (फैसले करने वाले महत्वपूर्ण लोग) से अपील की कि अगर इन दोनों को अगले साल दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले विश्व कप में खिलाने की योजना है तो उनका पूरी तरह समर्थन करना चाहिए। युवराज ने कहा, ''विराट और रोहित से अधिक मुझे इस बात की चिंता है कि यशस्वी जायसवाल को खेलने का मौका नहीं मिल रहा है। अगर विश्व कप आता है और उन्हें खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिला होगा तो अचानक उन पर दबाव आ जाएगा। रोहित ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में 110 गेंद पर 138 रन शानदार पारी खेलकर संन्यास की अटकलों पर रोक लगा दी जबकि कोहली भी अच्छी फॉर्म में दिखे और तीन मैच की श्रृंखला में लगातार अर्धशतक लगाए। भारत हालांकि रविवार को श्रृंखला 1-2 से हार गया। भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य युवराज ने कहा, ''आपको कोच, कप्तान और चयनकर्तओं से स्पष्टता की जरूरत है, चाहे वे कोई भी हो।'' उन्होंने कहा, ''मैं भी उसी स्थिति में रहा हूं जिसमें रोहित और विराट हैं इसलिए यह तय करना हमारे लिए सही नहीं है कि उन्हें खेलना चाहिए या नहीं। यह टीम प्रबंधन, कोच और चयनकर्ताओं को तय करना है। इस पूर्व स्टार ऑलराउंडर ने कहा, ''अगर आप चाहते हैं कि वे विश्व कप खेलें तो आपको उनके कंधे पर हाथ रखकर कहना होगा, 'दोस्तों, हम चाहते हैं कि आप विश्व कप खेलें। हम आपका पूरा समर्थन कर रहे हैं। मैदान पर जाओ और जैसे हो वैसे ही खेलो। इस बात का कोई तनाव नहीं है कि अगर कल आपकी श्रृंखला अच्छी नहीं रही तो आप टीम में नहीं रहेंगे'। अगले साल चार अक्टूबर से 21 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप तक रोहित 40 साल से अधिक के हो जाएंगे जबकि कोहली 39 साल के होंगे। कोहली के भविष्य को लेकर अधिक अटकलें नहीं हैं लेकिन तीसरे एकदिवसीय से पहले ऐसी खबरें आई थीं कि यह इस प्रारूप में रोहित का आखिरी मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया। युवराज ने कहा कि प्रबंधन को अपने सीनियर खिलाड़ियों को एक साफ खाका देना चाहिए, चाहे वे टीम की योजनाओं का हिस्सा हों या नहीं।

गेंदबाजों के हर दो-तीन मैच के बाद चोटिल हो जाने से चिंतित हैं शुभमन गिल

एजेंसी

लंदन। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 'हर दूसरे या तीसरे मैच' के बाद गेंदबाजों के चोटिल होने की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए सवाल उठाया है कि क्या वे अगले साल होने वाले विश्व कप जैसे लंबी अवधि के टूर्नामेंट को देखते हुए अपनी फिटनेस को गंभीरता से ले रहे हैं। तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम इंग्लैंड से 1-2 से हार गई। रविवार को खेले गए निर्णायक तीसरे मैच में भारत को इंग्लैंड ने 27 रन से हराया। सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और नितीश रेड्डी चोट के कारण बाहर हो गए थे। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी टी20 सीरीज के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होना पड़ा। इससे वह वनडे सीरीज में भी नहीं खेल पाए। वाशिंगटन सुंदर दूसरे वनडे में चोटिल हो गए जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दूसरे मैच में चोट लग गई और वह सीरीज के निर्णायक मैच में नहीं खेल पाए। गिल से जब पूछा गया कि क्या टीम खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर चिंतित है तो उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से। अगर आप टीम पर गौर करें तो हमने जो पहली टीम घोषित की थी, उसमें से कम से कम पांच खिलाड़ी इस मैच में नहीं खेले। उन्होंने तीसरे मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाता है तो आपको अलग संयोजन आजमाना पड़ता है। अगर दो खिलाड़ी बाहर होते हैं तो फिर आपको फिर से अपना संयोजन तैयार करना पड़ता है। अगर हर मैच के बाद ऐसा होता रहा और कोई खिलाड़ी बाहर हो जाता है तो उससे टीम के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है। गिल की चिंता यह है कि अगर खिलाड़ी इसी तरह से कुछ मैच के बाद चोटिल होते रहे तो अगले साल अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा, ''अगर हम विश्व कप को ध्यान में रखें तो हमें लगातार 11 मैच (फाइनल सहित) खेलने होंगे। यहां खिलाड़ी 2-3 मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहे हैं। इसलिए कहीं न कहीं यह बात समझ से परे है कि हमारे खिलाड़ी लगातार मैच क्यों नहीं खेल पा रहे हैं। भारतीय कप्तान ने हालांकि किसी खिलाड़ी का नाम नहीं लिया लेकिन वह इस बात से नाराज थे कि उनमें से कुछ खिलाड़ी मैच की सुबह खेलने के लिए अयोग्य पाए गए। उन्होंने कहा, ''वे एक या दो मैच खेलते हैं। अगर कोई छोटी-मोटी चोट या कुछ और हो जाता है तो हमें मजबूरन अलग संयोजन के साथ खेलना पड़ता है। इसलिए इन सब बातों को देखते हुए यह थोड़ा मुश्किल है कि सुबह लेकर अगर आपको पता चले कि इस खिलाड़ी को मामूली चोट है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप जोखिम लेना चाहते हैं।

सभी भारतीय महिला मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम: मुख्य कोच नीवा

नयी दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने कहा कि उनकी प्रत्येक खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम है और उम्मीद जताई कि टीम पिछली बार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पिछले एक साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है तथा विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। नीवा ने कहा, ''हमारे पास एक मजबूत टीम है और हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ उच्च मानक निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा, ''अगर हम इस साल ही नहीं पिछले साल के नतीजे को भी देखें तो हमारी प्रत्येक महिला मुक्केबाज ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक या रजत पदक जरूर जीता है। यही हमारा लक्ष्य है। हम जानते हैं कि उनमें से प्रत्येक स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम है। भारतीय महिला टीम ने बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते थे। निकहत ज़रीन और नीतू घंघास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जैस्मीन लैंबोरिया ने कांस्य पदक हासिल किया। अगले राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से ग्लासगो में शुरू होंगे। मुक्केबाजी के मुकाबले इसके एक दिन बाद 24 जुलाई से शुरू होंगे। नीवा का मानना है कि इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाजों से मिल रही कड़ी चुनौती के बावजूद मौजूदा टीम पिछले प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि चुनौती आसान नहीं होगी। विशेष कर इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया से कड़ी चुनौती मिलेगी। लेकिन मुझे लगता है कि हम पिछली बार जैसा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं या उससे भी बेहतर कर सकते हैं।

अर्जेंटीना और स्पेन दोनों के प्रशंसकों ने फाइनल में की जमकर मौजमस्ती

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड। टॉम क्रूज़ ने विश्व कप में भाषण देते हुए कहा कि फुटबॉल विश्व को एकता के सूत्र में बांधता है लेकिन उनका यह भाषण शायद ही कोई सुन पाया क्योंकि हजारों मील की यात्रा करके आए तथा टिकटों, बीयर, विग आदि पर हजारों डॉलर खर्च करने वाले अर्जेंटीना और स्पेन के प्रशंसकों के गायन, सीटियों, ढोल की तेज आवाज और तालियों के बीच अभिनेता की आवाज सुनना लगभग असंभव था। लियोनेल मेस्सी को विदाई देने के लिए कोई भी कीमत बहुत अधिक नहीं थी, क्योंकि वह संभवतः अपना आखिरी विश्व कप मैच खेल रहे थे। अर्जेंटीना के प्रशंसक मैनुअल लोपेज़ मैकोटा ने कहा, ''पैसा तो आता जाता रहता है। यह जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है। आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को उसके आखिरी विश्व कप मैच में खेलते हुए देख रहे हैं। इसके सामने पैसा कुछ भी नहीं है।'' मैकोटा और उनका एक दोस्त ब्यूनस आयर्स से न्यूजर्सी आए थे। उन्हें हालांकि आखिर में निराशा हाथ लगी क्योंकि फ़ेरान टोरेस के अतिरिक्त समय में किए गोल की मदद से स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हरा दिया। मैकोटा ने कहा कि उन्होंने टिकट के लिए लगभग 10,000 डॉलर खर्च किए। जिस 18 डॉलर की बीयर को खरीदने के लिए वह लाइन में खड़े थे, वह अचानक टिकट की कीमत के सामने मामूली रकम लगने लगी। उनके दोस्त सैंटियागो बुरकाको को टिकट के लिए 5,000 डॉलर ही खर्च करने पड़े। उन्होंने कहा, ''मैंने विश्व कप फाइनल से पहले ही टिकट खरीद लिया था। अर्जेंटीना की एक और प्रशंसक गुआडालूप विलार ने कहा कि वह और उनके पति लगभग संयोग से फाइनल देखने पहुंचे थे। ब्यूनस आयर्स में रहने वाला यह दंपत्ति अपनी लगभग दो साल की बेटी को भी साथ लाए थे। उन्होंने एक प्रतियोगिता जीतकर अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच सेमीफाइनल मैच की टिकट जीती थी। अपने देश की जीत के बाद, उन्होंने घर न जाने का फैसला किया और फाइनल के टिकट खरीदने के लिए 7,000 डॉलर प्रति व्यक्ति (उनकी बेटी के लिए टिकट मुफ्त था) खर्च किए। विलार ने कहा, ''हम दोनों नौकरी करते हैं और हमारे पास कुछ बचत भी है तो हमने सोचा, यह छुट्टी थोड़ी और लंबी हो जाए। यह एक शानदार मैच था। हारना दुखद था, लेकिन यह एक अविस्मरणीय अनुभव था। विश्व कप के प्रशंसकों को 'जॉइन द सेलिब्रेशन' नामक एक बैनर दिया गया था, जिसमें प्रशंसकों को खेल में सर्वोत्तम तरीके से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। दोनों देशों के प्रशंसक स्टेडियम में प्रवेश करने के लिए लंबी कतारें पार करने के बाद से ही जोश से भरे हुए थे और वे अपनी-अपनी भाषाओं में गीत गाते और नारे लगाते रहे।

भारत में 15 जुलाई तक डोपिंग के 78 मामले दर्ज, उत्तर प्रदेश और पंजाब सबसे आगे: खेल मंत्री

नयी दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में खुलासा किया कि भारत में इस साल 15 जुलाई तक डोपिंग के 78 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से उत्तर प्रदेश और पंजाब में सबसे अधिक 13-13 मामले दर्ज किए गए। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने पिछले तीन वर्षों में प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए गए खिलाड़ियों की संख्या के बारे में सवाल पूछा था जिसके लिखित जवाब में मांडविया ने बताया कि 2026 में डोपिंग के 78 मामले दर्ज दर्ज किए गए हैं। मंत्री ने कहा, ''राष्ट्रीय डोपिंगरोधी नियम 2021 के तहत इन खिलाड़ियों पर खेल गतिविधियों से प्रतिबंध लगा दिया गया है। डोपिंग के सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश और पंजाब में पाए गए। इनके बाद मध्य प्रदेश का नंबर आता है जहां 11 ऐसे मामले पाए गए।

सभी भारतीय महिला मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम: मुख्य कोच नीवा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने कहा कि उनकी प्रत्येक खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम है और उम्मीद जताई कि टीम पिछली बार की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने पिछले एक साल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है तथा विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। नीवा ने कहा, ''हमारे पास एक मजबूत टीम है और हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ उच्च मानक निर्धारित किए हैं। उन्होंने कहा, ''अगर हम इस साल ही नहीं पिछले साल के नतीजे को भी देखें तो हमारी प्रत्येक महिला मुक्केबाज ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक या रजत पदक जरूर जीता है। यही हमारा लक्ष्य है। हम जानते हैं कि उनमें से प्रत्येक स्वर्ण पदक जीतने में सक्षम है। भारतीय महिला टीम ने बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीते थे। निकहत ज़रीन और नीतू घंघास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जैस्मीन लैंबोरिया ने कांस्य पदक हासिल किया। अगले राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से ग्लासगो में शुरू होंगे। मुक्केबाजी के मुकाबले इसके एक दिन बाद 24 जुलाई से शुरू होंगे। नीवा का मानना है कि इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाजों से मिल रही कड़ी चुनौती के बावजूद मौजूदा टीम पिछले प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि चुनौती आसान नहीं होगी। विशेष कर इंग्लैंड, आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया से कड़ी चुनौती मिलेगी। लेकिन मुझे लगता है कि हम पिछली बार जैसा प्रदर्शन करने में सक्षम हैं या उससे भी बेहतर कर सकते हैं। नीवा ने कहा, ''खिलाड़ियों के पदक जीतने के साथ ही मैं उनके प्रदर्शन में सुधार भी देखना चाहता हूं। कभी-कभी पहले ही दौर में आपका सामना किसी मजबूत खिलाड़ी से हो जाता है और आप बाहर हो जाते हैं। इसलिए प्रदर्शन का समग्र विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। अगर हमारा प्रदर्शन अच्छा रहता है तो हमें पदक जरूर मिलेंगे।

उत्तराखंड :लिपुलेख दर्रे से भारत-तिब्बत सीमा व्यापार एक अगस्त से होगा शुरू

पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे के रास्ते कई सप्ताह के इंतजार के बाद आखिरकार भारत-तिब्बत सीमा व्यापार एक अगस्त से शुरू हो जाएगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, तिब्बत के पुरांग (तकलाकोट) स्थित व्यापारिक मंडी में भारतीय व्यापारियों को प्रवेश की अनुमति मिल गई है। धारचूला के उपजिलाधिकारी एवं व्यापार अधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि तिब्बती प्रशासन से आधिकारिक सूचना प्राप्त हुई है। इसमें एक अगस्त से भारतीय व्यापारियों को तिब्बत में प्रवेश की अनुमति देने की पुष्टि की गई है। उन्होंने बताया कि करीब 28 भारतीय व्यापारी पिछले कई दिनों से चीन के अधिकारियों से अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे थे। तिब्बती प्रशासन ने पहले सूचित किया था कि भारतीय व्यापारियों के लिए तकलाकोट में दुकानें और आवासीय सुविधाएं तैयार किए जाने में समय लगने के कारण अनुमति देने में विलंब हो रहा है। जोशी ने बताया कि तिब्बती प्रशासन द्वारा मांगी गई व्यापारिक वस्तुओं की सूची भेजी जा रही है ताकि सीमा व्यापार बिना किसी व्यवधान के सुचारु रूप से शुरू हो सके। व्यापारियों ने व्यापार सत्र देर से शुरू होने पर हालांकि नाराजगी जताई। भारत-चीन सीमा व्यापार संघ के अध्यक्ष जीवन सिंह रोंगकली ने कहा कि जुलाई का पूरा महीना निकल जाने से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान होगा। सीमा व्यापार केवल अक्टूबर तक चलता है और अगस्त के बाद तिब्बती खरीदारों की रुचि काफी कम हो जाती है। रोंगकली ने कहा, '' जुलाई का सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी महीना हम खो चुके हैं। अब आशंका है कि व्यापार सत्र समाप्त होने तक लगभग 40 प्रतिशत सामान बिना बिके ही रह जाएगा। उन्होंने बताया कि व्यापारी इस वर्ष नया माल बेचने के साथ-साथ वर्ष 2019 से तिब्बत के गोदामों में पड़ा पुराना 'स्टॉक' भी निकालना चाहते थे।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड ने एक विकेट की रोमांचक जीत से श्रृंखला अपने नाम की

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। मार्क चैपमैन ने 80 रन बनाए और मिचेल सैंटनर ने निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ अच्छा तालमेल बिठाया जिससे न्यूजीलैंड को रविवार को चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज पर एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। न्यूजीलैंड को जब तीन रन की जरूरत थी और एक विकेट हाथ में था, तभी सैंटनर को जीवनदान मिला। अंतिम बल्लेबाज जेडन लेनोक्स विकेटकीपर के हाथों कैच आउट और एलबीडब्ल्यू के लिए 'रिव्यू' से बचे। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 35 गेंदें शेष रहते वेस्टइंडीज के 188 (सभी आउट) के स्कोर को नौ विकेट खोकर पार कर दिया। न्यूजीलैंड के कप्तान सैंटनर ने 45वें ओवर की पहली गेंद पर विजयी रन बनाया। वह 34 रन बनाकर नाबाद रहे जिससे वेस्टइंडीज की सीरीज बराबर करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। वेस्टइंडीज इस मैच में जीत हासिल करके गैरी सोबर्स को उनके गृह नगर ब्रिजटाउन और केंसिंग्टन ओवल में श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहता था। यह वही स्टेडियम है जहां उन्होंने अपने करियर को संवारा और नाम कमाया। सोबर्स का शुक्रवार को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। दोनों टीमों ने उनकी याद में काली पट्टी बांधी और झंडे आधे झुकाए गए। सोबर्स के नाम पर बने पवेलियन में दो सीटें खाली छोड़ दी गईं और खेल शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा गया। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज हालांकि फिर से नहीं चल पाए। एक समय उसका स्कोर छह पर विकेट पर 81 रन था। इसके बाद आमिर जांगू और गुडाकेश मोती के बीच सातवें विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की। जांगू ने 71 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा करते हुए 51 रन बनाए जबकि मोती ने 41 रन का योगदान दिया। मोती ने बाद में 47 रन देकर पांच विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने पहला मैच सात विकेट से गंवाने के बाद दूसरा मैच पांच विकेट से और तीसरा मैच छह विकेट से जीता था।

एलएंडटी को धातु एवं खनन क्षेत्र में मिले 10,000-15,000 करोड़ रुपये के ठेके

नयी दिल्ली। अवसंरचना क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों समेत देश की प्रमुख धातु एवं खनन कंपनियों से कई ठेके मिले हैं। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि उसकी धातु एवं खनिज (एमएंडएम) कारोबार इकाई को मिले इन बड़े ठेकों का मूल्य 10,000 करोड़ रुपये से 15,000 करोड़ रुपये के बीच है। बयान के अनुसार, कंपनी को पहला ठेका सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी से मिला है। यह लौह अयस्क उत्पादक कंपनी वर्ष 2030 तक अपनी लौह अयस्क उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) करने के लिए विस्तार कर रही है। दूसरा ठेका सार्वजनिक क्षेत्र की एक अन्य नवरत्न कंपनी से मिला है, जो पश्चिम बंगाल स्थित अपने इस्पात संयंत्र की क्षमता 25 लाख टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 71 लाख टन प्रतिवर्ष कर रही है। एलएंडटी ने निजी क्षेत्र की एक प्रमुख धातु उत्पादक कंपनी के साथ अपनी दीर्घकालिक साझेदारी भी जारी रखते हुए जस्ता प्रसंस्करण संयंत्र के लिए इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) का ठेका हासिल किया है।

टाटा पावर को 324 मेगावाट बिजली आपूर्ति के लिए एसईसीआई से मिला ठेका

नयी दिल्ली। टाटा पावर को सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से महाराष्ट्र के भिवपुरी स्थित अपनी 1,000 मेगावाट पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना (पीएसपी) से 324 मेगावाट बिजली आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बयान में बताया कि यह परियोजना देश में स्थापित की जा रही पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजनाओं से 1,500 मेगावाट/12,000 मेगावाट-घंटा बिजली आपूर्ति के लिए एसईसीआई की शुल्क आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के तहत आवंटित की गई है। यह परियोजना 'ई-रिवर्स' नीलामी के जरिये हासिल की गई। इसके लिए 40 वर्ष का पंप्ड स्टोरेज खरीद समझौता किया गया है और इसके 2029 तक चालू होने की उम्मीद है। एसईसीआई से मिला यह ठेका दीर्घावधि ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में टाटा पावर की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह क्षेत्र भारत की तेजी से बढ़ती सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता को ग्रिड से जोड़ने में महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे दिन में उत्पन्न अतिरिक्त बिजली को चौबीसों घंटे उपलब्ध कराई जा सकने वाली विश्वसनीय बिजली में बदला जा सकता है।

भारत संरचनात्मक सुधारों से आठ से नौ प्रतिशत वृद्धि हासिल कर सकता है: सुब्रमण्यम

नयी दिल्ली। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने सोमवार को कहा कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों में सुधारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधार लागू करने की वकालत की। सुब्रमण्यम ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''वृहद आर्थिक स्थिरता ने भारत को सात प्रतिशत वृद्धि तक पहुंचाया। संस्थागत सुधार भारत को नौ प्रतिशत वृद्धि तक ले जा सकते हैं। उन्होंने कहा, ''जब निजी निवेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सा 30 प्रतिशत से अधिक था, तब भारत ने आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल की थी। अभी यह लगभग 22-23 प्रतिशत है, यानी लक्ष्य से सात से आठ प्रतिशत कम। सुब्रमण्यम ने कहा, ''तब हम सात प्रतिशत से नौ प्रतिशत वृद्धि की छलांग लगाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने वह बुनियादी ढांचा तैयार किया है, जिसके बाद निजी निवेश आता है। साथ ही, सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कई दशक के निचले स्तर के करीब होने से बैंकिंग प्रणाली भी इसे समर्थन देने के लिए तैयार है। वर्ष 2018 से 2021 तक भारत के 17वें मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे और बाद में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक रहे सुब्रमण्यम हाल में शिकागो विश्वविद्यालय के 85 वर्षीय इतिहास में 'एलुमनाई अवॉर्ड फॉर प्रोफ़ेशनल अचीवमेंट' पाने वाले पहले भारतीय अर्थशास्त्री बने हैं। यह सम्मान पहले कम से कम 12 नोबेल पुरस्कार विजेताओं और अन्य प्रतिष्ठित वैश्विक हस्तियों को दिया जा चुका है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,29,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लोक सभा में मानसून सत्र का पहला दिन पेपर लीक मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोक सभा में विपक्ष ने संसद के मानूसन सत्र के पहले दिन सोमवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के पेपर लीक के मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया जिसके चलते कोई काम-काज नहीं हो सका और बार-बार के स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार के लिए स्थगित कर दी। विपक्षी सदस्य शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर नारे भी लगा रहे थे।

सदन में आज सुबह से ही नारेबाजी और हंगामा के कारण बार बार कार्यवाही स्थगित की जाती रही तथा दिन में आखिरी बार अपराह्न तीन बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भी हंगामे का सिलसिला जारी रहने पर पीठासीन अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कार्यवाही को कल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। आज अपराह्न तीन बजे कार्यवाही पुनः शुरू होने पर कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के कई सदस्य हंगामा करते हुए सदन के बीचोबीच आ गये। वे नीट पेपर लीक मुद्दे और शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफ़े की मांग पर जोर दे रहे थे। इनमें से कुछ के हाथों में तख्तियां थीं जिन पर नीट पेपर लीक के विरोध में नारे लिखे थे। पीठासीन अध्यक्ष पाल ने सदस्यों से अपने-अपने स्थानों पर जाने और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग का आग्रह किया। इस अपील के बावजूद हंगामा न रुकने पर श्री पाल ने कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी । इससे पहले भोजनावकाश के बाद कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल सकी और पीठासीन अधिकारी को सदन की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। भोजनावकाश के बाद ढाई बजे जैसे ही शुरू हुई, पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों को नियम 377 के तहत अपने मामले उठाने के लिए कहा लेकिन विपक्षी दलों के सदस्य तख्तियां लेकर सदन के बीचोबीच आ गये और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। श्री पाल ने कहा कि जनता ने सांसदों को अपनी उम्मीदों के साथ लोकसभा में भेजा है। सदन में तख्तियां और बैनर लेकर आना तथा नारेबाजी करना उचित नहीं है और इसकी

अनुमति नहीं है। कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस के के. सी. वेणुगोपाल ने कोरम का मुद्दा उठाया। विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आरोप लगाया कि सांसदों को सदन में आने से रोका जा रहा है लेकिन श्री पाल ने इस आरोप को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ऐसा होने का प्रश्न ही नहीं उठता। पीठासीन अधिकारी ने विपक्षी सदस्यों से हंगामा बंद कर अपनी-अपनी सीटों पर लौटने का आग्रह किया लेकिन हंगामा जारी रहने पर उन्होंने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सत्र के पहले दिन पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए सदन के बीचोबीच आ गये। अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्न काल चलाने की कोशिश की और कुछ सदस्यों को प्रश्न पूछने की अनुमति भी दी। हंगामे के कारण हालांकि कुछ भी सुनायी नहीं दिया। श्री बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि मानसून सत्र का आज पहला दिन है, वे हंगामा न करें और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने दें। वह सभी सदस्यों को नियमानुसार अपने अपनी बात कहने का पर्याप्त समय देंगे। उन्होंने कहा कि हंगामा और शोरगुल का जनता में अच्छा संदेश नहीं जाता। यह सदन लोगों की समस्याओं और दिक्कतों पर चर्चा करने और उनका समाधान करने के लिए है। वह अपने-अपने स्थानों पर जायें और प्रश्न काल चलने दें। विपक्षी सदस्यों पर श्री बिरला की अपील का कोई असर नहीं हुआ वे हंगामा करते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद भी नीट पेपर लीक और शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़े की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामा जारी रहा और सदन की बैठक दिन भर तक स्थगित करने से पहले कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी।

कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

मुर्मु ने मोल्दोवा की राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को चिसिनाउ में मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सांडू के साथ द्विपक्षीय वार्ता की जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि, लॉजिस्टिक्स एवं अवसंरचना, स्वास्थ्य एवं औषधि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और नवाचार सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों देशों के बीच यह सहमति सुश्री मुर्मु की मोल्दोवा की राजकीय यात्रा के दौरान चिसिनाउ स्थित राष्ट्रपति भवन में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में बनी। यह मोल्दोवा की किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय यात्रा है। वार्ता के दौरान सुश्री मुर्मु ने कहा कि यह यात्रा भारत-मोल्दोवा संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है और दोनों देशों के बीच बढ़ती मित्रता तथा आपसी विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत और मोल्दोवा के बीच तीन दशकों से अधिक समय से मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं तथा भौगोलिक दूरी के बावजूद शांति, विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता के मार्गदर्शन में यह साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। द्विपक्षीय संबंधों में आर्थिक सहयोग को महत्वपूर्ण आधार बताते हुए राष्ट्रपति ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, मजबूत आपूर्ति शृंखलाओं को सुदृढ़ करने, संपर्क बढ़ाने तथा दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों के बीच निकट सहयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सुश्री मुर्मु ने मोल्दोवा के पेशेवरों के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की भारत की घोषणा भी की। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम शामिल होंगे। उन्होंने मोल्दोवा के राजनयिकों को भारत के विदेश सेवा संस्थान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर कूटनीति पर विशेष पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया।

पत्नी में 'दिलचस्पी खत्म' होने के आधार पर पति शादी खत्म नहीं कर सकता : उच्च न्यायालय

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि कोई भी व्यक्ति सिर्फ इस आधार पर तलाक नहीं मांग सकता कि उसकी पत्नी में 'दिलचस्पी खत्म' हो गयी है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, अनुबंध नहीं, जिसे किसी भी जीवनसाथी की मर्जी से खत्म किया जा सके। हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13(1ए) के तहत पति की तलाक की अपील खारिज करते हुए न्यायमूर्ति डीके सिंह और न्यायमूर्ति टीएम नदफ की खंडपीठ ने कहा कि हिंदू कानून के तहत विवाह जीवन भर का बंधन होता है और इसे केवल इसलिए खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि कोई एक जीवनसाथी अब इस रिश्ते को जारी नहीं रखना चाहता। खंडपीठ ने टिप्पणी की, ''हिंदू कानून के तहत विवाह एक संस्कार है और यह कोई अनुबंध नहीं है। एक बार जब दोनों पक्षों का विवाह हो जाता है, तो विवाह जीवन भर के लिए होता है और कोई भी व्यक्ति इस आधार पर शादी से अलग नहीं हो सकता कि उसकी दूसरे पक्ष के साथ विवाह में कोई दिलचस्पी नहीं रह गयी है। अदालत ने मैसूरु के पारिवारिक न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश के फैसले को बरकरार रखा, जिसने पत्नी के दाम्पत्य अधिकारों की बहाली की याचिका को स्वीकार करते हुए पति की तलाक की याचिका खारिज कर दी थी। दिसंबर 2003 में अंतरजातीय प्रेम विवाह करने वाले इस जोड़े की एक बेटी है, जो अब लगभग बालिग हो चुकी है। 2019 में मुकदमेबाजी के पहले दौर के बाद पति ने नयी याचिका दायर कर दावा किया कि दाम्पत्य अधिकारों की बहाली का निर्देश देने वाली डिक्री के बावजूद दोनों पक्षों ने एक साथ रहना शुरू नहीं किया है और यह शादी पूरी तरह से टूट चुकी है। पत्नी ने हालांकि क्रूरता या आपसी अनबन के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उसने अपने पति और उनके माता-पिता की देखभाल की है, कभी अलग रहने की जिद नहीं की और वह शादी को जारी रखने के लिए तैयार है। पारिवारिक न्यायालय को क्रूरता का कोई सबूत नहीं मिला और उसने जिरह के दौरान पति की इस स्वीकारोक्ति को नोट किया कि उसने वैवाहिक जीवन केवल इसलिए दोबारा शुरू नहीं किया, क्योंकि अब उसकी ऐसा करने में कोई दिलचस्पी नहीं रह गयी थी।

ईरानी वार्ताकार अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगातार दबाव में थे: अराघची

एजेंसी

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान अपने देश के अधिकारियों पर बने भारी दबाव की बात स्वीकारी है। उन्होंने बताया कि अमेरिका और इजरायल से मिलने वाली बार-बार की फौजी धमकियों के कारण ईरानी अधिकारियों के बीच हमेशा डर और अनिश्चितता का माहौल बना रहता था।

ईरान की समाचार एजेंसी मेहर को दिए एक साक्षात्कार में श्री अराघची ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ के साथ हुई एक बातचीत को याद करते हुए कहा, ''मैंने विटकॉफ से पूछा, क्या आप कभी किसी ऐसी बैठक में रहे हैं जहाँ किसी भी क्षण आपको लगता है कि पूरी बैठक पर बमबारी हो सकती है? क्या आप कभी फोन पर बात कर रहे हैं और आपको लगे कि आप विस्फोट में मारे जा सकते हैं या नष्ट हो सकते हैं? क्या आपने कभी फोन पर अपने परिवार का हालचाल लेते हुए सोचा है कि यह आखिरी बार हो सकता है? ईरानी विदेश मंत्री ने दावा किया कि ईरान इस लगातार जारी डराने-धमकाने और दबाव के बावजूद अडिग रहा। उन्होंने कहा, ''शून्य संवर्धन की अवैध और अनुचित मांग के जवाब में हमने विरोध किया और मजबूती से खड़े रहे। जब उन्होंने देखा कि वे वार्ता के माध्यम से वह हासिल नहीं कर सकते जो वे चाहते थे, तो उन्होंने युद्ध शुरू कर दिया। श्री अराघची ने ईरान के रुख को और स्पष्ट करते हुए कहा, ''आपको बात करनी होगी। आप हमें धमकी नहीं दे सकते, और आप हमें रिश्वत नहीं दे सकते। श्री अराघची के अनुसार, अमेरिका ने परमाणु वार्ता को पुनर्जीवित करने के प्रयास में पिछले साल ईरान से संपर्क किया था और कूटनीति के माध्यम से बातचीत रुक-रुक कर जारी रही। उन्होंने दावा किया कि प्रमुख मुद्दों पर समझौता करने से ईरान के इनकार ने अंततः अमेरिका और इजरायल को सैन्य कार्रवाई की ओर धकेल दिया। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, ''वे 12 दिनों के युद्ध में हार गए।'' उन्होंने कहा कि सैन्य तनाव बढ़ाने की धमकियाँ ईरान के नेतृत्व को अपना रास्ता बदलने के लिए मजबूर करने में विफल रही हैं। ईरानी राजनयिक ने इन दावों को भी खारिज कर दिया कि बढ़ते सैन्य दबाव से ईरान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया जा सकता है। वेनेजुएला के साथ तुलना करते हुए श्री अराघची ने तर्क दिया कि ईरान की शासन प्रणाली अलग तरह से बनी हुई है और इसे किसी एक व्यक्ति को निशाना बनाकर नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने ईरान की राजनैतिक व्यवस्था को एक एकीकृत ढांचे के तहत काम करने वाले कई केंद्रों वाली प्रणाली बताया और कहा, ''यह वेनेजुएला नहीं है जहाँ आप एक व्यक्ति को पकड़ते हैं और बाकी सब डर जाते हैं और पीछे हट जाते हैं। ईरान के साथ पूर्ण पैमाने पर युद्ध सात जुलाई को फिर से शुरू हुआ, जैसा कि श्री ट्रंप ने कांग्रेस को भेजे एक पत्र में रेखांकित किया था। इस बीच, अमेरिका ने लगातार नौंवी रात ईरान पर हमला किया और ईरान ने भी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार देर रात एक बयान में घोषणा की कि इस्लामाबाद-ए ग़र्ब के आसमान में एक एमक्यू-9 प्रकार के ड्रोन का पता लगाया गया और उसे मार गिराया गया।

अमेरिका ने लगातार नौवीं रात ईरान पर किये हवाई हमले, एक और अमेरिकी सैनिक की मौत

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ लगातार नौवीं रात हवाई हमले कर अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है और इस संघर्ष के विस्तार के साथ एक और अमेरिकी सैनिक की मौत हो गई है। इसके बावजूद ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह तब तक किसी वार्ता के लिए तैयार नहीं है, जब तक उसे युद्ध क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत नहीं मिल जाती। अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने बताया कि शनिवार शाम स्थानीय समयानुसार सात बजे से लगातार नौवीं रात ईरान के खिलाफ नये हवाई हमले शुरू किये गये। सेंटकॉम के अनुसार, इन हमलों में ईरानी सैन्य कमान केंद्रों, मिसाइल और ड्रोन प्रक्षेपण स्थलों, वायु रक्षा प्रणालियों, तटीय निगरानी केंद्रों, समुद्री सैन्य ढांचे और संचार नेटवर्क को निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नौवहन के लिए खतरा पैदा करने वाली ईरानी सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना है। अमेरिकी सेना ने बताया कि उत्तरी इराक में मार गिराये गये एक ईरानी ड्रोन से बरामद विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय करने के दौरान एक अमेरिकी सैनिक की मौत हो गयी। इससे पहले शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अधिकारियों ने बाद में बताया कि मानव अवशेष बरामद किए गए हैं और उनकी पहचान कर यह पुष्टि की जा रही है कि वे पहले लापता बताए गए सैनिक के हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ताजा हवाई हमले मारे गये सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए किये गये हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंचा है और उसके पास अब बहुत सीमित मिसाइल, ड्रोन तथा उत्पादन क्षमता बची है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सरकारी समाचार एजेंसी इरना से कहा कि युद्ध का अंत या तो निर्णायक सैन्य जीत से होगा या फिर वार्ता के जरिए। उन्होंने कहा कि बातचीत का उचित समय वही होगा, जब ईरान सैन्य मोर्चे पर विश्वसनीय बढ़त हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि युद्ध के बावजूद ईरान एक प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय शक्ति के रूप में उभरा है।

पेज एक का शेष

कांग्रेस व सपा विरासत...

बांटने वाले इन सपाइयों व कंग्रेसियों के नमूनों के मुंह संकट के समय बंद हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल बनाने और कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी, रामनवमी की शोभायात्रा, दुर्गापूजा के पंडाल पर प्रतिबंध लगाना सपा के लिए निरपेक्षता का मानक था। हमें ऐसे धर्मनिरपेक्षता को उखाड़ फेंककर सनातन की सुदृढ़ भूमि पर सुरक्षित भारत का निर्माण करना होगा। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन को अपमानित करने वाले लोग त्योहारों के पहले उपद्रव और गुर्गों से वसूली कराते थे। इन लोगों ने गांवों- शहरों में कट्टा-बम बनवाना शुरू कर दिया, जिससे व्यापारी व बेटी की इज्जत से खिलवाड़ होता था। अब लखनऊ में बने ब्रह्मोस मिसाइल से पाकिस्तान व उसके आका बाप-बाप कहकर चिल्लाते हैं। निवेश आने से अब यूपी में ही युवाओं को नौकरी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक प्रधानमंत्री ने तो कंग्रेस के भ्रष्टाचार पर यहां तक कह दिया कि 100 में से 15 पैसे ही नीचे आम जनता तक जाता है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने सपा की डकैती और कंग्रेस की लूट को रोका। इस पैसे से अब नौजवान को छात्रवृत्ति, बेटी की शादी, कन्या सुमंगला योजना का लाभ, टैबलेट, किसानों को सम्मान निधि, गरीबों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। जिस पैसे से यह कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल बना रहे थे, उस पैसे का हमने मुंह घुमा दिया और अब इससे कॉरिडोर बन रहा है। सैफई सिंडिकेट का युवाओं की नौकरी पर कब्जा था। नौकरियों की नीलामी होती थी, लेकिन अब बाराबंकी के युवाओं को भी निष्पक्ष रूप से सरकारी नौकरी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने विपक्षियों (सपा-कंग्रेस) के वास्तविक चरित्र को सनातन विरोधी बताया, कहा कि यह जनता के हक, विकास की परियोजनाओं पर डकैती डालते थे। इनके कारनामों से यूपी के सामने पहचान का संकट था। देश में यूपी टॉप-3 इकॉनमी बन गया है। अब बाढ़ बचाव का स्थायी समाधान और गोमती नदी का सुंदरीकरण पुनरुद्धार हो रहा है। लखनऊ व अयोध्या के बीच स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) में शामिल बाराबंकी का विकास कोई रोक नहीं सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दरियाबाद के विधायक सतीश चंद्र शर्मा को खाद्य व रसद राज्यमंत्री बनाया तो वे यहां के साथ ही अन्य जनपदों का भी विकास कर रहे हैं। सपा गरीब का राशन चट कर जाती थी, लेकिन अब हर गरीब का राशन उसे ही मिलता है। धांधली करने वालों पर कार्रवाई होती है। सपा व कंग्रेस के समय गरीब को पेंशन, छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने से पहले घूस लिया जाता है। आज सीधे अकाउंट में पैसा जाता है, बीच में घूसखोरी नहीं चल सकती। रामनगर ने जिन्हें 2022 और बाराबंकी ने जिन्हें 2024 में चुना, उन्हें विकास की चर्चा करने की फुर्सत नहीं है। इन लोगों ने एक बार भी विकास के प्रस्ताव नहीं दिए। यदि रामनगर विधानसभा और बाराबंकी लोकसभा में कमल खिला होता तो यह क्षेत्र भी विकास की बुलंदियों को छू रहा होता। इस अवसर पर कारागार राज्यमंत्री सुरेश राही, खाद्य व रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा, विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, दिनेश रावत, विधान परिषद सदस्य अंगद कुमार सिंह, इंजी. अवनीश कुमार सिंह, जिला पंचायत प्रशासक राजरानी रावत, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद प्रियंका रावत, क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा आदि मौजूद रहे।

'चढ़ावा चोरी मामले ...

निर्देश लेने को कहा गया है। साथ ही न्यायालय जांच की अगली प्रगति रिपोर्ट भी देखेगा। अब सभी की नजर अगली सुनवाई पर रहेगी, जहां जांच से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

घरेलू रसोई में एथेनॉल...

पेट्रोल में मिश्रण (ई20), शराब, दवा और रसायन उद्योग में होता है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा एलपीजी आयात के जरिए पूरा करता है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई बाधित होने के जोखिम ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर सरकार की चिंता बढ़ाई है। अगर एथेनॉल को घरेलू कुकिंग ईंधन के रूप में अपनाया जाता है, तो इससे एलजीपी आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। प्रस्तावित नीति के तहत एथेनॉल आधारित चूल्हे अपनाने के लिए उपभोक्ताओं को पूंजीगत सब्सिडी या अन्य वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाने पर भी विचार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शुरुआती लागत कम करना और नई व्यवस्था को तेजी से अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल पंपों और अपने खुदरा केंद्रों पर एथेनॉल एटीएम स्थापित कर सकती हैं। इन मशीनों से उपभोक्ता कंटेनर में एथेनॉल भरवाकर घर ले जा सकेंगे और उसे विशेष एथेनॉल चूल्हों में इस्तेमाल कर सकेंगे।

उप्र में कई जिलों में ...

बलिया वेधशाला में 105.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा कैसरगंज, सकलडीहा, तुलसीपुर, बाराबंकी, गोरखपुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर, कानपुर, लखनऊ, आजमगढ़, संतकबीरनगर और प्रयागराज सहित अनेक जनपदों में भी अच्छी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी मानसून पूरी तरह मेहरबान रहा। बरेली के बहेड़ी में 174 मिमी, रामपुर के बिलासपुर में 152.4 मिमी, शाहजहांपुर के पवायां में 150.3 मिमी तथा शाहजहांपुर वेधशाला में 125.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त पीलीभीत, औरैया, झांसी, जालौन, बदायूं, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, मैनपुरी, आगरा, संभल, अमरोहा और ललितपुर सहित कई जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हुई। लगातार हो रही बारिश के कारण प्रदेश के अनेक शहरों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। निचले इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरने से खरीफ फसलों को जहां नमी का लाभ मिला है, वहीं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में जलनिकासी भी चुनौती बन गई है। गंगा, घाघरा, शारदा, राप्ती, सरयू तथा अन्य प्रमुख नदियों के जलस्तर में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है और तटीय क्षेत्रों पर प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिलने तथा मानसूनी ट्रफ उत्तर प्रदेश के ऊपर सक्रिय रहने के कारण अगले 24 घंटों में भी प्रदेश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में अधिकांश स्थानों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा जारी रहने की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने की भी आशंका व्यक्त की गई है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर जाने से बचने, जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने तथा बिजली चमकने के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। प्रशासन को भी संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बनाए रखने तथा राहत एवं बचाव संसाधन तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

आईटीआर में ...

होगी, जो नौकरी या कारोबार के कारण अपने स्थायी पते से अलग शहर में रहते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का स्थायी पता जयपुर में है, लेकिन वह नौकरी के कारण गुरुग्राम में किराये के मकान में रहता है, तो वह दोनों पते दर्ज कर सकेगा। इससे आयकर विभाग के पास उसका अद्यतन रिकॉर्ड रहेगा और जरूरी दस्तावेज सही पते पर भेजे जा सकेंगे। कर विशेषज्ञों का मानना है कि नया प्रावधान मकान किराया भत्ता के दावों की जांच को भी आसान बनाएगा। यदि कोई कर्मचारी किराये के मकान के आधार पर कर छूट का दावा करता है, तो विभाग उसके दिए गए पते का आसानी से सत्यापन कर सकेगा। इससे गलत दावों पर रोक लगाने और वास्तविक दावों का जल्दी निपटारा करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आईटीआर भरते समय दोनों पतों की जानकारी सावधानी से दर्ज करें। यदि हाल ही में पता बदला है, तो आयकर पोर्टल पर भी उसे अपडेट कर दें। सही पता, मोबाइल नंबर और ई-मेल दर्ज करने से रिफंड, नोटिस या अन्य कर संबंधी संचार में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। नया प्रावधान करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ डालने के बजाय आयकर प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सटीक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मानसून और मानसून...

उन्होंने सभी दलों के सांसदों से सार्थक चर्चा करने, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और सदन को सुचारु रूप से चलाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा, ़्रजहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती। आशा है कि यह सत्र तथ्य, तर्क और राष्ट्रहित की भावना के साथ आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री ने कहा है कि सत्र शुरू होने के साथ ही देश ने गति पकड़ ली है और संसद की भावना इस गति में नई ऊर्जा भर सकती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि संसद में हर दल के कई अनुभवी सांसद हैं, जिनका ज्ञान और अनुभव संसद तथा देश के लिए जरूरी है। इसलिए संसद चलनी चाहिए, सार्थक चर्चा होनी चाहिए और देश को आगे ले जाने के लिए सामूहिक संकल्प लिए जाने चाहिए। यह समय की मांग और युवाओं की आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात की है कि देशभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना से भरी आवाजों को संसद में उचित मंच मिले, ताकि युवाओं की आवाज उठाई जा सके और देश को दिशा दी जा सके। प्रधानमंत्री ने भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल रॉकेट बनाने वाले युवा नवप्रवर्तकों की सराहना करते हुए कंग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष भी किया और कहा कि वह 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहे हैं। पिछले साल मानसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचा था और दो दिन पहले एक भारतीय युवा स्टार्टअप ने असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि एक बड़ा संदेश है कि भारत के युवाओं की क्षमता और आकांक्षाएं अंतरिक्ष की तरह असीमित हैं और इससे बड़ी प्रेरणा देश के लिए कुछ नहीं हो सकती।

प्रदर्शनकारियों को...

जनपथ, केरला भवन और पटेल चौक की ओर से संसद भवन की ओर बढ़ते रहे। ऐसे में पुलिस बल असमंजस में दिखा कि इसे कैसे संभाला जाए। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए संसद मार्ग थाने के पास पहुंच गए। बैरिकेडिंग कर उनको रोककर रखा गया, लेकिन लोगों की इतनी संख्या थी कि उन्हें संभालना मुश्किल हो रहा था। सीजेपी के प्रवक्ता प्रदर्शनकारियों को शांति बनाए रखने की अपील करते दिखे, लेकिन भीड़ उसे अनसुना कर दिया। इसी बीच प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने सुरक्षाबलों की तरफ पत्थर फेंक दिए। पत्थर लगने से कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, द्धद्धद्धद्दद्ध चिकित्सक सुविधा उपलब्ध कराई गई। आलम यह था कि किसी का सर फट गया था तो किसी की आंख में गंभीर चोट पहुंची थी। यही स्थिति प्रदर्शनकारियों की भी थी। लोग खून से लथपथ सड़क पर भाग रहे थे। भगदड़ में प्रदर्शनकारियों के जूते-चप्पल उतरे जो सड़क पर बिखरे नजर आए। इसके बाद थोड़ी देर के लिए प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। दोपहर करीब 2 बजे जंतर मंतर के प्रदर्शन स्थल पर अभिजीत दीपके नहीं थे, लेकिन वहां मौजूद युवाओं का जोश पूरी तरह बरकरार रहा। मंच से आशंका जताई गई कि दीपके को गिरफ्तार कर लिया गया है। सबने हुंकार भरी कि एक दीपके को लेजाने से कुछ नहीं होगा, यहां मौजूद हर युवा अभिजीत दीपके है। जोर जोर से सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते लोग बारिश के बीच प्रदर्शन स्थल पर डटे रहे। सीजेपी की टीम बार-बार आह्वान करते रहे कि कोई यह जगह छोड़ कर नहीं जाएगा। जब तक मांग पूरी नहीं होती, यहां धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इसी बीच दोपहर करीब 3 बजे संसद मार्ग वाईएमसीए की तरफ शोर उठने लगा। वहां एक कार बुरी तह क्षतिग्रस्त पड़ी थी। प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उन्होंने वाईएमसीए के पास खड़ी पुलिस की बसों पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस व सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आंसू गैस छोड़नी शुरू कर दी। ऐसा होते ही भगदड़ मचने लगी। प्रदर्शनकारी भारत माता की जय और जय भीम के नारे लगाने के साथ केंद्र सरकार को कोसते दिखे। प्रदर्शनकारियों ने एनडीएमसी के चौक पर खड़ी पुलिस की गाड़ी के एक टायर की हवा निकाल दी। इस गाड़ी पर कनॉट प्लेस एसएचओ लिखा स्टिकर लगा हुआ था। मामला बढ़ता देख सुरक्षा बल संसद मार्ग को खाली कराने में जुट गए और लगातार आंसू गैस के गोले दागते रहे। ऐसा करते हुए संसद मार्ग पर जमा प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बल कनॉट प्लेस के आउटर सर्किल तक ले गए। देखते ही देखते भीड़ ने आउटर सर्किल पर तीन गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। इनमें पुलिस की गाड़ियां भी थीं। इनको काबू करने के लिए सुरक्षा बल आंसू गैस छोड़ने के साथ लाठी फटकार कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। उधर, जनपथ रोड पर जमा भीड़ को भी पुलिस व सुरक्षा बल आंसू गैस के गोले दागते हुए आउटर सर्किल पर ले आई। इधर पहले से ही लोग प्रदर्शन कर रास्ता रोक बैठे थे। करीब सवा घंटे तक यही सिलसिला चलता रहा। इस दौरान आउटर सर्किल पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। देर शाम मौका पाकर पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन स्थल से लोगों को हटाकर उसे खाली करा दिया। संसद मार्ग और जनपथ मार्ग की तरफ दुकानें खुली हुई थीं। लेकिन दोपहर में जब माहौल गरमाया तो दुकानदारों ने धड़ाधड़ शटर गिराकर दुकानें बंद करना शुरू कर दिया। जिस तरह से प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियां तोड़ीं, उसे देखते दुकानदार डर गए थे। रेस्टोरेंट भी बंद कर दिए गए। हालांकि कनॉट प्लेस के दूसरे हिस्सों में दुकानें खुली रहीं, वहां किसी तरह का व्यधान नहीं पड़ा। संसद मार्च में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में आए लोग मेट्रो से पहुंचे। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर लोगों का हुजूम जमा हो गया। संसद मार्च के लिए पहुंचे लोगों ने स्टेशन पर ही नारेबाजी शुरू कर दी। बाहार जाने के लिए एक ही गेट खोलने के लिए चलते उसपर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ऐसे में सीआईएसएफ कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को बाहर निकालने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। संसद की ओर मार्च कर रहे लोगों के बीच से नारेबाजी और डफली की आवाज पूरे इलाके में गूंजती रही। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग प्रदर्शनकारी बार-बार दोहराते नजर आए। लोगों का कहना था कि प्रधान मंत्री जिद पर अड़े हुए हैं। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेकर नया शिक्षा मंत्री नियुक्त करें, जो पेपर लीक रोक सके। संसद मार्च में शामिल होने आए बड़ी संख्या में पहुंचे लेफ्ट संगठनों के लोग डफली बजाकर छात्रों में जोश भर रहते रहे। क्रांतिकारी गीतों की आवाज हर तरफ से आती सुनाई दी।

दिल्ली सरकार ने दी 'परिवर्तन' योजना को मंजूरी

पुराने व्यावसायिक वाहनों को बदलने पर आकर्षक प्रोत्साहन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की परिवर्तन (ट्रांसपोर्ट से होने वाले वायु प्रदूषण और नेटवर्क उत्सर्जन को कम करने के लिए वाहन संपत्तियों के तेजी से नवीनीकरण और प्रोत्साहन का कार्यक्रम 'परिवर्तन' (परिवहन वायु प्रदूषण एवं नेटवर्क उत्सर्जन में कमी हेतु वाहन परिसंपत्तियों के त्वरित नवीनीकरण और प्रोत्साहन कार्यक्रम) योजना को दिल्ली में लागू करने और उसका समर्थन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह योजना पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-6, उससे भी कड़े प्रदूषण मानकों वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। यह स्वीकृति हाल ही में आयोजित

दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना दिल्ली-एनसीआर में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों और बसों को हटाकर उनकी जगह बीएस-VI, उससे भी कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे राजधानी में स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और व्यावसायिक वाहनों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने जानकारी दी कि योजना के तहत यदि कोई वाहन मालिक अपना बीएस-ऋ्रु या उससे नीचे का हल्का मालवाहक वाहन (एलजीवी) स्क्रैप कराकर नया इलेक्ट्रिक एलजीवी खरीदता है तो उसे दिल्ली सरकार की ओर से 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट और 100 प्रतिशत पंजीकरण शुल्क माफी दी जाएगी। इसके साथ ही ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन), वाहन निर्माता (ओईएम) की ओर से 8 प्रतिशत की छूट और ईंधन वाउचर या ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ भी मिलेगा। वहीं, यदि नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के बजाय पुराना इलेक्ट्रिक वाहन खरीदा जाता है तो लाभार्थी को 10 वर्षों के लिए 50 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट, ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन) और ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ दिया जाएगा। योजना के तहत बीएस-IV या उससे नीचे के मध्यम (एमजीवी) और भारी मालवाहक वाहन (एचजीवी) भी बदले जा सकेंगे। ऐसे वाहन स्क्रैप कर नए बीएस-ठ्रू उससे कड़े उत्सर्जन मानकों का पालन करने वाले या इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहन खरीदने पर 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट, 100 प्रतिशत पंजीकरण शुल्क माफी, ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी (सबवेंशन), ओईएम की ओर से 8 प्रतिशत छूट और ईंधन वाउचर या ईंधन वाउचर के रियायती मूल्य के बराबर एकमुश्त लाभ मिलेगा।

हिमाचल से रोपड़ के रास्ते पंजाब आने वाले वाहनों पर टैक्स की तैयारी, पंजाब सरकार की मंजूरी का इंतजार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■ जिला परिषद की बैठक में प्रस्ताव पारित, मंजूरी के लिए पंजाब सरकार के पास भेजा जाएगा

चंडीगढ़। रोपड़ जिला परिषद ने हिमाचल प्रदेश से जिले में प्रवेश करने वाले वाहनों पर एंट्री टैक्स लगाने की मांग को लेकर सोमवार को प्रस्ताव पारित किया। जिला परिषद की बैठक में यह प्रस्ताव रोपड़ से आम आदमी पार्टी के विधायक एवं परिषद सदस्य दिनेश चड्ढा ने पेश किया। प्रस्ताव को अब पंजाब पंचायती राज अधिनियम के प्रावधानों के तहत मंजूरी के लिए पंजाब सरकार के पास भेजा जाएगा। विधायक दिनेश चड्ढा ने बताया कि पंजाब पंचायती राज अधिनियम की धारा 189 के तहत जिला परिषद को टैक्स और शुल्क लगाने का अधिकार प्राप्त है। प्रस्तावित एंट्री टैक्स का उद्देश्य ग्रामीण सड़कों के रखरखाव के लिए धन जुटाना है। हिमाचल प्रदेश से आने वाले भारी और व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही के कारण रोपड़ जिले की ग्रामीण सड़कों को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के गांवों से गुजरने वाली सड़कों पर हिमाचल प्रदेश से आने वाले कमर्शियल वाहनों और अन्य यातायात का भारी दबाव रहता है। इससे सड़कों की हालत खराब हो रही है और उनकी मरम्मत पर अधिक खर्च करना पड़ रहा है। प्रस्तावित टैक्स से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल ग्रामीण सड़क नेटवर्क को सुधारने और उसके रखरखाव पर किया जा सकेगा। दिनेश चड्ढा ने कहा कि यह एक तरह का पारस्परिक टैक्स होगा। उन्हें उम्मीद है कि पंजाब सरकार जिला परिषद के प्रस्ताव को मंजूरी देगी। जिला परिषद के सदस्यों ने सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर उतना ही टैक्स लगाने की मांग की है, जितना हिमाचल सरकार पंजाब से आने वाले वाहनों से वसूलती है। इस फैसले के बाद पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही एंट्री टैक्स की मांग एक बार फिर चर्चा में आ गई है। विशेष रूप से नंगल और श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र के लोग तथा ट्रांसपोर्टर हिमाचल प्रदेश की सीमाओं पर लगाए गए प्रवेश शुल्क का लगातार विरोध करते रहे हैं। इससे पहले जून 2025 में नंगल नगर परिषद ने भी हिमाचल प्रदेश से आने वाले वाहनों पर बराबर का एंट्री टैक्स लगाने संबंधी प्रस्ताव पारित किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक पंजाब सरकार के पास लंबित है और इसे मंजूरी नहीं मिली है। नंगल नगर परिषद में यह प्रस्ताव पेश करने वाले पूर्व पार्षद परमजीत सिंह पम्मा ने रोपड़ जिला परिषद के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद की ओर से भेजा गया प्रस्ताव अभी मंजूरी की प्रतीक्षा में है, लेकिन जिला परिषद और विधायक दिनेश चड्ढा द्वारा उठाया गया कदम सराहनीय है।

केजरीवाल ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की निंदा की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर से संसद मार्च के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से अपना अहंकार छोड़ने और छात्रों की मांगें सुनने की अपील की। केजरीवाल ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों को दुश्मन जैसा समझा जा रहा है और उन पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवा कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन परीक्षा से पहले पेपर लीक हो जाते हैं। जब युवा न्याय मांगने के लिए सड़क पर उतरते हैं, तो सरकार उन पर बल प्रयोग करती है। केजरीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं का गुस्सा भारी पड़ सकता है। सरकार को दमन का रास्ता छोड़कर छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की है कि वह देश के बच्चों की बात सुने।

पुलिस ने संसद की ओर बढ़ रहे सीजेपी प्रदर्शनकारियों को बीच में ही रोका

■ सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने खत्म की भूख हड़ताल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली के जंतर-मंतर पर संसद मार्च के लिए जुटे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सोमवार को टकराव हो गया। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई तथा कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। बाद में सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने पानी पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया। प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से संसद भवन की ओर मार्च निकालना चाहते थे। पुलिस का कहना था कि मार्च की अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए उन्हें आगे बढ़ने की इजाजत नहीं दी गई। मौके पर पहले से दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की तैनाती की गई थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ आगे बढ़ने पर अड़ी रही। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें पीछे धकेला। कई प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पार कर संसद मार्ग की ओर बढ़ने लगे। कुछ लोग मंडी हाउस और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन तक पहुंच गए, जबकि कई प्रदर्शनकारी संसद थाना क्षेत्र तक पहुंचने के बाद हिरासत में लिए गए। पुलिस ने हालांकि गंभीर लाठीचार्ज या बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने के दावों से इनकार किया है। इससे पहले सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा था कि यदि दो घंटे के भीतर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर नहीं लाया गया तो प्रदर्शनकारी संसद मार्च के लिए निकलेंगे। वांगचुक सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी भूख हड़ताल का 23वां दिन है। बाद में दीपके ने पानी पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया। उधर, सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने पहुंचे। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए संपर्क किया गया है और पार्टी अपनी मांगों को लेकर चर्चा करेगी। बड़ी संख्या में युवा आंदोलन के समर्थन में जुटे हैं और आंदोलन जारी रहेगा।

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर भालू की मौत, दो घंटे बाधित रहा रेल परिचालन

पश्चिम चम्पारण (बगहा)। वाल्मीकिनगर-बगहा रेलखंड पर सोमवार सुबह अड़गणना टोला के समीप रेलवे ट्रैक पर एक भालू के ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक पर भालू का शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि भालू किसी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कारण करीब दो घंटे तक वाल्मीकिनगर-बगहा रेलखंड पर ट्रेन परिचालन प्रभावित रहा। सुरक्षा और जांच कार्य के दौरान रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। ग्रामीणों के अनुसार इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस, अंत्योदय एक्सप्रेस और सप्तक्रांति एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और भालू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

गोमुख से गंगासागर की प्रज्ञा पदयात्रा का शांतिकुंज में स्वागत

हरिद्वार। गोमुख से गंगासागर तक की प्रज्ञा पदयात्रा सोमवार को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज पहुंची। यहां डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने सात सदस्यीय पदयात्रा दल का अभिनंदन करते हुए अभियान की सफलता की कामना की। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि नशामुक्त, संस्कारित एवं जागरूक भारत के निर्माण का जनआंदोलन है। देवसंस्कृति विवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यात्रा के दौरान प्रत्येक गांव, कस्बे और नगर में जनसंपर्क कर व्यसन मुक्ति, सामाजिक जागरूकता तथा मृत्यु उपरांत अंगदान जैसे मानवीय अभियानों से लोगों को जोड़ें। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा प्रतिपादित युग निर्माण संविधान के सत्संकल्पों को जन-जन तक पहुंचाकर समाज में नैतिकता, सदाचार और राष्ट्रभक्ति की चेतना को सशक्त बनाया जा सकता है।

पंजाब में वकीलों के चैंबरों को भी मिलेगा मुफ्त बिजली योजना का लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अदालत परिसरों में स्थित पात्र वकीलों के चैंबरों को भी घरेलू बिजली आपूर्ति टैरिफ योजना के दायरे में शामिल कर लिया है। अब राज्य के वकीलों को अपने चैंबरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली के लिए कम भुगतान करना होगा। आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने की गारंटी दी थी। मार्च, 2022 में सत्ता में आने के बाद पार्टी ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए यह कल्याणकारी योजना लागू कर दी थी। सरकार के अनुसार, इस योजना के तहत पंजाब के करीब 90 प्रतिशत घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली का बिल नहीं देना पड़ रहा है। पीएसपीसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अब अपने चैंबरों से

काम करने वाले वकीलों को भी इस योजना में शामिल कर लिया गया है।वकीलों के चैंबरों को घरेलू बिजली टैरिफ का लाभ देने का निर्णय कुछ समय पहले लिया गया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका था। अब पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल ने पात्र आवेदनों की जांच कर उन्हें 48 घंटे के भीतर निपटाने का फैसला किया है। पीएसपीसीएल ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। इसके तहत पंजाब के विभिन्न अदालत परिसरों में स्थित पात्र वकीलों के चैंबरों को घरेलू बिजली आपूर्ति टैरिफ का लाभ दिया जाएगा। जिन चैंबरों में दो महीने के दौरान बिजली की खपत 600 यूनिट तक होगी, उनका बिजली बिल शून्य आएगा। हालांकि, यदि किसी चैंबर की बिजली खपत दो महीने में 600 यूनिट से अधिक हो जाती है, तो संबंधित उपभोक्ता को इस्तेमाल की गई पूरी बिजली का बिल चुकाना होगा। इस बीच, अधिसूचना को लागू करने में हो रही देरी और लापरवाही की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पीएसपीसीएल के चेयरमैन-कम-मैनेजिंग डायरेक्टर बसंत गर्ग ने सभी सब-डिवीजन कार्यालयों के अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों को पात्र आवेदन प्राप्त होने के दो दिनों के भीतर उनकी जांच कर निपटारा सुनिश्चित करने को कहा गया है। वकीलों के चैंबरों को घरेलू बिजली आपूर्ति टैरिफ का लाभ देने का फैसला राज्यभर के वकीलों द्वारा यह मामला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के संज्ञान में लाए जाने के बाद लिया गया। यह लाभ केवल उन अधिवक्ताओं के चैंबरों को मिलेगा, जो पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल में पंजीकृत हैं। इसके साथ ही चैंबर का अदालत परिसर के भीतर स्थित होना और उसका इस्तेमाल केवल वकालत से संबंधित काम के लिए किया जाना अनिवार्य होगा। कैंटीन, फोटोस्टेट सेंटर या किसी अन्य व्यावसायिक अथवा कारोबारी गतिविधि के लिए इस्तेमाल किए जा रहे चैंबर इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

ग्रोथ सेंटर्स को मार्केट लिंकेज और निजी भागीदारी से जोड़ें : मुख्य सचिव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने प्रदेश में संचालित ग्रोथ सेंटर्स को स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए उन्हें बेहतर मार्केट लिंकेज, निजी भागीदारी, कोल्ड स्टोरेज चेन और 'हाउस ऑफ हिमालयाज' से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को ग्रोथ सेंटर्स की नियमित समीक्षा करने तथा गैर-क्रियाशील केंद्रों को पुनः संचालित करने के लिए ठोस प्रयास करने को कहा।

सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित ग्रोथ सेंटर्स की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी उत्पादों को ट्रेसेबिलिटी, जीआई टैगिंग और ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और बाजार में उनकी पहचान बढ़ सके। उन्होंने शीप एंड वूल डेवलपमेंट बोर्ड को पशुपालकों के साथ नियमित संवाद और कार्यशालाएं आयोजित कर उनकी समस्याओं के समाधान पर काम करने के निर्देश दिए। साथ ही अन्य राज्यों की सफल कार्यप्रणालियों का अध्ययन कर उन्हें उत्तराखंड में लागू करने की आवश्यकता बताई। मुख्य सचिव ने ग्रोथ सेंटर्स के उत्पादों के संरक्षण के लिए स्टैंड-अलोन माइक्रो कोल्ड स्टोरेज चेन विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे उत्पादों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और उचित समय पर बाजार में उतारकर बेहतर मूल्य प्राप्त किया जा सकेगा।

बिहार विधानसभा में 87,383,43 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन में पेश

■ 13 विधेयक सदन में पेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में आज मानसून सत्र के पहले दिन सरकार के वित्त मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 87 हजार,383 करोड़, 43 लाख का अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। इसमें राज्य स्कीम मद में 24370.72 करोड़ है। शेष केंद्र प्रायोजित स्कीम के लिए राशि रखा गया है। मानसून सत्र के पहले दिन सरकार की ओर से 13 विधेयक पेश किए गए। इन विधेयकों में विभिन्न विभागों से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। विधेयकों पर सदन में चर्चा के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार के तरफ से जो विधेयक पेश किए गए उसमें बिहार नगर विकास विधेयक 2026, बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) (निरसन) विधेयक 2026,भारतीय

स्टाम्प (बिहार संशोधन) विधेयक 2026, निबंधन (बिहार संशोशन) विधेयक 2026, बिहार ईज ऑफ डुईंग बिजनेस विधेयक 2026, बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक 2026, बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन) (निरसन) विधेयक 2026, बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2026 और बिहार चीनी उपक्रम (अर्जन) (संशोधन) विधेयक 2026। बिहार विधानमंडल का यह मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगा। पांच दिनों के इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण फैसलों और विधायी कार्यों को पूरा करने की तैयारी में है। सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, महंगाई और अन्य मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है। वहीं सरकार अपनी उपलब्धियों और विकास योजनाओं को सदन के माध्यम से सामने रखेगी। पहले दिन नीट पेपर लीक का मुद्दा सदन में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी सदस्यों ने पेपर लीक मामले में विधानसभा मुख्य गेट से लेकर विधानसभा पोर्टिको तक मार्च किया और फिर विधानसभा पोर्टिको में काफी देर तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राजद, कंाग्रेस और वामपंथी दलों के सदस्यों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए और धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा की मांग की। सोनम वांगचुक का समर्थन भी किया। वामपंथी दल के सदस्य अजय कुमार ने कहा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा नीट पेपर लीक को लेकर,जंतर मंतर पर पिछले 23 दिनों से जो हो रहा है और सोनम वांचूक को जिस प्रकार से ले जाया गया उन सब के विरोध में हम लोग मार्च किया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा नीट में किस तरह से पूरे देश में घोटाला हुआ है और जो गरीब और मेधावी छात्र हैं, उनकी एक तरह से हत्या की गई है, सरकार चुप है।

एआई तकनीक जानने में मदद करेगी सहरसा के अंकित आनंद की लिखी किताब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सहरसा। एआई तकनीक और मशीन लर्निंग ऑपरेशन्स को जानने में काफी मददगार साबित होगी सहरसा के लाल की लिखी किताब।सहरसा शहर के गौतमनगर वार्ड नंबर 16 निवासी अंकित आनंद अमेरिका में रणनीतिक डेटा मैनेजमेंट लीडर हैं।अंकित आनंद ने ऑल एनालिटिक्स के संस्थापक डॉ. स्कॉट बर्क और डेटा फॉर एआई के सह लेखक किंशुक दत्त के साथ मिलकर द डिप्लोएड डेटा साइंटिस्टः एमलोप्स एंड एनालिटिक्स इन प्रैक्टिस लिखा है। जो विश्वस्तरीय बाजार सहित एमेजन पर उपलब्ध होते धूम मचा रही है। 17 वर्षों से अधिक समय से अमेरिका में रणनीतिक डेटा मैनेजमेंट लीडर का अनुभव हासिल किए। पुस्तक के लेखक अंकित आनंद ने बताया कि द डिप्लोएड डेटा साइंटिस्टः एमलोप्स एंड एनालिटिक्स इन प्रैक्टिस के अध्ययन से

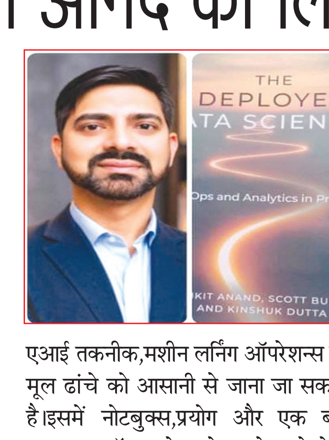

एआई तकनीक,मशीन लर्निंग ऑपरेशन्स के मूल ढांचे को आसानी से जाना जा सकता है।इसमें नोटबुक्स,प्रयोग और एक बार बनाए गए मॉडल से आगे बढ़ने वाले डेटा वैज्ञानिकों, मशीन लर्निंग इंजीनियरों,डेटा लीडर्स और एनालिटिक्स पेशेवरों की जानकारी के लिए बहुत कुछ है। मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट के विफल होने और अक्सर इसके लिए दोषी एल्गोरिदम का नहीं होने की जानकारी व्याख्यान के साथ परोसी गई। यह पुस्तक दिखाती है कि मॉडलों को जीवंत डेटा उत्पादों की तरह कैसे देखा जाय।डेटा रणनीति और डेटा कॉन्ट्रैक्ट्स से लेकर मॉडल इंजीनियरिंग,सीआई,सीडी पाइप लाइनों,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर,मॉडल ऑब्जर्वेबिलिटी,प्रोडक्शन मशीन लर्निंग तक पूरे एमएलओपीएस जीवनचक्र का अन्वेषण करें।ऐसे सिस्टम डिजाइन करें जो स्कीमा परिवर्तन,डेटा ड्रिफ्ट,छिपी विफलता, अविश्वसनीय डेटा फीड्स और बदलती व्यावसायिक आवश्यकताओं को संभव हो सके।आधुनिक डेटा प्लेटफार्म,डेटा वेयरहाउस, डेटा लेक्स,लेकहाउस,स्ट्रीमिंग आर्किटेक्चर, स्वचालित पुनःप्रशिक्षण, मॉडल रजिस्ट्री और उन उपकरणों पर व्यवहारिक दृष्टिकोण लागू करें जो डेटा टीम को भरोसेमंद एआई सिस्टम बनाने में सहायता प्रदान करें।बड़े भाषा मॉडल परिनियोजन की प्रक्रिया को बदलने वाले बेहतर एंटरप्राइज एआई एप्लिकेशन बनाएं जो अनुशासन, परीक्षण, ऑब्जर्वेबिलिटी, लागत प्रबंधन और जवाबदेही की आवश्यकता पूरा करने वाला हो।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063